YouTube AJJ KA MUDDA
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र
Website : www.aajkamudda.com
Email:muddaaajka@gmail.com

आज का मुद्दा

नोएडा गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित
नजर आपकी खबर आपकी

वर्ष : 15 अंक 32 | नोएडा गौतमबुद्धनगर, गुरूवार 20 फरवरी 2025 | RNI-No. UPHIN/2011/37197 | पेजः 8 मूल्य : 2 रुपया

महाकुंभ के कारण चार राज्यों की 46 ट्रेनें कैंसिल

रेलवे इनके रेक का उपयोग स्पेशल ट्रेनों में कर रहा, मेला खत्म होने में सात दिन बचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रयागराज महाकुंभ खत्म होने में अब सिर्फ 7 दिन बचे हैं। 38 दिनों में कुल 55.56 करोड़ श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई है। रेलवे ने महाकुंभ के चलते विभिन्न राज्यों से प्रयागराज जाने वाली 46 ट्रेनें कैंसिल कर दी हैं। राजस्थान से 10, हरियाणा से 4, मप्र होकर जाने वाली 16 और बिहार से जाने वाली 16 ट्रेनें कैंसिल कर दी हैं। इसके अलावा कई ट्रेनों के रूट भी बदले गए हैं। जयपुर, जोधपुर, अजमेर और बीकानेर से चलने वाली 10 ट्रेनें रद्द की गई हैं। एक ट्रेन के रूट में भी बदला है। रेलवे कई ट्रेनों के रेक

का उपयोग महाकुंभ स्पेशल ट्रेनों के संचालन में कर रहा है। इससे उनकी कैंसिलेशन अवधि बढ़ा दी गई है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण ने बताया- महाकुंभ के दौरान बढ़ती भीड़ को देखते हुए ट्रेनों को कैंसिल किया गया है। इससे जयपुर समेत राजस्थान के अन्य शहरों से प्रयागराज और पूर्वी भारत जाने वाले यात्रियों को परेशानी होगी। रेलवे ने बिहार से चलने वाली 13 ट्रेंनों को कैंसिल कर दिया है। जबकि करीब 9 ट्रेनों का रूट डायवर्ट किया गया है। रेलवे ने ये फैसला तकनीकी कारणों से लिया है। जानकारी के मुताबिक, रेलवे ने कुछ ट्रेनों को प्रयागराज में भारी भीड़ के चलते भी कैंसिल किया है।

हमारे बीच कोई कोल्ड वॉर नहीं, मिलकर कर रहे काम

शिंदे ने अनबन की खबरों को किया खारिज

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ किसी भी तरह के मतभेद की खबरों को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि महायुति गठबंधन में सब कुछ ठीक है और उनके बीच किसी भी तरह का कोई कोल्ड वॉर नहीं चल रहा है। इनके बीच अनबन की खबरें तब चर्चा में आई जब शिंदे ने मुख्यमंत्री

रिलीफ फंड के जैसा मेडिकल सेल बना दिया। शिंदे के इस कदम को लेकर विपक्ष ने सवाल उठाए थे। शिंदे ने मंगलवार को कहा कि यह नया सेल किसी कॉम्पटिशन व्यवस्था के रूप में नहीं बल्कि मुख्यमंत्री के वॉर रूम के साथ मिलकर काम करेगा, ताकि मरीजों को बेहतर सेवाएं मिल सकें। फडणवीस ने भी विवाद को खारिज किया मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी मतभेद की खबरों को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा, इस तरह के सेल का गठन कोई गलत बात नहीं है, क्योंकि इसका मकसद लोगों की मदद है।

सीएम भगवंत मान के आवास के बाहर हंगामा

केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू के सुरक्षाकर्मियों और चंडीगढ़ पुलिस में तीखी बहस

डिबेट के लिए केंद्रीय मंत्री मान के आवास पहुंचे, सिक्योरिटी ने घुसने नहीं दिया

चंडीगढ़ (एजेंसी)। केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को बुधवार को पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से डिबेट करने के लिए उनके आवास पहुंच गए। सुरक्षा ने उन्हें अंदर जाने नहीं दिया और गेट पर ही रोक लिया। इसे लेकर बिट्टू की सिक्योरिटी और चंडीगढ़ पुलिस के अधिकारियों के बीच हाथापाई और धक्का-मुक्की तक हो गई। चंडीगढ़ पुलिस के अधिकारियों का कहना था कि उनके पास परमीशन नहीं थी इसलिए बिट्टू का काफिला रोक दिया। अधिकारियों ने पायलट गाड़ी के ड्राइवर को जबरन उतारने की कोशिश की। बिट्टू गाड़ी से उतरकर आए तो भी पुलिस अधिकारी सिक्योरिटी अफसर से बहस करते रहे। बिट्टू ने कहा, मैं अकेला यहां आया था। इन्होंने गालियां दीं। अगर मुझे डिटेन करना है तो कर लो। मैं गृह विभाग को शिकायत दूंगा। पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है। जिसमें अधिकारी कह रहे हैं कि आपने रास्ता ब्लॉक कर रखा है। इसके बाद अधिकारियों और ड्राइवर के बीच हाथापाई हुई। पायलट गाड़ी का ड्राइवर पुलिस अधिकारियों से कहता है कि गृह मंत्रालय ने उन्हें (बिट्टू) सिक्योरिटी दे रखी है। हमें कैसे उन्हें अकेला छोड़ सकते हैं। उन्हें कुछ हो गया तो कौन जिम्मेदार होगा। हमें गृह मंत्रालय ने भेजा हुआ है। हम ड्यूटी कर रहे हैं। हमारी ऑल इंडिया ड्यूटी है। इस पर अधिकारी कहते हैं कि आप अपनी ड्यूटी करो और हमें अपनी ड्यूटी करने दो। आप इस तरह रास्ता ब्लॉक नहीं कर सकते। चंडीगढ़ पुलिस के अधिकारी उदयपाल ने कहा कि केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू पंजाब सीएम के आवास पर जा रहे थे, जब उससे मिलने की परमीशन को लेकर पूछा गया, तो पता चला कि उनके पास परमीशन नहीं थी।

हरियाणा में बनेगा सबसे बड़ा जंगल सफारी पार्क

गुरुग्राम और नूंह जिले में हो सकता है विकसित, तैयारी पूरी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। घूमने-फिरने के साथ-साथ एडवेंचर का शौक रखने वाले पर्यटकों के लिए खुशखबरी आई है। जानकारी के अनुसार, हरियाणा अरावली रेंज में दुनिया का सबसे बड़ा जंगल सफारी पार्क को विकसित किया जाएगा, जिसकी घोषणा राज्य सरकार ने दी है। 10 हजार एकड़ को कवर करने वाली इस योजना का उद्देश्य विश्व स्तर पर सबसे बड़ी परियोजना बनाने का है। अभी तक सबसे बड़ा क्यूरेटेड सफारी पार्क शारजाह में स्थित है, जो करीबन 2 हजार एकड़ में फैला हुआ है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अरावली पार्क इससे पांच गुना बड़ा होने वाला है। पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए यहां कई आकर्षण भी लगाए जाएंगे। मिडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये जंगल सफारी पार्क हरियाणा के गुरुग्राम और नूंह जिले में विकसित किया जा सकता है। अरावली पर्वत श्रृंखला में मौजूद ये सफारी पार्क ना केवल अपने बड़े क्षेत्र

के लिए खास होगा बल्कि अपनी अद्वितीय डिजाइन के लिए भी विशेष रहने वाला है। हरियाणा सरकार स्थानीय लोगों को भी इस प्रोजेक्ट से जोड़ने की प्लानिंग कर रही है। होम-स्टे पुलिस और प्रशासन गांव के समुदायों को संरक्षण का महत्व बताएगा।

रेखा गुप्ता होंगी दिल्ली की नई मुख्यमंत्री

प्रवेश वर्मा डिप्टी सीएम होंगे, शपथ आज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता होंगी। ऋस् ने उनके नाम का प्रस्ताव रखा था, जिसे भाजपा ने मान लिया है। प्रवेश वर्मा डिप्टी सीएम होंगे। पार्टी के दोनों पर्यवेक्षक रविशंकर प्रसाद और ओम प्रकाश धनखड़ पार्टी दफ्तर में विधायकों से एक-एक करके बात की, फिर उनके नाम का ऐलान किया। विजेंद्र गुप्ता विधानसभा स्पीकर होंगे। विधानसभा चुनाव रिजल्ट के 11 दिन बाद आज शाम 7 बजे भाजपा विधायक दल की बैठक में मुख्यमंत्री के नाम का ऐलान हो गया है। मुख्यमंत्री की शपथ कल गुरुवार (20 फरवरी) को रामलीला मैदान में दोपहर 12.35 बजे होगी। दिल्ली के मुख्य सचिव की तरफ से भेजे गए निमंत्रण में मुख्यमंत्री के साथ मंत्रियों की शपथ का भी जिक्र है।

भारत-कतर समझौता

व्यापार-निवेश पर बनी बात, पर यहां हो रही दोनों देशों में मुश्किल!

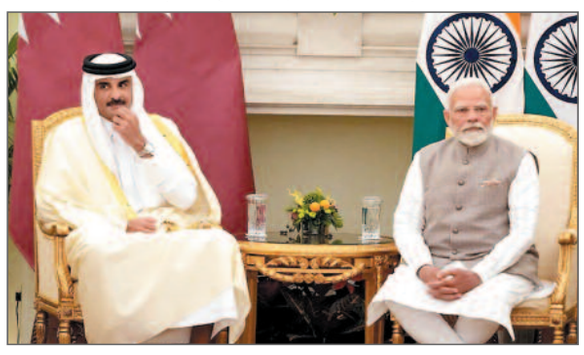

- कतर में कैद 600 भारतीयों के भविष्य पर अभी भी है सस्पेंस
- भारतीय नौसेना अधिकारी पर चल रही सुनवाई, वापसी की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल-सानी के बीच वार्ता में दोनों देशों के संबंधों को नई ऊंचाई पर ले जाने पर सहमति बनी। दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा और लोगों से लोगों के संबंधों पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारत-कतर संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक ले जाने का फैसला किया। भारतीय विदेश मंत्रालय ने बताया कि कतर में अभी भी 600 भारतीय बंद हैं। इसके अलावा, एक भारतीय नौसेना के अधिकारी भी कैद में हैं। कतर के अमीर दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर सोमवार को भारत पहुंचे हैं। दोनों देशों के बीच हुई बातचीत के बारे में विदेश मंत्रालय के अधिकारी अरुण कुमार चटर्जी ने बताया कि नौसेना अधिकारी का मामला वहां की स्थानीय अदालतों में लंबित है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने अमीर और उनकी सरकार द्वारा भारतीय नागरिकों के संरक्षण और कल्याण के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। हालांकि विदेश मंत्रालय के सचिव ने सीधे तौर पर ये नहीं बताया कि क्या पीएम मोदी और कतर के अमीर के बीच भारतीय नौसेना के अधिकारी को लेकर कोई बातचीत हुई या नहीं। कैद के बाद लौटे नौसेना अधिकारियों ने खाड़ी देश में फंसे अंतिम भारतीय को वापस लाने की मांग की।

लगाके आग बहारों की बात करते हैं...

- महाकुंभ भगदड़ पर विपक्ष पर बरसे सीएम योगी
- लालू-खरगे से ममता बनर्जी तक, किसी को नहीं छोड़ा

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा में महाकुंभ 2023 और उससे जुड़ी आलोचनाओं पर अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि 56 करोड़ से ज़्यादा श्रद्धालु कुंभ में आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। उन्होंने सनातन धर्म, गंगा, भारत की आस्था और महाकुंभ के खिलाफ फैलाए जा रहे झूठे प्रचार की निंदा की। उन्होंने कहा कि ऐसे झूठे वीडियो और अफवाहें इन 56 करोड़ श्रद्धालुओं की आस्था के साथ खिलवाड़ हैं। योगी ने जोर देकर कहा कि कुंभ किसी पार्टी का नहीं, बल्कि पूरे समाज का आयोजन है, और सरकार सिर्फ एक सेवक की भूमिका में है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार अपनी जिम्मेदारियों को पूरी तत्परता से निभाएगी। बावजूद इन अफवाहों और दुष्प्रचार के, जनता ने इस आयोजन को सफल बनाया है। मुख्यमंत्री ने 29 जनवरी को हुई भगदड़ में पीड़ित लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। साथ ही, सोनभद्र और अलीगढ़ में हुए सड़क हादसों में जान गंवाने वालों के प्रति भी उन्होंने दुःख जताया और कहा कि सरकार पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है। लेकिन, उन्होंने इस पर राजनीति करने पर सवाल उठाए। योगी ने मनोज पांडे का धन्यवाद किया जिन्होंने काहिरा और नेपाल के वीडियो को कुंभ का बताकर फैलाई जा रही अफवाहों का जिक्र किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, जो लोग 29 जनवरी की एक भगदड़ के शिकार हुए थे, उनके प्रति हमारी संवेदनाएं हैं। सोनभद्र, अलीगढ़ जिनका भी जिक्र आपने किया जो सड़क दुर्घटना के शिकार हुए। हमारी संवेदनाएं उनके साथ हैं। सरकार उनके साथ खड़ी है लेकिन इस पर राजनीति करना कितना उचित है। मुख्यमंत्री ने उन लोगों पर कटाक्ष किया जो कुंभ के आयोजन पर सवाल उठा रहे थे। उन्होंने एक कविता के माध्यम से अपनी बात रखी-लगाके आग बहारों की बात करते हैं, जिन्होंने रात में चुन-चुनकर बस्तियों को लूटा, वही नसीबों के मारों की बात करते हैं। उन्होंने कहा कि 56 करोड़ से ज़्यादा श्रद्धालुओं की आस्था का सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आयोजन किसी पार्टी विशेष का नहीं था। आयोजन समाज का है। सरकार पीछे है। सरकार सेवक के रूप में वहां पर है। इसके लिए हम लोग तत्परता के साथ जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे। योगी ने जनता द्वारा अफवाहों और दुष्प्रचार को नज़रअंदाज करके कुंभ को सफल बनाने की सराहना की। उन्होंने कहा- अफवाहों और दुष्प्रचार को दरकिनार कर लोगों ने इसे सफलता दिलाई।

सरकारी कर्मचारियों को हेलमेट और सीट बेल्ट अनिवार्य

नोएडा। बाइक या फिर चार पहिया वाहनों से सरकारी दफ्तरों को आने वालों के लिए हेलमेट और सीट बेल्ट अनिवार्य किया गया है। शासन से जारी आदेश पर विभागीय अधिकारियों ने मंगलवार को बैठक करके कर्मियों को इसकी जानकारी दी है।बताया कि यदि वह दोपहिया या चार पहिया वाहन चलाते हैं तो दफ्तर हेलमेट लगाकर और सीट बेल्ट पहनकर ही आएं।

एआरटीओ डॉ. सियाराम वर्मा ने बताया कि शासकीय एवं अर्धशासकीय कार्यालयों के अधिकारी एवं कर्मचारी, जो दोपहिया वाहन से कार्यालय आते हैं, वह हेलमेट अनिवार्य रूप से पहनें। उनके साथ यात्रा करने वाले सहयात्री के लिए भी हेलमेट पहनना आवश्यक होगा। जो अधिकारी/कर्मचारी चार पहिया वाहन से कार्यालय आते हैं, वे वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करें। सह यात्रियों के लिए भी सीट बेल्ट पहनना अनिवार्य होगा। कार्यालयों के प्रवेश द्वार पर सुरक्षाकर्मी इसको चेक करेंगे।नियमों का पालन न करने पर कार्रवाई के साथ ही कार्यालय से बाहर भेजने की भी कार्रवाई हो सकती है।

भारत को एक और झटका देने की तैयारी में बांग्लादेश!

चीन के साथ करने जा रहा बड़ा समझौता, मार्च से दिखने लगेगा असर

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश के नागरिक अभी तक इलाज के लिए भारत आते थे लेकिन अब इलाज के लिए उनका नया ठिकाना चीन बन सकता है। बांग्लादेशी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत के साथ संबंधों में गिरावट आने के बाद अब बांग्लादेश के नागरिक जल्द ही इलाज करवाने के लिए चीन की तरफ जाना शुरू करेंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर सब कुछ सही रहा तो अगले महीने, यानि मार्च से बांग्लादेशी मरीज इलाज के लिए चीन जाना शुरू कर देंगे। माना जा रहा है कि अगर बांग्लादेश के मरीज इलाज के लिए चीन का रुख करते हैं, तो कोलकाता के अस्पतालों को थोड़ी परेशानी उठानी पड़ सकती है। शेख हसीना की सरकार गिरने से पहले तक हर महीने बांग्लादेश के करीब 10 हजार मरीज इलाज के लिए कोलकाता आते थे। लेकिन अब बांग्लादेश मरीजों की संख्या में गिरावट आई है। जिसकी वजह से कोलकाता और त्रिपुरा के कई अस्पतालों ने औसतन लगभग 10-15 फीसदी का राजस्व नुकसान दर्ज किया गया है। ढाका स्थित प्रोथोम एलो की रिपोर्ट में कहा गया है कि बांग्लादेश और चीन के बीच चल रही बातचीत के मुताबिक चीन के युन्नान प्रांत के तीन शीर्ष अस्पतालों को बांग्लादेश के मरीजों को भर्ती करने के लिए नामित किया गया है। इनमें युन्नान प्रांत का पहला पीपुल्स अस्पताल, कुनमिंग मेडिकल यूनिवर्सिटी का पहला संबद्ध अस्पताल और चीनी मेडिकल साइंस एकेडमी का फुवाई युन्नान अस्पताल शामिल हैं। बांग्लादेशी मरीजों के लिए चीन की सरकार के साथ उन्हें आसानी से वीजा उपलब्ध करवावे के लिए बातचीत चल रही है। इसके अलावा मरीजों और अस्पताल प्रशासन के बीच बातचीत करने में कोई दिक्कत ना हो, इसके लिए ट्रांसलेटर्स को भर्ती करने के लिए भी काम किए जा रहे हैं। बांग्लादेशी मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि मोहम्मद यूनुस की सरकार ने हाल ही में ढाका में बांग्लादेश-चीन मैत्री अस्पताल स्थापित करने के लिए चीन से संपर्क किया था। जिसके बाद अस्पताल के निर्माण को लेकर चीन ने बांग्लादेश की सरकार से एक विस्तृत प्रस्ताव मांगा है। इसके अलावा, चीन ने पिछले साल जुलाई-अगस्त में हुए विद्रोह में घायल हुए लोगों का इलाज करने और उनके पुनर्वास के लिए विशेष आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराने की भी पेशकश की है।

प्रगति यात्रा के सहारे चुनावी नैया पार उतारने की कोशिश में नीतीश

उमेश चतुर्वेदी

जनता दल से अलग होकर जब से नीतीश कुमार ने अपनी अलग राह चुनी है, बिहार में ज्यादातर जंग लालू बनाम नीतीश ही रही है। सियासी इतिहास गवाह है कि जब भी लालू बनाम नीतीश की जंग होती है, लालू का जंगलराज के भूत का डर बिहार के लोगों को सताने लगता है। इस जंग में लालू की बनिस्बत नीतीश का चमकदार और सुलझा हुआ सामने आ जाता है और सियासी बाजी नीतीश की अगुआई वाले गठबंधन के ही हाथ लगती रही है।

बिहार में विधानसभा चुनावों की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है। छह महीने बाद राज्य में चुनाव होने हैं। ऐसे में पक्ष और विपक्ष-दोनों ने चुनावी समर के लिए कमर कस लिया है। इन तैयारियों के बीच एक बात तय है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी एनडीए एक बार फिर नीतीश कुमार की ही अगुआई में चुनावी मैदान में उतरने जा रहा है। पिछले साल नीतीश और लालू के मिलने की खबरिया कानाफूसी हो रही थी, उन्हीं दिनों पहले अमित शाह और बाद बीजेपी अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, दोनों नीतीश के ही चेहरे पर चुनाव लड़ने का ऐलान करने में देर नहीं लगाई। वहीं विपक्षी खेमे की कमान बीमारी के बावजूद लालू यादव ने अपने हाथ में ले ली है।

जनता दल से अलग होकर जब से नीतीश कुमार ने अपनी अलग राह चुनी है, बिहार में ज्यादातर जंग लालू बनाम नीतीश ही रही है। सियासी इतिहास गवाह है कि जब भी लालू बनाम नीतीश की जंग होती है, लालू का जंगलराज के भूत का डर बिहार के लोगों को सताने लगता है। इस जंग में लालू की बनिस्बत नीतीश का चमकदार और सुलझा हुआ सामने आ जाता है और सियासी बाजी नीतीश की अगुआई वाले गठबंधन के ही हाथ लगती रही है। एनडीए अगर बिहार की सत्ता से अतीत में कभी दूर हुआ भी है तो उसकी वजह खुद नीतीश का उसका साथ छोड़ना रहा है। नीतीश कुमार की अगुआई में 2005 में बिहार की सत्ता पर एनडीए के काबिज होने के बाद बिहार की अराजक छवि में तेजी से बदलाव हुआ। शासन की गाड़ी पटरी पर लगातार आती गई। नीतीश के पहले बिहार में बिजली के दर्शन कभी-कभी होते थे, लेकिन बाद में हालात बदले। बिहार की सड़कें देश और दुनिया में अपनी बदहाली के लिए जानी जाती थीं, लेकिन नीतीश ने उन्हें भी बदला। लड़कियों को स्कूल जाने के लिए साइकिलों की सौगात मिली। कभी माफिया, अपहरण और वसूली के लिए बदनाम बिहार की छवि बदलने लगी। इसके बाद नीतीश कुमार की भी नई छवि बनी, उन्हें नया नाम भी मिला, सुशासन कुमार। पंद्रह साल बाद हुए विधानसभा चुनावों में नीतीश की पार्टी की सीटें घटीं। हाल के दिनों में उनके कुछ बयानों पर सवाल

भी उठे, इसके बावजूद बिहार की राजनीति का सबसे चमकदार चेहरा अब भी नीतीश कुमार ही हैं। शायद यही वजह है कि एनडीए एक बार नीतीश कुमार के ही चेहरे के साथ मैदान में उतरने जा रहा है। एनडीए और जनता दल यू को लगता है कि इस जंग में इस बार सियासी कामयाबी दिलाने में मददगार नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा ही हो सकती है। इसलिए सत्ताधारी खेमे की ओर से एक तरफ जहां विकास को मुद्दा बनाने की तैयारी है, वहीं विकास के सिलसिले में नए आयाम जोड़ने को लेकर तेजी से काम हो रहा है। इसी के तहत नीतीश सरकार सड़क और पुल निर्माण जैसे विकास कार्यों को जमीन पर उतारने की तैयारी तेज कर दी है।

एनडीए के साथ ही बिहार के सियासी जानकारों का मानना है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की यह यात्रा बिहार के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। क्योंकि नीतीश सरकार की नीतियों की वजह से पहले से ही समूचे राज्य में बुनियादी सुविधाओं में तेजी से सुधार हो रहा है। अपनी सरकार की उपलब्धियों के साथ ही लोगों की राय जानने के लिए कुछ दिनों पहले से नीतीश कुमार ने राज्य में प्रगति यात्रा की। इस यात्रा के दौरान नीतीश ने राज्य के तमाम जिलों में लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं को सुना और उनके समाधान के लिए सुनवाई की जगह पर ही अधिकारियों को सीधे निर्देश दिए। इस यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री ने बिहार के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं। विशेष रूप से सड़क निर्माण, बाईपास और उच्चस्तरीय रेलवे ओवर ब्रिज की योजनाओं पर जोर दिया गया, ताकि राज्य में आवागमन की सुगमता बढ़े और यात्रा समय में कमी आए।

प्रगति यात्रा के ही दौरान नीतीश कुमार ने 20, 000 करोड़ रुपये की 188 योजनाओं की घोषणा की, जिनमें 121 योजनाओं को मंत्रिपरिषद की मंजूरी मिल चुकी है और उन्हें जमीनी हकीकत बनाने को लेकर तेजी से काम शुरू हो चुका है। इनमें से कई योजनाएं ग्रामीण सड़कों को बेहतर बनाने, उनका पुनर्निर्माण करने और उनकी हालत पहले की तुलना में और बेहतर बनाने को लेकर हैं। इस दौरान समस्तीपुर और मधेपुरा जिलों में महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं को मंजूरी दी जा चुकी है। साथ ही, सीवान, छपरा, गोपालगंज और मुजफ्फरपुर जिलों में सड़क चौड़ीकरण, बाईपास और पुल निर्माण कार्यों के लिए भी भारी धनराशि स्वीकृत की गई है। सत्ताधारी खेमे का दावा है कि नीतीश कुमार की दूरदर्शी सोच और कड़ी मेहनत की वजह से बिहार का तकरीबन हर गांव पक्की और चौड़ी सड़कों से जोड़ा जा रहा है। बहुत सारी सड़कें तैयार भी हो चुकी हैं। जिनकी मदद से बिहार के किसी भी कोने से पहले की तुलना में राजधानी पटना पहुंचना कहीं ज्यादा आसान हुआ है। इसकी वजह से लोगों के समय और ईंधन की बचत हो रही है। नीतीश की अगुआई में 2010 में मिली दूसरी जीत में बेहतर सड़कों की बड़ी भूमिका रही। शायद यही वजह है कि नीतीश कुमार ने सड़कों और बुनियादी सुविधाओं के लिए खजाना खोल दिया है।

नीतीश के लिए चुनौती शराबबंदी बनी हुई है। सरकारी तंत्र के भ्रष्टाचार की वजह से शराब की तस्करी बढ़ी है। हालांकि शराबबंदी से महिलाएं खुश हैं। नीतीश को इस चुनौती से पार पाना होगा। वैसे प्रशांत किशोर जैसे उनके पुराने साथी विपक्षी खेमे की ओर से इसे बड़ा मुद्दा बना रहे हैं। फिर भी कह सकते हैं कि बिहार की आर्थिक प्रगति की ओर बढ़ा नीतीश सरकार का पहिया अब भी प्रमुख मुद्दा है। उम्मीद की जा रही है कि चुनावों की घोषणा होने तक नीतीश और बीजेपी इसे अपनी उपलब्धि के तौर पर प्रचारित और विस्तारित करते रहेंगे। यह सच है कि जातिवाद से ग्रस्त बिहार की राजनीति पर विकास की राजनीति भारी पड़ती रही है। शायद यही वजह है कि नीतीश सरकार विकास पर जोर दे रही है और इसे ही अपना सियासी हथियार बनाने की तैयारी में है।

संपादकीय

बेवजह के विवाद

सुप्रीम कोर्ट ने पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम 1991 की वैधता से संबंधित मामले में नयी याचिकाएं दायर होने पर नाराजगी व्यक्त की।

अदालत ने कहा नये अंतरिम आवेदन को केवल तभी अनुमति दी जा सकती है, जब कोई नया बिन्दु या नया कानूनी मुद्दा हो, जो लंबित याचिकाओं में न उठाया गया हो। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, लोग नई याचिकाएं दायर करते रहते हैं और दावा करते हैं, उन्होंने नये आधार उठाए हैं। पीठ ने स्पष्ट कहा कि पहले तीन न्यायाधीशों की पीठ द्वारा सुनी गई लंबित याचिकाओं पर दो न्यायाधीशों की पीठ सुनवाई नहीं कर सकती। शीर्ष अदालत ने दिसम्बर 2024 के अपने आदेश में विभिन्न हिन्दू पक्षों द्वारा दायर लगभग अट्ठारह मुकदमों में कार्यवाही को प्रभावी तौर पर रोक दिया था, जिसमें वाराणसी की ज्ञानवापी, मथुरा की शाही ईदगाह मस्जिद व संभल की शाही जामा मस्जिद समेत दस मस्जिदों के मूल धार्मिक चरित्र का पता लगाने को सर्वेक्षण की माग की गई थी। 1991 में अयोध्या में विवादित बाबरी विध्वंस के बाद देश में पूजास्थल कानून लागू किया गया था, जिसके तहत आजादी से पूर्व मौजूद किसी भी धर्म के पूजास्थल को दूसरे धर्म के पूजास्थल में नहीं बदला जा सकता। जिन लोगों ने 1991 के इस अधिनियम की वैधानिकता को चुनौती दी, उनका आरोप है यह अधिनियम हिन्दुओं के साथ ही जैनियों, बौद्धों, सिखों को अपने पूजास्थलों को पुनः प्राप्त के लिए अदालतों में जाने से रोकता है। जिन पर कट्टरपंथी बर्बर आक्रमणकारियों द्वारा आक्रमण या अतिक्रमण किया गया था। निचली अदालतों से लेकर शीर्ष अदालत तक जनहित याचिकाओं का अंबार है। इस पर जबरन विवाद उछालने, चर्चा में आने या राजनीतिक दलों द्वारा बहुसंख्यकों को प्रभावित करने के उद्देश्य से लगातार इन विवादास्पद धार्मिक स्थलों के खिलाफ याचिकाएं दायर की जा रही हैं। इन पर आक्रामक बयानबाजियां की जाती हैं और उन्मादी धार्मिक भावनाएं भड़काने का प्रयास होता रहता है। जनहित याचिकाओं की आड़ में न्यायालय का वक्त जाया करने और भारी धनराशि का अपव्यय करने वाली मानसिकता पर सख्ती जरूरी है। सांप्रदायिक सौहार्द व सद्भावना बनाये रखने के लिहाज से अदालतें संतुलित निर्णय लेने को स्वतंत्र हैं। अदालतों द्वारा ही धार्मिक स्थलों को संरक्षित करने व विवादों को बिला-वजह तूल देने की प्रवृत्ति को थामा जा सकता है। ताकि देश में शांति रहे व विश्व पटल पर छवि धवल बनी रह सके।

चिंतन-मनन

इसलिए सबसे छोटा है कलियुग

शास्त्रों में सृष्टि के आरंभ से प्रलय काल तक की अवधि को चार युगों में बांटा गया है। वर्तमान में हम जिस युग में जी रहे हैं उसे कलयुग कहा गया है। इससे पहले तीन युग बीत चुके हैं सतयुग, त्रेता और द्वापर। भगवान श्री राम का जन्म त्रेतायुग में हुआ था और द्वापर में भगवान श्री कृष्ण का। कलियुग के अंत में भगवान कलकि अवतार लेंगे और संसार में फैले पाप और अन्याय के साम्राज्य का अंत करके पुन? धर्म की स्थापना करेंगे। भगवान ने चारों युगों में सबसे कम उम्र कलियुग को प्रदान किया है। शास्त्रों में सतयुग की अवधि 17 लाख 28 हजार वर्ष बतायी गयी है और त्रेता की अवधि 12 लाख 28 हजार। द्वापर युग की अवधि 8 लाख 64 हजार है जो त्रेता से लगभग 4 लाख वर्ष कम है। कलियुग की अवधि द्वापर से ठीक आधी, यानी 4 लाख 32 हजार है। सतयुग से कलयुग तक सभी युगों की अवधि छोटी होती गयी है। इसका कारण यह है कि, भगवान बताना चाहते हैं, जो जितना पापी होगा उसकी उम्र उतनी कम होगी। भविष्य पुराण सहित कई शास्त्रों एवं पुराणों में बताया गया है कि कलियुग में पाप की पराकाष्ठा होगी। मनुष्य का व्यवहार सृष्टि के नियम के विरूद्ध होता जाएगा। हिंसा में मनुष्य पशुओं को भी पीछे छोड़ देगा। पशु तो सिर्फ अपनी भूख मिटाने के लिए दूसरे पशु को मारते हैं मनुष्य अकारण ही दूसरे मनुष्य को मारेगा। सच्चे संत भिखारी कहलाएंगे और अपमानित होंगे। कथावाचक और झूठे संत ऊंचे आसन पर विराजमान होंगे। तुलसीदास जी ने भी कलियुग के इस रूप का वर्णन किया है। त्रेतायुग में रावण ने सीता का हरण किया लेकिन उनकी मर्जी के बिना उन्हें अपनाना पाप समझा। इस युग में छोटा भाई बड़े भाई के प्रति आज्ञाकारी था। बड़ा भाई अपने स्वार्थ के लिए छोटे भाई के साथ छल नहीं करता था। इसका उदाहरण राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न ये चार भाई हैं। त्रेता से जब द्वापर में आते हैं तब पाप बढ़ता दिखता है। द्वापर युग में देवर अपनी भाभी को बीच सभा में नग्न करने की कोशिश करता है जिसका उदाहरण द्रौपदी चीर हरण की घटना है। राजा अपनी शक्ति के मद में अबला स्त्री को हवस का शिकार बनाना चाहता है। इसका उदाहरण जयद्रथ द्वारा द्रौपदी हरण और दुर्योधन द्वारा भीलों की कन्या का हरण करने की घटना है। भाई अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए पूरे परिवार को युद्ध की आग में झोंक देता है इसका उदाहरण महाभारत युद्ध है। लेकिन कलियुग में आये दिन भाई-भाई, बाप-बेटे में स्वार्थ की पूर्ति के लिए लड़ाई होती है। लोगों की काम-वासना इतनी बढ़ गयी है कि आये दिन स्त्रियों का हरण होता है और उन्हें अपमानित किया जाता है। पाप आचरण से भरा हुआ कलियुग अगर अधिक दिनों का होगा तो सृष्टि में हाहाकार मच जाएगा। यही कारण है कि भगवान ने कलियुग को सबसे कम उम्र दिया।

सामाजिक ताना-बाना बिखेर रहे नंगापन और रील्स के परिवेश

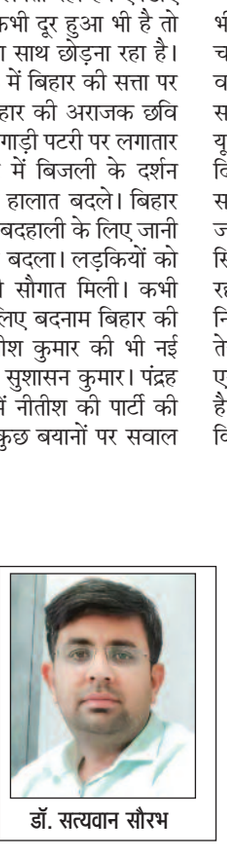

डॉ. सत्यवान सौरभ

पूरा देश नग्नता के लिए फिल्मों को दोष देता है परंतु आज सोशल मीडिया (सामाजिक पटल) पर इतनी भयंकर नग्नता है कि हमारी जो भारतीय फिल्में को भी शर्म आ जाए। आज कोई भी सोशल प्लेटफार्म अछूता नहीं है फूहड़पन और नग्नता से। सोशल मीडिया के अंधे दौर में कुछ लाइक और व्यू पाने के लिए हमारे समाज की नारियों को कैसे लक्षित किया जा रहा है और उन्हें नग्नता परोसना पड़ रहा है और वह लाइक और व्यू के आसमान में उड़ने के लिए नग्नता परोस स्वयं के मान सम्मान स्वाभिमान का सौदा आसानी से कर रही है। कुछ चप्पल छाप यूट्यूबर्स लोग केवल व्यू पाने के लिए हमारी आस्था पर इस तरह के अश्लीलता वाले थम्बनेल लगाते हैं। किससे क्या कहें? जीवन का चरमसुख अब फॉलोअर्स पाने और कमेंट आने पर निर्भर हो गया है। फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म पर नग्न अवस्था में तस्वीरें शेयर कर आज लड़कियाँ लाइक कमेंट पाकर खुद को अनुगृहित करती दिखाई देती है, मानो जीवन की सबसे अहम और जरूरी ऊंचाई को उन्होंने पा लिया हो। इस नग्नता को हम आधुनिकता के इस दौर में न्यू फैशन कहते हैं। सोशल मीडिया पर फैशन की उबाल आई तो सोशल नेटवर्क पर युवा पीढ़ी ने खुद को खूबसूरत युवतियों से पीछे पाया, फिर क्या युवकों ने खुद की नग्नता का नंगा नाच शुरू किया और कहा, मैं पीछे कैसे? युवा अपने यौवन को दिखाते घूम रहे हैं मैं किसी से कम नहीं। ऐसे बिगड़ैल यूट्यूबर के इंटरव्यूज होना और भी अचरज की बात है। पहले के जमाने में बड़े बुजुर्ग इस तरह की हरकतों पर नकेल कसते थे। खैर जमाना आधुनिक है इस लिए समाज इसे स्वीकारता और आनंदित होता है। पर ये बहुत ही गम्भीरता से सोचने का विषय है-हमारे घरों के छोटे-छोटे बच्चे किस दिशा में जा रहे हैं। माता-पिता क्यों जानबूझ कर अनदेखा कर रहें हैं? क्यों नहीं अपने बच्चों को टाईम और संस्कार देना चाहते हैं? क्यों अपने हाथो अपने बच्चो को दलदल में धकेल रहें हैं। आजकल के माता-पिता बहुत ज्यादा मार्डन है और उन्हें नंगापन, बॉयफ्रेंड और मार्डन परिवेश बेहद आकर्षित करती है। ये आने वाली पीढ़ी और समाज के लिए घातक सिद्ध होगा। टीनएजर लड़कियों की मनःस्थिति को अपने खास मकसद के मुताबिक ढाला जा रहा है। अब तो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मस आभासी नग्नता के अड्डे बने हुए हैं। वल्गर रील्स और वीडियोस तो अब हर घर के टीनेजरस बना ही रहे हैं। अब तो ऐसा महसूस होने लगा है कि वैश्यावृति के अड्डे भी नये विकल्पों के साथ हवस परस्त मर्दो के लिए उपलब्ध हो गए हैं। सोशल मीडिया पर आजकल जो ये फॉलोवर बढ़ाने के लिए जो नग्नता परोसी जा रही है। क्या उसमें परोसने वाले ही दोषी हैं? क्या उसको लाइक और शेयर करने वाले दोषी नहीं हैं? मेरे हिसाब से तो वह ज्यादा दोषी हैं। अगर हम ऐसी पोस्ट या वीडियो को लाइक शेयर करना ही बंद कर दें तो क्या ये बंद नहीं हो सकता? आज सामाजिक विकार अपने सफर के सफलतम पड़ाव में है। रोकथाम की कोई गुंजाइश नहीं है। अब तो प्रलय ही इसकी गति को रोक सकती है। सोशल मीडिया में रील्स पर नग्न और अश्लील नृत्य की नौटंकी करने वाली बेटियों से निवेदन है कि चंद कागज के टुकड़ों के लिए अपने परिवार और धर्म की इज्जत तार-तार ना करो। पैसे आपको आज नृत्य के लिए नहीं अपितु नग्नता परोसने के लिए दिए जा रहे है ताकि पूरे समाज को एक दिन रसातल में धकेल कर नीचा दिखाया जा सके।

हमारी संस्कृति ही नहीं बचेगी तो-तो हमारे राष्ट्र का और आने वाली पीढ़ियों का दुगुर्णों से विनाश होने से कोई बचा नहीं सकता है। अभी समझे कि संस्कृति क्या है और इसे बचाना क्यों जरूरी है। यह हमारे राष्ट्र का स्वाभिमान है। हमें चाहिए अश्लीलता और नग्नता मुक्त समाज अपनी नष्ट हो रहे सभ्यता और संस्कृति की रक्षा करें। बॉलीवुड की अश्लीलता, नग्नता और गाली गलौज से भरी फिल्मों और वेब सीरीज का बहिष्कार करें। अश्लील गाना एवं अश्लील फिल्मों का बहिष्कार करें। सोशल मीडिया में ट्वीटर, फेसबुक आदि ऐसे प्लेटफार्म हैं जिसके माध्यम से लोग अपने विचार, अभिव्यक्ति के साथ किसी महत्त्वपूर्ण जानकारी का प्रेषण करते हैं। किन्तु वर्तमान में इन प्लेटफार्मो में अश्लील, आपत्तिजनक व नग्नता पूर्ण मैसेज व विज्ञापन की भरभार होने के साथ जुए जैसे खेलों को खेलने के लिए प्रोत्साहित कर सामाजिक प्रदूषण फैलाया जा रहा है। हमारे नौनिहाल, बहन बेटी भी इन प्लेटफार्मो का बहुतायत उपयोग करते है। इस प्रदूषण पर अंकुश लगवाने के लिए सभी को सोचना होगा और खुद पहल करनी होगी। आज चेतना चाहिए नहीं तो कल रास्तों में होगा नंगा नाच। आप देश का भविष्य हो, कठपुतली मत बनो। स्वच्छंदता के नाम पर फूहड़ता सोशल मीडिया के इस दौर में अपने चरम पर है। हमारी संस्कृति में स्त्री को धन की संज्ञा से नवाजा गया वह भी बहुमूल्य न कि टके बराबर। इसलिए राजदरबारो में होने वाले मुजरे भी चारदीवारो के अंदर ही होते थे। सत्य यह है कि अश्लीलता को किसी भी दृष्टिकोण से सही नहीं ठहराया जा सकता। ये कम उम्र के बच्चों को यौन अपराधों की तरफ ले जाने वाली एक नशे की दुकान है और इसका उत्पादन आज सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म स्त्री समुदाय के साथ मिलकर कर रहा है। मस्तिष्क विज्ञान के अनुसार 4 तरह के नशों में एक नशा अश्लीलता से भी है।

आचार्य कौटिल्य ने चाणक्य सूत्र में वासना' को सबसे बड़ा नशा और बीमारी बताया है। यदि यह नग्नता आधुनिकता का प्रतीक है तो फिर पूरा नग्न होकर स्त्रियाँ पूर्ण आधुनिकता का परिचय क्यों नहीं देती? गली-गली और हर मोहल्ले में जिस तरह शराब की दुकान खोल देने पर बच्चों पर इसका बुरा प्रभाव पड़ता है उसी तरह अश्लीलता समाज में यौन अपराधों को जन्म देती है। इसको किसी भी तरह उचित नहीं ठहराया जा सकता है। विचार करिए और चर्चा करिए या फिर मौन धारण कर लीजिए।

अखिलेश पर भारी पड़ आ रहा है महाकुंभ का विरोध

आज का मुद्दा

समाजवादी पार्टी आजकल दुविधा की सियासत से जूझ रही है। उसके एक तरफ कुआ तो दूसरी तरफ खाई जैसी स्थिति है। इसी कारण समाजवादी पार्टी तुष्टिकरण की सियासत तो खुलकर कर रही है,लेकिन हिन्दूवादी राजनीति को लेकर कोई फैसला नहीं ले पा रही हैं। सपा की हालात यह हो गई है कि मोदी-योगी सरकार के हर फैसले में अखिलेश को साम्प्रदायिकता और खामियों के अलावा कुछ नजर नहीं आता है। धर्म की बात की जाये तो अखिलेश महाकुंभ में खामियां तलाश रहे हैं। हाल यह है कि महाकुंभ के सफल आयोजन को लेकर जहां बच्चा-बच्चा योगी की तारीफ कर रहा है। वहीं अखिलेश और उनकी टीम मौनी अमवस्या के शाही स्नान के समय मची भगदड़ में हुई तीस लोगों की मौत पर राजनीति करने से उबर नहीं पा रही है,जिस समाजवादी पार्टी की मुलायम सरकार ने 1990 में अयोध्या में कारसेवकों पर अंधाधुंध गोलियां बरसा कर उन्हें मौत के घाट पर सुला दिया गया था,इसमें कितने लोग मरे थे यह आज भी रहस्य बना हुआ है। खास बात यह है कि योगी सरकार कह रही है कि भगदड़ में तीस लोग मरे हैं,वहीं समाजवादी पार्टी नेता इसे झूठ बता रहे है। सपा नेता तर्क दे रहे हैं हजारों जूते-चप्पलें और बैग घटना स्थल पर पड़े मिले थे,जिससे साबित होता है कि हजारों लोग मरे होंगे,लेकिन सवाल यह है कि यदि समाजवादी पार्टी के प्रमुख सहित अन्य तमाम नेताओं और कांग्रेस नेता राहुल गांधी आदि की यह बात मान भी ली जाये कि भगदड़ में हजारों लोग मरें हैं तो वह पीड़ित लोग सामने क्यों नहीं आ रहे हैं जिनके परिवार के लोग भगदड़ में मारे गये हैं। यही बात बताती है कि विपक्ष भगदड़ के नाम पर महाकुंभ और योगी सरकार को बदनाम करने की साजिश में लगे हैं। इसीलिये अखिलेश का साथ दलित और पिछड़े लोग भी छोड़ने लगे हैं।आज अखिलेश सिर्फ मुस्लिमों के नेता बनकर रह गये हैं,उसमें भी उदारवादी और पढ़े लिखे मुसलमान बीजेपी के साथ जुड़ते जा रहे हैं। वैसे यह भी नहीं भूलना चाहिए के अखिलेश यादव शुरू दिन से महाकुंभ का विरोध कर रहे हैं। यह

बात विधानसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी कही कि पहले दिन से सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अफवाह फैलाने में लगे हैं। अखिलेश सबसे पहले कहते हैं कि महाकुंभ को इतना पैसा और विस्तार देने की जरूरत क्या थी। फिर कहते हैं कि 65-70 के लोग महाकुंभ में स्नान नहीं कर पा रहे हैं। फिर कहते हैं महाकुंभ जैसा कोई शब्द ही नहीं है। महा सरकारी पैसा निकालने के लिये महाकुंभ शब्द रचा गया। अखिलेश तंज कसते हैं कि 50 नहीं 60 लोग आ चुके हैं। इसी तरह से लालू यादव महाकुंभ को फालतू बताते हैं तो पश्चिमी बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी महाकुंभ को मृत्यु कुंभ बताते हैं,लेकिन कोई इसका विरोध नहीं करता है।इसी तरह से सोशल मीडिया पर इधर-उधर की फोटो और वीडियो को महाकुंभ की घटना बता कर प्रचारित किया जा रहा है।

गौरतलब हो, आज महाकुंभ पर हो हल्ला मचाने वाले समाजवादी इससे पूर्व अयोध्या में रामलला के मंदिर निर्माण के समय भी ऐसा करते नजर आये थे। सपा प्रमुख अखिलेश यादव तो मंदिर निर्माण के उदघाटन अवसर पर भी मौजूद नहीं रहे थे। कारण बहुत साफ था वहीं चुनाव के समय उन्हें ईवीएम और चुनाव आयोग में खामियां नजर आती हैं। योगी जब अवधी,भोजपुरी,बुंदेलखंडी भाषा को आगे बढ़ाने की बात करते हैं तो समाजवादी उर्दू को आगे बढ़ाने का राग अलापने लगते हैं।

समाजवादी पार्टी के नेताओं को समझना होगा कि यूपी में जिस भारतीय जनता पार्टी को सपा के पूर्व प्रमुख मुलायम सिंह यादव ने अपने सियासी अखाड़े में कभी उभरने नहीं दिया,उसी भारतीय जनता पार्टी को अखिलेश यादव की गैर जिम्मेदाराना और अपरिपक्त राजनीति ने अपनी सियासत चमकाने का पूरा मौका दे दिया। समाजवादी पार्टी मुलायम सिंह के नेतृत्व में 2012 में अंतिम बार चुनाव जीती थी और अखिलेश सीएम बने थे,उसके बाद से आज तक अखिलेश अपने बल पर कोई बड़ा करिश्मा नहीं कर पाये हैं। 2024 के आम चुनाव में जरूर समाजवादी पार्टी को बढ़त मिली थी,लेकिन अखिलेश कांग्रेस की बैसाखी के सहारे यह सफलता हासिल कर पाये थे। आज स्थिति यह है कि कांग्रेस का साथ लेकर सपा उन सीटों पर भी जीत नहीं हासिल कर पा रही है जिसे कभी समाजवादी पार्टी की परम्परागत सीट माना जाता था। पहले विधान सभा चुनाव के समय मुरादाबाद की कुंदरकी और हाल ही में अयोध्या में मिल्कीपुर सीट पर सपा को मिली हार से यह साबित हो गया है कि अखिलेश यादव अपना जनाधार नहीं बचा पा रहे हैं। यह और बात है कि अखिलेश दिल्ली में आम आदमी पार्टी को जिताने का दंभ जरूर भरते हैं। यही अखिलेश और समाजवादी पार्टी की नियति बन गई है।कुल मिलाकर अखिलेश यादव अपने ही बुने जाल में फंसते जा रहे हैं।

आज का मुद्दा समाचार पत्र का प्रत्येक अंक मां गंगा और सिद्ध पीठ बाबा बालक नाथ मंदिर सेक्टर 62 नोएडा के चरणों में समर्पित : स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं संपादक मनोज वत्स द्वारा वत्स ऑफसेट मुद्दा हाउस सी ब्लॉक बरात घर चौड़ा रघुनाथपुर सेक्टर 22 नोएडा गौतम बुध नगर उत्तर प्रदेश से मुद्रित करा कर मुद्दा हाउस सी ब्लॉक बरात घर चौड़ा रघुनाथपुर सेक्टर 22 नोएडा गौतम बुद्ध नगर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित किया मुख्य संपादक के.जी.शर्मा **RNI.NO.UPHIN/2011/37197,** 9310549614
किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।

बजट में नहीं है किसानों के हित की कोई बात: राकेश टिकैत

स्याना में निजी कार्यक्रम में शरीक होने के लिए पहुंचे किसानों के मसीहा राकेश टिकैत

आज का मुद्दा-(आशीष कुमार)
बुलंदशहर : स्याना में निजी कार्यक्रम में नगर के नवाब फार्म हाउस भाकियू के मंडल अध्यक्ष गुडडू प्रधान की बेटी की शादी में की में शरीक होने के लिए पहुंचे किसानों के मसीहा राकेश टिकैत ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा की बजट में इस बार किसानों के लिए कुछ नहीं है। टिकैत ने कहा सरकार ने किसानों के बारे में सोचना छोड़ दिया है। उन्होंने कहा सरकार ने इस बार गन्ने के रेट भी नहीं बढ़ाए हैं। टिकैत ने कहा हम किसानों की समस्याओं को आगे ला रहे हैं लगातार आंदोलन कर रहे हैं। लेकिन सरकार पूंजी पतियों का बिल लेकर आ रही है। टिकैत ने कहा आदिवासी, किसान, गरीब वर्ग के लोग मौजूदा सरकार के बजट से बाहर हैं। उन्होंने कहा आलू किसान भी परेशान है। राकेश टिकैत ने कहा सरकार रेट बढ़ाने की बात कह देती है लेकिन इसी के साथ महंगाई भी तो बढ़ रही है।

कल्टार और पेस्टिसाइड का इस्तेमाल ज्यादा होने से गन्ने की पैदावार हुई कम

राकेश टिकैत ने कहा कल्टार और पेस्टिसाइड का ज्यादा इस्तेमाल होने से गन्ने की पैदावार भी कम होती जा रही है। उन्होंने किसानों से पेस्टिसाइड का उपयोग कम करने की अपील की। टिकैत ने कहा किसानों के नाम पर सरकार सत्ता में आई है। और सत्ता में आने के बाद किसानों को पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने कहा अगर सरकार ने किसानों के बारे में कुछ नहीं सोचा तो आंदोलन का ही रास्ता

बचता है। स्याना में निजी कार्यक्रम में शरीक होने के लिए पहुंचे थे राकेश टिकैत। जहां उनका जोरदार स्वागत किया गया।

स्याना में एक एकड़ में चार फसलें, 80 हजार रुपए प्रति कुंतल में बिक रही सतावर

क्षेत्र के अन्य किसानों को भी जागरूक कर रहे फोजवीर सिंह

अमन त्यागी (आज का मुद्दा) स्याना के गांव ईकलेड़ी में किसान फोजवीर सिंह ने औषधीय खेती में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। उन्होंने एक एकड़ जमीन में सतावर के साथ फल, सब्जी और फूलों की खेती कर अन्य किसानों के लिए मिसाल पेश की है।

फोजवीर सिंह ने दो साल पहले अपनी खाली पड़ी जमीन में सतावर की पौध लगाई थी। इसी खेत में उन्होंने टमाटर, गोभी, मिर्च और पपीते की खेती भी शुरू की। सतावर 80 हजार रुपए प्रति कुंतल के भाव से बिक रही है। इस क्षेत्र में यह पहली बार है जब कोई किसान सतावर की खेती कर रहा है।

बड़ी-बड़ी कंपनियां सतावर खरीदने के लिए किसान से संपर्क कर रही हैं। प्रोसेसिंग के बाद यह फसल लाखों रुपए प्रति कुंतल तक बिक सकती है। फोजवीर सिंह अब क्षेत्र के अन्य किसानों को भी सतावर की खेती के गुर सिखा रहे हैं।

उन्होंने मल्चिंग और ड्रिपिंग सिस्टम का उपयोग कर कम लागत में सतावर की खेती की है। अन्य फसलों से होने वाली आय से वे दैनिक खर्चों की पूर्ति कर रहे हैं। सतावर से मिलने वाली अतिरिक्त आय उनकी आर्थिक स्थिति को और मजबूत करेगी। किसानों के लिए यह एक आदर्श मॉडल है, जिससे वे अपनी आय चार गुना तक बढ़ा सकते हैं।

किसानों ने बुलंदशहर में जलाई गन्ने की होली

आज का मुद्दा -बुलंदशहर में किसानों ने गन्ने के समर्थन मूल्य में वृद्धि की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट गेट पर जोरदार प्रदर्शन किया। किसानों ने अपना विरोध दर्ज कराने के लिए गन्ने की होली जलाई।

किसानों का कहना है कि सरकार हर साल गन्ने के समर्थन मूल्य में मामूली बढ़ोतरी करती है। यह बढ़ोतरी उनकी लागत की तुलना में बहुत कम है। इस बार भी दामों में कोई वृद्धि नहीं की गई है।किसान नेताओं ने तहसीलों में सर्किल रेट की असमान वृद्धि का मुद्दा भी उठाया। उनका कहना है कि कुछ क्षेत्रों के किसानों को लाभ मिल रहा है, जबकि अन्य नुकसान में हैं।यह भेदभावपूर्ण नीति उनकी आर्थिक स्थिति को और खराब कर रही है।

प्रदर्शनकारी किसानों ने जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर गन्ने के समर्थन मूल्य में वृद्धि नहीं की गई और सर्किल रेट की विसंगतियां दूर नहीं की गईं, तो वे बड़े पैमाने पर आंदोलन करेंगे। प्रशासन ने किसानों को आश्वासन दिया कि उनकी मांगों को सरकार तक पहुंचाया जाएगा। किसान संगठनों ने कहा कि वे जल्द ही बैठक कर आगे की रणनीति तय करेंगे।

भाकियू राष्ट्रपुत्र ने किसान एवं मजदूरों की समस्याओं को लेकर एसडीएम के नाम नायब तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

आज का मुद्दा पुष्पेंद्र कुमार बुलंदशहर : शिकारपुर भारतीय किसान यूनियन राष्ट्रीय पुत्र के कार्यकताओं ने तहसील परिसर में किसान एवं मजदूरों की बहुत सी समस्याओं को लेकर एसडीएम के नाम नायब तहसीलदार अक्षय दहिया को ज्ञापन देते हुए बताया कि करीब 20 दिन से डाकघर में मशीन खराब है। जिसको लेकर कई बार विभागीय एवं उच्च अधिकारियों को अवगत करा दिया गया परंतु मशीन बुधवार तक सही ना हो सकी उधर आरोप लगाते हुए बताया कि नगर के यूको बैंक में किसान मजदूर से आधार कार्ड बनवाने तथा करेक्शन के लिए 250 रुपए से लेकर 500 रुपए तक लिए जा रहे हैं जिसकी शिकायत यूको बैंक ब्रांच मैनेजर से भी की गई लेकिन कोई संतोषजनक हल ना निकला। उधर सरकार आधार कार्ड करेक्शन करवाने के लिए किसान एवं मजदूरों को जिम्मेदार ठहरा रही है। उधर शिकारपुर के कीरतपुर में चकबंदी को गांव के लोगों ने रुकवाने के लिए प्रार्थना पत्र दिया था कि गांव के 80% प्रक्रिया लोगों ने गांव में चकबंदी न होने की सहमति प्रदान की थी जिस पर कुछ समय के लिए अधिकारियों द्वारा चकबंदी प्रक्रिया को रोक दिया गया था परंतु कुछ समय पहले पुनः चकबंदी प्रक्रिया को चालू कर दिया गया है। अधिकारियों ने ग्रामीणों को कोई शासन के आदेश नहीं दिखाई हैं। उधर एसडीएम दीपक कुमार पाल ने कहा कि किसानों के द्वारा मिले ज्ञापन के आधार पर कार्यवाही की जाएगी। इस अवसर पर पंडित हरिओम गौतम प्रदेश प्रभारी उत्तर प्रदेश तहसील अध्यक्ष चेतन शर्मा नरेश कुमार शर्मा, दर्शन सिंह, पप्पन कुमार, विजय पाल, नेपाल सिंह, कालीचरण, बिन्नामी, राजकुमार, चरण सिंह, विनोद कुमार, नाथू सिंह आदि बाकी भाकियू राष्ट्रपुत्र के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जिला पंचायत की 5 दुकानों को कराया खाली

आज का मुद्दा (बुलंदशहर) बुलंदशहर में जिला पंचायत की दुकानों पर अवैध कब्जे के मामले में कार्रवाई की है। जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी के निर्देश पर अभियान शुरू किया गया है। पहले दिन करोड़ों रुपए की कीमत की 5 दुकानें खाली कराई गईं।

ये दुकानें बुलंदशहर सदर के पूर्व ब्लॉक प्रमुख के कब्जे में थीं। उन्होंने 1990 से इन दुकानों पर कब्जा कर रखा था। उनके पास न तो आवंटन का कोई दस्तावेज था और न ही उन्होंने कभी किराया जमा किया।जांच में सामने आया कि आवंटी जिला पंचायत में 200 से 2000 रुपए तक का किराया जमा करते थे। लेकिन वे किराएदारों से 10,000 से 20,000 रुपए तक वसूल रहे थे। इस तरह वे सरकारी संपत्ति का दुरुपयोग कर करोड़पति बन गए। पिछले 35 सालों में कोई भी अधिकारी इन दबंगों के खिलाफ कार्रवाई करने की हिम्मत नहीं जुटा पाया। जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी धर्मजीत त्रिपाठी ने कहा कि अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिले में ऐसी सैकड़ों दुकानों को कब्जा मुक्त कराने का अभियान जारी रहेगा।

पुरानी पेंशन संग चिकित्सा सुविधा की मिले सौगात

आज का मुद्दा (ब्यूरो चीफ त्रिलोक चंद गौतम)
बुलंदशहर : जिले में 153 अशासकीय विद्यालय संचालित हैं, जिनमें करीब 22 सौ शिक्षक कार्यरत हैं। राज्य कर्मियों की तरह ही इन्हें भी 25 प्रतिशत ग्रेच्युटी मिले। साथ ही पुरानी पेंशन व्यवस्था लागू होने से इन्हें राहत मिलेगी। इसके अलावा नई भर्ती खुलने से शिक्षकों की पदोन्नति के अवसर भी बनेंगे। इन समस्याओं के निदान की मांग शिक्षकों ने शासन से कर रहे हैं। माध्यमिक शिक्षा विभाग से जुड़े शिक्षकों ने बताया कि अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों में ग्रेच्युटी उपादान की अधिकतम धनराशि 20 लाख रुपये है। जबकि राज्य कर्मचारियों

के लिए यह धनराशि 25 प्रतिशत बढ़ाकर 25 लाख रुपये कर दी गई है। जबकि पूर्व में राज्य कर्मचारी, अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के लिए यह व्यवस्था एक समान थी। इसके अलावा दो सालों से शिक्षकों की पदोन्नति को भी रोका हुआ है। नई भर्ती नहीं निकाली जा रही है। जिस वजह से माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के लिए कोई चिकित्सा सुविधा का लाभ नहीं मिल पा रहा है। हालांकि राजकीय विद्यालयों के शिक्षकों को चिकित्सा का लाभ मिलता है। ऐसे में माध्यमिक शिक्षा विभाग से जुड़े शिक्षकों को काफी असुविधा उठानी पड़ती है। प्रदेश सरकार के निर्देश पर स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए अपार आईडी अनिवार्य कर दी गई है। इस आईडी को बनाने के लिए बेसिक शिक्षा विभाग और माध्यमिक शिक्षा विभाग के सभी स्कूल, कॉलेज में शिक्षा ग्रहण कराने वाले शिक्षकों की ड्यूटी लगाई है। अपार आईडी में दिक्कत यह आ रही है कि जिन बच्चों के आधार कार्ड में कोई त्रुटि हैं तो इसे ठीक होने मेंसमय लग रहा है। पहले सरकार ने शत-प्रतिशत का लक्ष्य रखा था, अब इसे 80 प्रतिशत कर दिया गया है। ऐसे में शिक्षकों के सामने तय समय पर अपार आईडी बनाने की चुनौती है।

परम भागवत एवं सेवाभावी महिला थीं सुशीला देवी गोस्वामी

(डॉ. गोपाल चतुर्वेदी)
वृन्दावन। गोपाल खार स्थित श्रीहरिदास धाम में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई।जिसमें श्रीहरिदासपीठाधीश्वर निकुंजवासी आचार्य ललित वल्लभ गोस्वामी की धर्मपत्नी श्रीमती सुशीलादेवी गोस्वामी के निकुंज गमन पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।साथ ही उनका भावभीना स्मरण किया गया। पं. चंद्रलाल शर्मा एवं वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. गोपाल चतुर्वेदी ने अपनी भावांजलि प्रकट करते हुए कहा कि श्रीमती सुशीला देवी गोस्वामी अध्यात्म जगत की विभूति थी। उन्होंने ग्रहस्थ जीवन में हरिदासीय सम्प्रदाय के अनुसार आचरण करते हुए जीवन यापन किया । उन्होंने ब्रज सेवा को अपने जीवन का प्रमुख अंग बनाया। वे बांके बिहारी महाराज का चरणामृत लेकर ही अन्न जल ग्रहण करती थी।

मथुरा-वृंदावन नगर निगम के उप-सभापति मुकेश सारस्वत एवं भगवताचार्य बिहारीलाल शास्त्री ने कहा कि अभ्यागत सेवा और संत सेवा को ही प्राथमिकता देने वाली श्रीमती सुशीला देवी गोस्वामी परम-भागवत एवं सेवाभावी महिला थी। उनके द्वारा संचालित सेवा प्रकल्पों

को उनके सुपुत्र आज भी संचालित किये हुए है, जिसका लाभ असंख्य ब्रजवासी व तीर्थ यात्री निरन्तर प्राप्त कर रहे हैं।

संत प्रवर बाल योगेश्वरानंद एवं योगेश द्विवेदी ने कहा वे एक विदुषी महिला थीं।अध्यात्म एवं समाज सेवा के क्षेत्र में उनका सहयोग सदैव स्मरणीय रहेगा। ठाकुर श्रीबांके बिहारी महाराज के मंदिर की कच्ची रसोई अपने हाथों से बनाती थी। आज भी ब्रजवासी महिलायें उनकी आदर्श रही है। वे परम भागवत ग्रहस्थ संत महिला थी।

पण्डित श्याम सुंदर गौतम एवं पण्डित सुधीर शुक्ला ने कहा कि सरल स्वभाव, मृदुभाषी एवं सभी को मातृवत स्नेह देने वाली श्रीमती सुशीलादेवी गोस्वामी महिला समाज के लिए प्रेरणा श्रोत थी। उनके मार्गदर्शन का अभाव सदैव खलता रहेगा। उनके पति निकुंजवासी हरिदास पीठाधीश आचार्य ललित बल्लभ गोस्वामी साहित्य सेवी, रामलीला निर्देशन एवं इनके द्वारा साहित्य एवं धार्मिक जगत के कार्य किए गए हैं।

कृष्ण चंद्र गौतम एवं आचार्य नवीन गोस्वामी ने कहा सुशीला देवी गोस्वामी के पुत्र प्रेम बल्लभ गोस्वामी, आनंद बल्लभ गोस्वामी, प्रहलाद बल्लभ गोस्वामी तथा डॉ. ब्रजरानी गोस्वामी सुशिक्षित उच्च शिक्षा प्राप्त साहित्य सेवी समाजसेवी है। सुशीला देवी की उनके पुत्र एवं पुत्री इस परंपरा को अनवरत बढ़ाए हुए हैं।

इस अवसर पर रामनारायण ब्रजवासी, बंसी तिवारी, मुनीष शर्मा, सत्यवान शर्मा, डॉ. बी.पी. शुक्ला, रामेश्वर शर्मा, संगीताचार्य बनवारी लाल महाराज, आचार्य रसिक, डॉ. राधाकांत शर्मा, ईश्वरचंद्र रावत, विनीत द्विवेदी, राजेंद्र द्विवेदी, छाया गौतम, रामप्रकाश गौतम, ब्रजेंद्र भाई कौशिक, आलोक बंसल, गोविंद ब्रजवासी, विवेक महाजन, संतोष कुमार सारस्वत, लाल व्यास, करुणा शंकर त्रिवेदी, मुकेश मोहन शास्त्री, देवांशु गोस्वामी, उमेश सारस्वत, गोविंद सिंह गहलोत, हरिहर दासजी, प्रदीप बनर्जी, भुलेश्वर उपमन्यु, आनंद प्रकाश द्विवेदी, गोपाल शर्मा, चंद्रमोहन जयसवाल, रूप किशोर बघेल, प्रियाबल्लभ वशिष्ठ, अनुभूति गोस्वामी, कन्हैया पांडे, पूरन चंद्र दीक्षित आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए श्रद्धा सुमन अर्पित किए।संचालन विमल चैतन्य ब्रह्मचारी ने किया।

पत्नी से कहासुनी के बाद पति ने उठाया खौफनाक कदम

(अंकुरित ओझा) गाजियाबाद। टीला मोड थाना क्षेत्र के पसौंडा स्थित ईदगाह के पास मंगलवार को दंपती में किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। पति ने पत्नी पर चाकू से वार कर दिया। घायल पत्नी की इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज का हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। मंगलवार को टीला मोर थाना पुलिस को सूचना मिली कि पसोंडा ईदगाह के पास एक महिला को चाकू मार कर घायल कर दिया है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची दंपति में विवाद की बात सामने आई। पुरुष ने महिला को चाकू मार कर घायल कर दिया। दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सहायक पुलिस आयुक्त शालीमार गार्डन सलोनी अग्रवाल ने बताया कि महिला की पहचान शहनाज पत्नी शमशाद के रूप में हुई है। तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर आरोपित पति शमशाद को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

दिल्ली-एनसीआर में गर्मी से मिलेगा छुटकारा, इन राज्यों में आ रही बारिश

(के०जी० शर्मा) नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर समेत देशभर में मौसम का मिजाज बदल चुका है। फरवरी महीने की शुरूआत से ही पूरे उत्तर भारत में गर्मी का अहसास हो रहा है। दिन में धूप की तपिश लोगों का पसीना छुड़ा रही है। लेकिन आज बारिश गर्मी से हल्की राहत दिला सकती है। मौसम विभाग ने राजधानी दिल्ली, पश्चिमी यूपी, हरियाणा और राजस्थान में बारिश के आसार जताए हैं। जानिए आज कहां कैसा मौसम रहेगा। दिन की गर्मी के साथ अब सुबह का तापमान भी बढ़ने लगा है। इस सर्दी के सीजन में पहली बार न्यूनतम तापमान 13 डिग्री के पार पहुंच गया है। राजघाट और पीतमपुरा में न्यूनतम तापमान 16 डिग्री तक पहुंच गया है। मौसम विभाग के अनुसार आज भी दिन गर्म रहेगा। इसके बाद गुरुवार रात को बारिश की वजह से तापमान में गिरावट आने की संभावना है। 21 फरवरी से गर्मी एक बार फिर बढ़ने लगेगी। वहीं, अब न्यूनतम तापमान के 10 डिग्री से कम होने की संभावना कम है।

पहले दोनों ने साथ बैठकर पी शराब, फिर पति ने डंडे से पीटकर पत्नी को मार डाला, लखनऊ पुलिस ने किया अरेस्ट

(के०जी० शर्मा) लखनऊ। लखनऊ स्थित मोहनलालगंज के आनंदपुर गांव में मजदूर ने पत्नी की डंडे से पिटाई कर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी मौके से भाग निकला। हालांकि, पुलिस ने उसे पकड़ लिया है। पुलिस के मुताबिक शराब पीने के दौरान हुए विवाद के बाद आरोपी ने यह वारदात की। मोहनलालगंज के हुलास खेड़ा स्थित आनंदपुर गांव में प्यारेलाल और उनकी पत्नी सरोजनी रहते हैं। उनका बेटा राजकुमार नशा करने आ आदी है। नशे में वह अक्सर झगड़ा करता था। उसकी हरकतों से प्यारेलाल काफी परेशान थे। इस लिए उन्होंने राजकुमार व बहू कंचन (30) को घर से अलग कर दिया था। इसके बाद दोनों लोग घर से 100 मीटर की दूरी पर तिरपाल डालकर बच्चों पीयूष, प्रिंस और प्रियांशी के साथ रहने लगे थे।

पत्नी से छेड़छाड़ का विरोध किया तो आरोपियों ने की क्रूरता

आज का मुद्दा बुलंदशहर बुलंदशहर में एक चौंका देने वाला मामला सामने आया है। एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी से छेड़छाड़ का विरोध किया तो उसके भाई व अन्य आरोपियों ने ही उसके साथ क्रूरता की। आरोपियों में पीड़ित का भाई, माता-पिता और बहन शामिल हैं। घटना बीते दिन मंगलवार शाम 6 बजे की है। पीड़ित के छोटे भाई चंद्रशेखर और उसके दोस्त लवकुश ने पीड़ित की पत्नी के साथ छेड़छाड़ की। पीड़ित की पत्नी किसी तरह बचकर अपने पति के पास पहुंची। आरोप है कि जब पीड़ित पति अपने भाई से इस बारे में बात करने गया, तो उसके पिता रामेश्वर, माता बीना, बहन रीतू और लवकुश ने उसे पकड़ लिया। आरोप है कि आरोपियों ने पीड़ित को नग्न कर दिया। चंद्रशेखर चारा काटने की दरांती लेकर आया और सभी ने मिलकर पीड़ित का लिंग काट दिया। पीड़ित की पत्नी मौके पर पहुंची और शोर मचाया, तो उसके साथ भी मारपीट की गई। ग्रामीणों के बीच बचाव करने के बाद आरोपी रुके। जिसके बाद पीड़ित ने थाने में शिकायत की। इससे पहले भी चंद्रशेखर कई बार प्रीति से छेड़छाड़ कर चुका था। विरोध करने पर पीड़ित को घर से निकाल दिया गया था। अब पीड़ित ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उधर एसएसपी श्लोक कुमार ने मामले की जांच कर कर कार्रवाई की बात कही है। एसएसपी ने कहा मामले की जांच कराई जाएगी जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी।

हत्या के दोषी चार आरोपियों को आजीवन कारावास

आज का मुद्दा (बुलंदशहर) बुलंदशहर में एक व्यक्ति की हत्या के मामले में कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। एडीजे कोर्ट ने चारों आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। मामला बुलंदशहर के खुर्जा देहात थाना क्षेत्र के धराऊ गांव का है। नवंबर 2022 में राजबीर सिंह, उनके तीन बेटे रविकांत, नवीन और महेश ने गांव के एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने इस मामले में धारा 302, 506 और आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया था। पुलिस ने जनवरी में कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की। यह मामला उत्तर प्रदेश पुलिस के 'ऑपरेशन कन्विक्शन' अभियान के तहत चिह्नित किया गया। बुलंदशहर पुलिस की मॉनिटरिंग सेल ने कोर्ट में मजबूत पैरवी की। मामले में 12 गवाहों की गवाही हुई। एडीजे दिलीप कुमार सचान की कोर्ट ने बुधवार को फैसला सुनाया। कोर्ट ने राजबीर, रविकांत और नवीन पर 26-26 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया। चौथे आरोपी महेश पर 31 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया गया। अभियोजन पक्ष की ओर से संजीव कुमार और अरुण कुमार राघव ने पैरवी की।

कोतवाली पुलिस ने हत्यारोपी के घर पर मुनादी कर चस्पा किया

आज का मुद्दा -बुलंदशहर : शिकारपुर बुधवार को थाना शिकारपुर पुलिस द्वारा मुकदमा अपराध संख्याइस 421 /24 धारा 103 (1) 61 (2) ए 238(ए) बीएनएस में कस्बा शिकारपुर के निवासी स्वर्गीय मयंक पुत्र वेदप्रकाश के हत्यारे मनोज पुत्र रमेश निवासी मौहल्ला मुफ्तीवाडा कस्बा ब थाना शिकारपुर बुलंदशहर के विरुद्ध धारा 84 बीएनएसएस में माननीय न्यायालय में हाजिर होने और हाजिर ना होने पर अग्रिम आदेश का तमिला थाना प्रभारी निरीक्षक जेके दुबे शिकारपुर के साथ क्राइम इंस्पेक्टर बीरेंद्र कुमार द्वारा तमिला करते हुए मुनादी व चस्पा अभियुक्त के घर व चौराहा पर कराया गया।

बाइक राइडिंग का रखते हैं शौंक तो बेस्ट हैं ये जगहें!

अगर आप भी काम करते-करते थक गए हैं और बाइंकिग का भी शौंक रखते हैं तो और किसी छोटे वे केशन की प्लानिंग कर रहे हैं तो निकल जाएं इन शानदार सड़कों के सफर पर। जहां ऊंचे पहाड़, गहरे झरने खूबसूरत हरे-भरे जंगल आपका इंतजार कर रहे हैं। ऐसी जगह खास तौर पर उन लोगों के लिए अच्छी है जो कि बाइक राइडिंग के शौकीन हैं। यहां पर आप कुदरती नजारों, पहाड़ों, झरनों का भी मजा ले सकते हैं। आइए जानते है उन जगहों के बारे में....

1. लेह, लद्दाख

चारो तरफ पहाड़ों से घिरे इस रूट पर ड्राइविंग का अपना एक अलग ही मजा आता है। ऊंचे पहाड़ों के बीच से निकलता खारदूंगला रोड, जो दुनिया भर में अपनी ऊंचाई के लिए जाना जाता है पर घूमने का अलग ही मजा है। इसके अलावा यहां का मैग्नेटिक रोड खासतौर से मशहूर है। यहां पर टूरिस्ट अप्रैल से अगस्त तक बाइक राइडिंग करने के लिए आते हैं ।

2.स्पीति वैली, हिमाचल

लद्दाख से थोड़ी ही दूर हिमाचल की स्पीति वैली हैं। बाइक से स्पीती वैली तक पहुंचने के लिए काजा, टैबो, स्पीती और पीन वैली जैसी कई खूबसूरत जगहें देखनेको मिलती हैं । यहां पर सड़कों के किनारे सेब, खूबानी के पेड़ और सतलुज नदी की खूबसूरती के साथ प्राचीन मंदिरों को भी देख सकते है।

3.वालपराई और वाझाचल फॉरेस्ट

बाइक राइडिंग के लिए यह सबसे बेस्ट रूट है। यहां राइडिंग के दौरान घने, हरे-भरे जंगल और कई सारे छोटे-छोटे वाटर फॉल्स का नजारा देखनेको मिलता है।।

4.गोवा, मुंबई

इंडिया के बिजनेस कैपिटल मुंबई से गोवा तक बाइक से सफर करना भी काफी मजेदार है। अमेरिका के 101 हाइवे से काफी मिलती-जुलती इस सड़क को इंडिया में बेस्ट कोस्टल राइडिंग के लिए जाना जाता है।

5.वेस्टर्न/अरुणाचल प्रदेश

हिमालय की ऊंची चोटियों को राइडिंग के वक्त देखना बहुत ही अच्छा एक्सपीरिएंस होता है। हालांकि यहां सड़कों की कमी है जिसके चलते ऊंचे -नीचेपहाड़ी रास्तों से गुजरना होता है। सफर के दौरान बर्फ से ढ़की सड़कें, ट्राइबल कल्चर और उनकी अलग सी लाइफस्टाइल को कैमरे में आसानी से कैद किया जा सकता है।

6. जैसलमेर, जयपुर

दोनों तरफ रेगिस्तान और बीच में हाईवे का सफर में आपको राजस्थानी कल्चर देखनेके कई मौके मिलते हैं। इसके साथ ही बीच-बीच में जोधपुर, ओसियां, पोकरन जैसे स्टॉकफेज आते हैं जो आपकी सैर को और भी मजेदार बनाएंगे ।

एलीफेंट बीच अंडमान के मशहूर बीचों में से एक है। हैवेलॉक द्वीप पर स्थित इस बीच तक आप नाव से या फिर जंगल ट्रेक करके पहुंच सकते हैं। नीले पानी और चमकदार रेत वाले इस बीच पर आकर आपको बहुद सुकून मिलेगा। यह बीच शानदार कोरल रीफ और स्नॉर्कलिंग के लिए भी जाना जाता है। छुट्टियों में परिवार के साथ यदि आप भीड़भाड़ से अलग शांति और सूकुन वाली जगह की तलाश में है तो अंडमान-निकोबार बेस्ट जगह है। खूबसूरत कुदरती नज़ारों और साफ समुद्री तटों वाले अंडमान की शांति और सुंदरता हर किसी का मन मोह लेती है।

खूबसूरत कुदरती नज़ारों और बीचों की सैर करनी है तो जाएं अंडमान-निकोबार

साफ-सुंदर बीच

पानी से अटखेलियांकरना पसंद है तो अंडमान के बीच आपको बुला रहे हैं। यहां के साफ पानी में आप स्कूबा डाइविंग, स्विमिंग, स्कीइंग, पैरास्लाइडिंग, बनाना बोट राइड, अंडर वॉटर वॉकिंग आदि एडवेंचर गेम्स का मजा ले सकते हैं। स्कूबा डाइविंग के दौरान समुद्र के नीचे रंग-बिरंगी मछलियों से मिलने का अनुभव यादगार बन जाएगा। यहां के बीच अपनी खूबसूरती और स्वच्छता के लिए मशहूर हैं। बीचों की सफेद और चमकीली रेत पर लेटकर जूस और कोल्ड ड्रिंक का मजा लें। क्योंकि अंडमान अपने बीचों के लिए ही मशहूर है तो कुछ खास बीचों की सैर करना न भूलें ।

एलीफेंट बीच

यह अंडमान के मशहूर बीचों में से एक है। हैवेलॉक द्वीप पर स्थित इस बीच तक आप नाव से या फिर जंगल ट्रेक करके पहुंच सकते हैं। नीले पानी और चमकदार रेत वाले इस बीच पर आकर आपको बहुद सुकून मिलेगा। यह बीच शानदार कोरल रीफ और स्नॉर्कलिंग के लिए भी जाना जाता है।

राधानगर बीच

हैवलॉक द्वीप पर स्थित यह बीच भी बहुत मनोरम हैं यहां के दृश्य बेहद सुंदर हैं। अंग्रेजी मैगज़ीन टाइम द्वारा इसे भारत के सबसे अच्छे बीचों में से एर माना गया और पूरी दुनिया का यह सांतवा बेस्ट बीच है। फोटोशूट के लिए यह बीच एकदम परफेक्ट हैं तो यदि आप अंडमान जाएं तो इस बीच पर फोटो खिंचवाना न भूलें ।

विजयनगर बीच

यह बीच भी अंडमान के बेस्ट बीचों में से एक है जो सैलानियों के बीच बहुत पॉप्युलर है। यहां का पानी बहुत साफ है और वातावरण स्वच्छ और सुंदर। यहां आप स्वीमिंग, बोटिंग, सर्फिंग और फोटोग्राफी का मज़ा ले सकते हैं। अंडमान के बीच फिलहाल अन्य जगहों के बीचों से साफ और सुंदर है, तो आप यदि कुदरत की गोद में सुकून भरे पल बिताना चाहते हैं तो अगली छुट्टी अंडमान में बिताएं।

काला पत्थर बीच

यह बीच भी बहुत सुंदर और शांत है। परिवार के साथ सुकून भरे तो पल बिताने वालों के लिए यह परफेक्ट जगह है। यहां की रेत चांदी की तरह चमकती है। इस बीच पर आप सनबाथ का मज़ा ले सकते हैं ।

बेस्ट टाइम

572 छोटे-बड़े द्वीपों से मिलकर बना है अंडमान। यह देश के सबसे आकर्षक टूरिस्ट प्लेसेस में से एक है। सिंतबर से लेकर मार्च तक का समय यहां जाने के लिए सबसे अच्छा है, क्योंकि तब आप यहां की कुदरती खूबसूरती के साथ ही सुहावने मौसम का पूरा मजा ले सकेंगे ।

मलेशिया है बेहद ही खूबसूरत, बिताए गर्मियोंकी छुट्टियां

मलेशिया की राजधानी क्वालालम्पुर के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कदम रखते ही मुझे लगा कि मैं यूरोप, आस्ट्रेलिया या अमेरिका जैसे किसी विकसित देश की धरती पर खड़ी हूं। क्रोम और शीशे से बना यह हवाई अड्डा विश्व के सबसे आधुनिक हवाई अड्डों में एक है। चमकते हुए ग्रेनाइट के फर्श, नवीनतम तकनीक से लैस सभी सुविधाएं तथा ड्यूटीफ्री सामानों से भरी चमचमाती हुई दुकानें यहां आने वाले हर पर्यटक को सहज ही प्रभावित कर लेती हैं। मुझे लगा कि जब इतने ही दिनों में मलेशिया इतनी तरक्की कर सकता है तो हम क्यों नहीं? पर इस प्रश्न का जवाब सोचने से पहले ही मुझे पता लगा कि क्वालालम्पुर से पिनांग जाना है और वहां पहुंचने के लिए लगभग 40 मिनट की उड़ान फिर भरनी है। अभी भारतीय समय के अनुसार सुबह के पांच बजे थे, पर हवाई अड्डे की घड़ी सुबह साढ़े सात का समय दिखा रही थी यानी मलेशिया व भारत के समय में ढाई घंटे का अंतर था। मैंने स्थानीय समय के अनुसार अपनी घड़ी मिलाई और पिनांग जाने वाले विमान में बैठ गई।

सुपारी के पेड़ोंवाला द्वीप

मलेशिया पर्यटन विभाग की ओर से गए हम आठ लोग थे जिनका स्वागत बहुत ही गर्मजोशी से पिनांग हवाई अड्डे पर टूर गाइड लेना व एडी ने किया। हवाई अड्डे से अपने होटल मुतियारा बीच रिसोर्ट तक जाते हुए लेना व एडी ने हमें पिनांग के बारे में तमाम जानकारियां दीं। पिनांग की खूबसूरती की एक झलक हमें रास्ते में ही मिल गई। हरी-भरी पहाड़ियों से घिरा पिनांग एक द्वीप है जिसका आकार एक तैरते हुए कछुए की तरह है। पिनांग की खूबसूरती से प्रभावित होकर ही ब्रिटिश रचनाकार सॉमरसेट मॉम ने लिखा था, यदि किसी ने पिनांग नहीं देखा, तो उसने संसार नहीं देखा। मुझे भी यहां आकर लगा कि मॉम ने कुछ गलत नहीं लिखा है। पूर्वी देशोंके सबसे सुंदर शहरों में गिना जाता है पिनांग, जिसका नाम इस द्वीप पर बहुतायत से पाए जाने वाले सुपारी के पेड़ोंके कारण पड़ा। मलय भाषा में पिनांग पान की सुपारी को कहते हैं। पूरब का मोती कहा जाने वाला यह द्वीप 1786 में सुदूर पूर्वी देशोंमें ब्रिटिश राज्य का पहला व्यापारिक केंद्रबना, पर आज यह पूरब और पश्चिम के मिलन का एक आकर्षक बिंदु है। चूंकि विश्व के लगभग सभी देशोंसे पर्यटक यहां वर्षभर आते रहते हैं, अतः यहां की अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख स्त्रोत पर्यटन है। पर्यटन संबंधी सुविधाएं यहां बहुत विकसित हैं और कई अंतरराष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों का विकास भी काफी अच्छा है।

असर चीनी संस्कृति का

कई वर्षो तक ब्रिटिश शासन के अधीन रहने के कारण यहां की पुरानी इमारतों में ब्रिटिश स्थापत्य की झलक दिखती है। साथ ही चीनी संस्कृति का प्रभाव आज भी यहां के लोगों पर देखा जाता है। लेना व एडी ने चीनियों द्वारा बनाए गए कुआन यिन तेंग, वाट चैया मांगकालाराम तथा अन्य बौद्ध मंदिरों को दिखाते हुए बताया कि पिनांग की राजधानी जॉज टाउन में चीनियों द्वारा बनाए गए ऐसे कई बौद्ध मंदिर हैं, जहां एक विशेष जाति के चीनी लोग विभिन्न त्योहार मनाने के लिए आज भी इकट्ठे होते हैं। इन मंदिरों पर बनी अत्यंत महीन चीनी पेंटिंग व लकड़ी की नक्काशी से सजे पैनल इस देश के कलाकारों की प्रतिभा का परिचय देतेहैं। थाईलैंड की स्थापत्य कला से प्रभावित वाट चैया मांगकालाराम मंदिर में भगवान बुद्ध की लेटने की मुद्रा में विश्व की तीसरी सबसे बड़ी प्रतिमा है।

एक अनुभव अनोखा सा

मीलों तक फैले रेतीलेमैदान व नारियल के पेड़ोंकी कतारों से सजे पिनांग के समुद्र तट विदेशी पर्यटकों को वर्षो से आकर्षित करते आ रहे हैं। दो दिन की पिनांग यात्रा के दौरान लेना व एडी हमें यहां के लगभग सभी दर्शनीय स्थलों पर ले गए, हमने स्थानीय भोजन का स्वाद लिया और बटरवर्थ तथा पिनांग के द्वीप के बीच चलने वाली फेरी में बैठकर द्वीप के चारों ओर फैले नीले पानी की सैर की। इस फेरी में लगभग 100 से अधिक गाड़ियां लोड की जा सकती हैं और 20-25 मिनट में समुद्र के जरिये अपनी गाड़ी में बैठे-बैठे आप पिनांग द्वीप तक आ-जा सकते हैं। यह मेरेलिए एक अनोखा अनुभव था। चीन, ब्रिटेन, थाईलैंड, बर्मा आदि देशोंसे प्रभावित पिनांग के इतिहास की जानकारी लेतेऔर यहां के शौकीन व बहुत ही मिलनसार लोगों की यादें दिल में लेकर हम पिनांग ब्रिज से होते हुए क्वालालम्पुकी ओर चल दिए। यह ब्रिज पिनांग द्वीप व मलेशिया प्रायद्वीप को जोड़ने वाला विश्व का तीसरा सबसे लंबा ब्रिज है। यहां इस ब्रिज से जाते हुए पिनांग द्वीप की आखिरी झलक हमें मिल रही थी।

ऐतिहासिक इमारतों के शहर में

क्वालालम्पु जाते हुए हम मलेशिया के एक और राज्य पेराक से गुजरे जिसका मलय भाषा में अर्थहै चांदी। इस राज्य का यह नाम यहां पाई जाने वाली टिन की खानों के कारण पड़ा जिसका पेराक के इतिहास और अर्थव्यवस्था पर काफी गहरा प्रभाव रहा। पेराक की राजधानी ईपोह भी साफ सुथरे पार्क, चैड़ी सड़कों व आकर्षक ऐतिहासिक इमारतों के कारण दर्शनीय है। क्वाला कांगसार पेराक का शाही शहर है और यहां की प्राचीन खूबसूरत इमारतों में उबूदिहाह मसजिद व इस्कंदारियाह महल खास हैं। उबूदियाह मसजिद का निर्माण पेराक के 28वें सुलतान इदरीस मुर्शिदुल अदजाम शाह प्रथम के जमाने में शुरू हुआ पर इसके पूरा होने में काफी अड़चनें आई। प्रथम विश्व युद्धके दौरान हाथियों द्वारा यहां के इटैलियन मार्बल के फर्शो को तोड़ दिया गया और इसका उद्घाटन 1917 में हो सका। लगभग 100 वर्षसे भी अधिक पुराना रबर का पेड़ भी क्वाला कांगसार में दर्शनीय है। इसके अलावा पेराक की लाइमस्टोन गुफाएं और उनमें बौद्ध चित्रकला व बुद्ध की विशाल प्रतिमाएं भी देखने लायक हैं। लेटेहुए भगवान बुद्ध की 24 मीटर लंबी प्रतिमा के दर्शन करने हों, जो मलेशिया में सबसे लंबी प्रतिभा है, तो थाई बौद्ध मंदिर मेकप्रसित जाएं। यह ईपोह से तीन किलोमीटर उत्तर की ओर है। परिवार सहित आने वाले पर्यटकों के लिए आधुनिक राइड व झूलों से लैस बुकिट मेराह थीम पार्क भी यहां है, जो 600 हेक्टेयर में फैले लेक टाउन रिसोर्ट का एक हिस्सा है। पेराक टांग, सैम पोह टांग, शाही मसजिद, जैपनीज गार्डन, दारुल रिदजुआन संग्रहालय, ताम्बुन, सुंगकाई हिरण फार्म, क्वाला वोह जंगल पार्क, लता इस्कंदर वाटर फॉल आदि भी परोक के मुख्य दर्शनीय स्थलों में से हैं ।

रोशनी के बाग में

क्वालालम्पु देखनेकी उत्सुकता ने हमें चैथे दिन मलेशिया की राजधानी पहुंचा दिया। गार्डन सिटी ऑफ लाइट्स कहे जाने वाले अपने शहर को यहां के लोग प्यार से केएल कहते हैं । 88 मंजिलों वाले विश्व के सबसे ऊंचे फ्री स्टैंडिंग टॉवर्स पेट्रोनाज ट्विन टॉवर्स क्वालालम्पु में प्रवेश करते ही दिखने लगते हैं । इस्लाम के पांच स्तंभोंसे प्रेरित यह इमारत मलेशिया की पहचान है। रात को ये टॉवर्स इतने खूबसूरत दिखते हैं कि इनकी ओर से आंखें हटाने की इच्छा नहीं होती। क्वालालम्पु सिटी सेंटर के बीचोंबीच निर्मित पेट्रोनाज टॉवर्स मलय व आधुनिक आर्किटेक्चर का बेमिसाल नमूना है। इसके भीतर पेट्रोनाज फिलहारमोनिक हॉल है तथा पेट्रोनाज परफॉर्मिंग आर्ट्स ग्रुप भी। क्वालालम्पु में हमने विश्व की चैथी सबसे लंबी (421 मीटर) तथा एशिया की सबसे ऊंची मीनार क्वालालम्पु भी देखी, जिसके भीतर जाकर ऑब्जर्वेटरी डेक से आप पूरे क्वालालम्पु तथा क्लैंग वैली का नजारा देख सकते हैं। यहां के रिवॉल्विंग रेस्टोरेंट में कई तरह के स्वादिष्टभोजन का मजा लेतेहुए आप क्वालालम्पु की एक-एक इमारत, पार्क, संग्रहालय व घर आदि दूरबीन से देख सकते हैं । क्वालालम्पु टॉवर दूरसंचार नेटवर्क, रेडियो व टीवी स्टेशन की ट्रांसमिशन टॉवर भी है।

किसानो की समस्याओं का जल्द से जल्द करें निस्तारण: जिलाधिकारी

आज का मुद्दा-हापुड़। जिलाधिकारी प्रेरणा शर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में प्रातः 11.00 बजे से किसान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें जनपद के विभिन्न क्षेत्रो के कृषको एवं कृषक प्रतिनिधियो द्वारा प्रतिभाग किया गया। किसान दिवस में सर्वप्रथम योगेन्द्र कुमार उप कृषि निदेशक हापुड़ द्वारा उपस्थित सभी सम्बन्धित जनपद स्तरीय अधिकारियो एवं कृषक बन्धुओ का स्वागत किया गया। इसके उपरान्त किसान दिवस की कार्यवाही प्रारम्भ की गयी। सर्वप्रथम कृषि विज्ञान केन्द्र बाबूगढ़ से उपस्थित वैज्ञानिकों द्वारा फसलो में लगने वाले रोग की रोकथाम के बारे में विस्तृत रूप से उपस्थित कृषको को अवगत कराया तथा स्वास्थ्य संबंधी मोटे अनाज जिसमें फाइबर की मात्रा अधिक मात्रा में पाई जाती हो का सेवन अधिक मात्रा में करने की सलाह दी तथा पशुपालन विभाग से उपस्थित मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी द्वारा कृषकों को विभागीय योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी। उप कृषि निदेशक द्वारा गतमाह जनवरी, 2025 के किसान दिवस में प्राप्त शिकायतो से सम्बन्धित निस्तारण आख्या उपस्थित सभी कृषको के समक्ष पढ़कर सुनाई गयी तथा निस्तारण सम्बन्धी विस्तृत विवरण सम्बन्धित अधिकारी द्वारा कृषको को अवगत कराया गया। किसान दिवस में विभिन्न कृषको द्वारा समस्या लिखित रूप से अवगत करायी गयी। किसानों द्वारा जिलाधिकारी को यह भी अवगत कराया की हमारे द्वारा किसान दिवस में जो भी शिकायतें दी जाती है संबंधित अधिकारी उसके निस्तारण में खाना पूर्ति करते हैं। इस पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी जताते हुए किसान दिवस में उपस्थित सभी अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि किसान दिवस के दौरान किसानों की जो भी समस्याएं आ रही है उसका गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करना सुनिश्चित करें अन्यथा की दशा में संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने तहसीलदारो को निर्देशित करते हुए कहा कि वह 10 से 12 बजे तक अपने-अपने कार्यालय में अनिवार्य रूप से बैठे जिससे किसान अपनी अपनी समस्याएं उनके समक्ष प्रस्तुत कर सकें। जिलाधिकारी द्वारा किसान दिवस में समस्त सम्बन्धित जिला स्तरीय अधिकारियों को अपने विभाग से संबंधित समस्याओं का निस्तारण एक सप्ताह में करके प्रत्येक दशा में निस्तारण की कार्यवाही की प्रति किसान दिवस के नोडल अधिकारी उप कृषि निदेशक, कार्यालय निकट कोतवाली में उपलब्ध कराते हुये एक प्रति शिकायतकर्ता को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया।

केंद्र सरकार के बजट को लेकर हुई संगोष्ठी

आज का मुद्दा-हापुड़। केंद्र सरकार के बजट पर क्षेत्रीय महामंत्री विकास अग्रवाल ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह बजट वित्तीय वर्ष 2025 26 का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत किया गया इस बजट की विशेषता यह है कि इस बजट में युवाओं महिलाओं गरीबों एवं किसानों के हितों को ध्यान में रखकर के पेश किया गया है मध्यम वर्ग को बड़ी राहत मिली है ₹1200000 तक के आए पर अब कोई आयकर नहीं लगेगा तथा कृषि और ग्रामीण विकास को भी इसमें बढ़ावा मिला है संशोधित ब्याज अनुदान योजना के तहत किसान क्रेडिट कार्ड की ऋण की सीमा को अब 3 लाख से बढ़कर 5 लाख कर दिया गया है एमएसएमई में भी बड़े-बड़े लोन का प्रावधान कर दिया गया है और बीमा के क्षेत्र में यदि बात करें तो एफडीआई की सीमा 74% से बढ़कर 100% कर दी गई है इस पूरे बजट पर अगर हम देखें तो यह बजट सभी वर्गों के लिए लाभप्रद है और इससे भारत की अर्थव्यवस्था को और मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष नरेश तोमर, जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा नगर, गढ़ नगर पालिका अध्यक्ष राकेश बजरंगी, जिला महामंत्री प्रफुल्ल सारस्वत, राजीव सिरोही, पुनीत गोयल, मोहन सिंह, श्यामेंद्र त्यागी, जिनेंद्र चौधरी, अंशुल मित्तल, विक्रांत शर्मा, अनिरुद्ध कस्तला, जय भगवान शर्मा, तेजवीर सिंह, नीलम तेवतिया, मालती भारती, राजीव शर्मा, दीपक भाटी, शैलेंद्र राणावत, पवन सैनी व जिला मीडिया प्रभारी सुयश वशिष्ठ समेत अनेक कार्यकर्ता मौजूद मौजूद रहे।

महाकुम्भ से साकार हुई एक भारत श्रेष्ठ भारत की अवधारणा : आनंदीबेन

लखनऊ (एजेंसी)। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने मंगलवार को कहा कि प्रयागराज महाकुंभ से एक भारत, श्रेष्ठ भारत की अवधारणा साकार हुयी है।

उत्तर प्रदेश राज्य विधान मण्डल के वर्ष 2025 के बजट सत्र के पहले दिन दोनों सदनों के समवेत अधिवेशन को संबोधित करते हुये उन्होने कहा कि योगी सरकार को इस वर्ष दिव्य एवं भव्य महाकुम्भ आयोजन का सौभाग्य प्राप्त हुआ है जिसमें स्वच्छता, सुरक्षा तथा सुव्यवस्था के नए मानक गढ़े गए हैं। महाकुम्भ में आस्था एवं आधुनिकता का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है।

राज्यपाल ने कहा कि यह आयोजन जहां एक ओर अनेकता में एकता को दर्शाता है, वहीं दूसरी ओर समता व समरसता का संदेश भी दे रहा है, जिससे 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की अवधारणा साकार हो रही है। अब तक लगभग 50 करोड़ से अधिक श्रद्धालुजन पावन त्रिवेणी में आस्था की पवित्र डुबकी लगा चुके हैं।

उन्होने मौनी अमावस्या पर घटी दुर्भाग्यपूर्ण घटना पर शोक प्रकट करते हुए कहा कि इससे हम सभी अत्यन्त दुःखी हैं। इसमें कुछ श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गए, जिसमें से कुछ श्रद्धालुओं की दुःखद मृत्यु भी हो गई। असमय काल-कवलित हुए लोगों के प्रति उन्होंने विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

राज्यपाल ने इस बात का विशेष उल्लेख किया कि महाकुम्भ प्रयागराज 2025 के शुभ अवसर पर पावन त्रिवेणी तट पर 22 जनवरी को मंत्रिपरिषद् की ऐतिहासिक बैठक भी आयोजित की गई, जिसमें प्रदेश हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

कांग्रेस के बहकावे में कभी नहीं आयेगा दलित समाज : मायावती

लखनऊ। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सांसद उदित राज के विवादित बयान पर पलटवार करते हुये बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने कहा कि उनके मानवतावादी संघर्ष का हर स्तर पर तिरस्कार करने वाली कांग्रेस दलित शोषित वर्ग की विश्वसनीय नहीं हो सकती और दलित समाज कभी भी इसके बहकावे में नहीं आयेगा। सुश्री मायावती ने सोमवार को एक्स पर पोस्ट किया 'बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के जीतेजी व उनके देहान्त के बाद भी, करोड़ों शोषित-पीड़ित दलितों/बहुजनों के लिए उनके आत्म-सम्मान एवं स्वाभिमान के मानवतावादी संघर्ष का हर स्तर पर तिरस्कार करने वाली खासकर कांग्रेस पार्टी कभी भी इनकी सोच-नीतियों पर खरी व विश्वसनीय नहीं हो सकती।' उन्होने कहा ' विशुद्ध राजनीतिक व चुनावी स्वार्थ के लिए कांग्रेस 'जय बापू, जय भीम, जय मण्डल, जय संविधान' आदि के नाम पर चाहे जितने भी कार्यक्रम क्यों न कर ले, बाबा साहेब के अनुयाई इनके किसी बहकावे में आने वाले नहीं हैं। वे जागरुक व सतर्क तथा अपने पैरों पर खड़े होने के लिए संघर्षरत हैं।' उदित राज के बयान पर पलटवार करते हुये उन्होने कहा 'कुछ दलबदलू अवसरवादी व स्वार्थी दलित लोग अपने आक़ाओं को खुश करने के लिए जो अनर्गल बयानबाजी आदि करते रहते हैं उनसे भी बहुजन समाज को सावधान रहने व उन्हें गंभीरता से नहीं लेने की जरूरत है क्योंकि वे 'सामाजिक परिवर्तन व आर्थिक मुक्ति' मूवमेन्ट से अनभिज्ञ व अपरिचित हैं।' गौरतलब है कि श्री राज ने सोमवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में भगवत गीता का जिक्र करते हुये कहा था कि उनके श्रीकृष्ण से आदेश मिला है कि सुश्री मायावती का गला घोटने का समय आ गया है। उनके इस बयान से बसपा में खासा रोष है। बसपा नेता आकाश आनंद ने उदित राज को गिरफ्तार करने की मांग तक कर डाली है।

ट्रक-कार की हुई टक्कर, युवक की हुई मौत

आज का मुद्दा-हापुड़। हापुड़ के बाबूगढ़ कोतवाली क्षेत्र में रसूलपुर फ्लाईओवर पर बुधवार सुबह एक बड़ा सड़क हादसा हुआ। गढ़मुक्तेश्वर से दिल्ली जा रही ऑल्टो कार की ट्रक से टक्कर हो गई। हादसे में कार में सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में कार चालक गुलाम रब्बली, जो मुरादाबाद के बिलारी तहसील के मोहम्मद इब्राहिमपुर का रहने वाला है। दूसरा घायल पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी का गुलशन प्रधान था। पुलिस ने दोनों घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। इलाज के दौरान चिकित्सकों ने गुलशन प्रधान को मृत घोषित कर दिया। कार चालक गुलाम रब्बली का इलाज जारी है। पुलिस ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटाया। यातायात सामान्य कर दिया गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर परिजनों को सूचित कर दिया है। मामले की जांच की जा रही है। थाना प्रभारी विजय गुप्ता ने बताया कि तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

योगी सरकार के टीबी अभियान के 69 दिन में 89,967 मरीज चिन्हित

लखनऊ, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पूरे प्रदेश में चल रहे सौ दिवसीय सघन ट्यूबरक्लोसिस (टीबी) अभियान के पहले 69 दिनों में स्वास्थ्यकर्मियों ने बेहतरीन काम किया है। अब तक 75 जिलों में 89,967 मरीज चिन्हित हुए हैं। इसके अलावा 74 प्रतिशत उच्च जोखिम वाले लोगों तक विभागीय टीम पहुंच चुकी है। वहीं, 12.50 लाख से अधिक लोगों को टीबी के बचाव की दवा खिलाई गई है।

योगी सरकार ने प्रदेश को इसी वर्ष टीबी मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा है। इसी के मद्देनजर पूरे प्रदेश में सौ दिवसीय सघन अभियान चलाया जा रहा है। राज्य क्षय रोग अधिकारी डॉ. शैलेंद्र भटनागर के मुताबिक लक्षणविहीन लोगों को टीबी न हो, इसके लिए टीबी प्रिवेंटिव ट्रीटमेंट (टीपीटी) के तहत दवा दी जा रही है। अभियान के दौरान 12,65,376 लोगों को टीपीटी दिया गया है। उन्होंने बताया कि अभियान में अब तक कुल 89,967 टीबी मरीजों की पहचान हुई है, जिनमें से 73,231 का इलाज शुरू कर दिया गया है। सभी 75 जनपदों में लगभग साढ़े तीन करोड़ की उच्च जोखिम की जनसंख्या को आच्छादित कर 2.54 करोड़ लोगों की टीबी के संभावित लक्षणों के आधार पर स्क्रीनिंग की गई और एक्स्परे, नॉट या माइक्रोस्कोपिक जांच की गई। अभियान के दौरान कुल 4,78,763 निक्षय शिविर लगाकर टीबी की स्क्रीनिंग की गई और जागरूकता अभियान चलाया गया। औसतन प्रतिदिन 4,809 निक्षय शिविर लगाए गए। डॉ. भटनागर ने बताया कि अब तक अभियान में सर्वाधिक 4,050 टीबी के मरीज लखनऊ में मिले हैं। इसके बाद आगरा में 3,545, सीतापुर में 2,854, अलीगढ़ में 2,802, कानपुर में 2,688, प्रयागराज में 2,282, गोरखपुर में 2,025 और वाराणसी में 2,015 केस मिले हैं। उन्होंने बताया कि पूरे प्रदेश में सबसे कम केस श्रावस्ती (247) में मिले हैं। इसके बाद महोबा में 309, चित्रकूट में 346, संत रविदास नगर में 353 और शामली में 360 मरीज मिले हैं। डॉ. भटनागर ने बताया कि 7 दिसंबर से उन 15 जनपदों में सौ दिवसीय टीबी सघन अभियान शुरू हुआ था, जहां टीबी से होने वाली मौतों की संख्या अधिक थी और नए टीबी रोगियों और संभावित टीबी रोगियों की पहचान दर राष्ट्रीय औसत से कम थी। दिसंबर के अंतिम सप्ताह में मुख्यमंत्री ने अभियान की समीक्षा करते हुए इस अभियान को सभी 75 जनपदों में लागू करने के निर्देश दिए थे।

उप्र : बसपा नेता आकाश आनंद ने की उदित राज के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग

लखनऊ। पूर्व लोकसभा सांसद उदित राज को कभी कांग्रेस तो कभी भाजपा का 'चाटुकार' बताते हुए बहुजन समाज पार्टी के राष्ट्रीय सह-संयोजक आकाश आनंद ने मांग की कि उनके खिलाफ कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए, अन्यथा देश का बहुजन युवा चुप बैठने वाला नहीं है। आकाश आनंद की यह प्रतिक्रिया सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर, उदित राज की टिप्पणी के कुछ घंटे बाद आई। सोमवार रात 'एक्स' पर एक पोस्ट में आकाश आनंद ने कहा, 'आज लखनऊ में मान्यवर कांशीराम साहेब के पुराने सहयोगी और कभी भाजपा, कभी कांग्रेस के चाटुकार उदित राज ने साहेब के मिशन पर लंबा चौड़ा ज्ञान दिया है। उदित राज अपने स्वार्थ के लिए दूसरे दलों में मौका तलाशने के लिए चर्चित हैं। उन्हें बहुजन आंदोलन की चिंता सिर्फ इसलिए है ताकि वह इस तरह से सांसद या विधायक बन सकें। उनका बहुजन समाज के उत्थान से कोई लेना देना नहीं है।' उन्होंने कहा, 'मैं बहुजन मिशन का युवा सिपाही हूँ। मैं बाबा साहेब और मान्यवर साहेब के मिशन को उदित राज से ज्यादा समझता हूँ। उनकी भाषा में जिस तरह की धमकी है वह हम बहुजन मिशन के करोड़ों सिपाहियों को कतई बर्दाश्त नहीं है।' बसपा नेता ने मांग की कि उप्र पुलिस 24 घंटे में उदित राज को गिरफ्तार कर क़ानून के तहत कड़ी से कड़ी कार्यवाही करे अन्यथा देश का बहुजन युवा चुप बैठने वाला नहीं है।

पति ने धारदार हथियार से की पत्नी की हत्या

आगरा (उप्र)। उत्तरप्रदेश में आगरा के इरादत नगर क्षेत्र में एक व्यक्ति ने धारदार हथियार से अपनी पत्नी की हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। सहायक पुलिस आयुक्त वीरेंद्र कुमार ने मंगलवार को बताया कि सोमवार शाम इरादत नगर थाना क्षेत्र के बाग खिन्नी गांव में केशव नामक व्यक्ति ने अपनी पत्नी राधा (32) पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि केशव ने राधा के गले और पेट पर कई वार किए जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद आरोपी फरार हो गया। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी जिसने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतका के भाई नीरज ने बताया, ''केशव के गुजरात की एक महिला से अवैध संबंध थे और राधा को इन संबंधों की जानकारी हो गई थी। गुजरात वाली महिला ने केशव को राधा की हत्या के लिए उकसाया था।'' सहायक पुलिस आयुक्त ने बताया कि अभी तक की जांच में अवैध संबंधों की बात सामने आ रही है, विस्तृत जांच की जा रही है और आरोपी केशव की तलाश की जा रही है।

सड़क मार्ग दुर्घटना में कमी लाने के उद्देश्य से एक्सीडेंट डेटाबेस पोर्टल का प्रशिक्षण दिया गया

आज का मुद्दा-हापुड़। जनपद हापुड़ के जिलाधिकारी प्रेरणा शर्मा के नेतृत्व में कार्यालय मुख्य चिकित्साधिकारी हापुड के सभागार में बुधवार 19.02.2025 को सड़क मार्ग दुर्घटना में कमी लाने के उद्देश्य से जनपद के समस्त ब्लाक हापुड़, गढ़मुक्तेश्वर, सिखेड़ा, पिलखुवा, धौलाना से चिकित्सा अधीक्षक, डाटा एंट्री ऑपरेटर एवं फार्मासिस्ट व जिला संयुक्त चिकित्सालय हापुड़ एवं ट्रामा सेंटर हापुड़ के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, फार्मासिस्ट एवं डाटा एंट्री ऑपरेटरों को सड़क मार्ग दुर्घटना में कमी लाने के उद्देश्य से इंटीग्रेटेड रोड़ एक्सीडेंट डेटाबेस (आई०आर०ए०डी०) एप्लीकेशन का प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें इंटीग्रेटेड रोड़ एक्सीडेंट डेटाबेस (आई०आर०ए०डी०) के जनपद स्तर से नामित नोडल अधिकारी डा० सुनील कुमार गुप्ता के द्वारा बताया गया कि सड़क पर होने वाली दुर्घटना का डेटाबेस तैयार करने के लिये इंटीग्रेटेड रोड़ एक्सीडेंट डेटाबेस पोर्टल तैयार किया गया है तथा इंटीग्रेटेड रोड़ एक्सीडेंट डेटाबेस (आई०आर०ए०डी०) पोर्टल का मुख्य उद्देश्य सड़क मार्ग दुर्घटना के कारणों तथा उससे बचाव के बारे में उपयोग में लाना है। सड़क दुर्घटना में मरने वालों व घायलों की जानकारी उक्त ऐप पर दर्ज करनी होगी यह प्रशिक्षण एन०आई०सी०, हापुड़ के जिला सूचना विज्ञान अधिकारी प्रशांत सिरोही के निर्देश में रोल आउट मैनेजर निशान्त राजपूत द्वारा दिया गया। इस दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डा० सुनील कुमार त्यागी की अध्यक्षता में प्रशिक्षण दिया गया।

माया‌वती के 'दुर्व्यवहार, भ्रष्टाचार, लालच' के बावजूद बसपा की 'राजनीतिक ताकत बरकरार' रही: उदित राज

लखनऊ (एजेंसी)। पूर्व सांसद उदित राज ने बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती पर निशाना साधते हुए दावा किया कि उनके ''दुर्व्यवहार, भ्रष्टाचार और लालच'' के बावजूद उनकी ''राजनीतिक ताकत लंबे समय तक बरकरार रही''। उन्होंने यह भी कहा कि ''जिस तरह दलितों की हालत खराब थी, आज मुस्लिम समुदाय भी उसी दौर से गुजर रहा है।'' राज ने सोमवार को लखनऊ में पत्रकारों से कहा, ''1980 के दशक के बाद कांशीराम जी ने उत्तर प्रदेश में बहुजन जागरण की शुरुआत की, जो 2000 के दशक में अपने चरम पर पहुंच गया। भले ही आंदोलन की परिणति राजनीति में हुई, लेकिन इसकी सोच और आधार सामाजिक न्याय रहा है। अन्य राजनीतिक दल राजनीति से शुरू करते हैं और राजनीति पर ही खत्म होते हैं, लेकिन बहुजन समाज पार्टी के साथ ऐसा नहीं था।'' मायावती पर हमला करते हुए उन्होंने कहा, ''मायावती की क्वरूता और अक्षमता के बावजूद कार्यकर्ता और मतदाता लड़ते रहे। कार्यकर्ताओं के घर बिक गए, उनके बच्चों को शिक्षा नहीं मिल पाई और उनके साथ क्वरूता की गई, फिर भी वे बहुजन राज लाने के लिए संघर्ष करते रहे। फुले, शाहू, आंबेडकर (महात्मा ज्योतिराव गोविंदराव फुले, राजर्षि शाहू महाराज, बी. आर. आंबेडकर) को मानने वाले लाखों कार्यकर्ता निराशा के दौर से गुजर रहे हैं। कुछ लोगों ने अपने स्तर पर छोटे-छोटे संगठन बनाए हैं, लेकिन उनकी (फुले, शाहू, आंबेडकर की) सोच मरी नहीं है।'' उत्तर पश्चिमी दिल्ली के पूर्व लोकसभा सदस्य ने यह भी कहा, ''जिस तरह दलितों की हालत खराब थी, उसी तरह आज मुस्लिम समुदाय भी उसी दौर से गुजर रहा है। मुस्लिम समुदाय अकेले इस स्थिति से नहीं लड़ सकता। दलित भी अकेले सक्षम नहीं हैं। जब भी मुस्लिम समुदाय अपनी समस्या उठाता है, तो उसका नतीजा सांप्रदायिकता में बदल जाता है।'' उन्होंने कहा कि एक दिसंबर 2024 को दिल्ली के रामलीला मैदान में डोमा परिसंघ की पहली रैली होगी, जिसमें वक्फबोर्ड को बचाने की मांग उठाई जाएगी। पूर्व लोकसभा सदस्य वर्तमान में दलित, ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग), अल्पसंख्यक और आदिवासी (डीओएमए) परिसंघ के प्रमुख हैं।

राजीव हत्याकांड में हत्या के दोषी को उम्रकैद की सजा, 28 हजार रुपए जुमार्ना लगा

आज का मुद्दा-हापुड़। हापुड़ में 14 साल पुराने हत्याकांड में न्यायालय ने अहम फैसला सुनाया है। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश मिताली गोविन्द राव ने एक दोषी को उम्रकैद की सजा सुनाई है। मामला 4 अगस्त 2010 का है। पिलखुवा के चंडी मंदिर कॉलोनी में रहने वाले कृष्ण कुमार के बेटे राजू उर्फ राजीव की हत्या कर दी गई थी। राजीव सिखैड़ा रोड पर स्थित जय मां दुर्गा प्रॉपर्टी के दफ्तर में बैठे थे। इसी दौरान चंडी मंदिर कॉलोनी के कपिल और उसके पिता बबलू तमंचा लेकर वहां पहुंचे। दोनों ने राजीव को धमकाया और कपिल ने उनके सीने में गोली मार दी। राजीव ने दोनों को पकड़ने की कोशिश की, लेकिन बबलू ने तमंचे की बट से उन पर वार किया। शोर सुनकर शैलेन्द्र और प्रशांत मौके पर पहुंचे। भीड़ जमा होने पर दोनों आरोपी फरार हो गए। न्यायाधीश ने बबलू उर्फ विनोद को धारा 302 के तहत उम्रकैद और 25 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया है। जुमार्ना न भरने पर एक साल की अतिरिक्त सजा होगी। इसके अलावा धारा 323 के तहत एक साल की कैद और एक हजार रुपये का अतिरिक्त जुमार्ना भी लगाया है। जुमार्ना न भरने पर एक महीने की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। दूसरा आरोपी कपिल अभी भी फरार है।

किसानो की समस्याओं का जल्द से जल्द करें निस्तारण: जिलाधिकारी

आज का मुद्दा-हापुड़। जिलाधिकारी प्रेरणा शर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में प्रातः 11.00 बजे से किसान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें जनपद के विभिन्न क्षेत्रो के कृषको एवं कृषक प्रतिनिधियो द्वारा प्रतिभाग किया गया। किसान दिवस में सर्वप्रथम योगेन्द्र कुमार उप कृषि निदेशक हापुड़ द्वारा उपस्थित सभी सम्बन्धित जनपद स्तरीय अधिकारियो एवं कृषक बन्धुओ का स्वागत किया गया। इसके उपरान्त किसान दिवस की कार्यवाही प्रारम्भ की गयी। सर्वप्रथम कृषि विज्ञान केन्द्र बाबूगढ़ से उपस्थित वैज्ञानिकों द्वारा फसलो में लगने वाले रोग की रोकथाम के बारे में विस्तृत रूप से उपस्थित कृषको को अवगत कराया तथा स्वास्थ्य संबंधी मोटे अनाज जिसमें फाइबर की मात्रा अधिक मात्रा में पाई जाती हो का सेवन अधिक मात्रा में करने की सलाह दी तथा पशुपालन विभाग से उपस्थित मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी द्वारा कृषकों को विभागीय योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी। उप कृषि निदेशक द्वारा गतमाह जनवरी, 2025 के किसान दिवस में प्राप्त शिकायतो से सम्बन्धित निस्तारण आख्या उपस्थित सभी कृषको के समक्ष पढ़कर सुनाई गयी तथा निस्तारण सम्बन्धी विस्तृत विवरण सम्बन्धित अधिकारी द्वारा कृषको को अवगत कराया गया। किसान दिवस में विभिन्न कृषको द्वारा समस्या लिखित रूप से अवगत करायी गयी। किसानों द्वारा जिलाधिकारी को यह भी अवगत कराया की हमारे द्वारा किसान दिवस में जो भी शिकायतें दी जाती है संबंधित अधिकारी उसके निस्तारण में खाना पूर्ति करते हैं। इस पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी जताते हुए किसान दिवस में उपस्थित सभी अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि किसान दिवस के दौरान किसानों की जो भी समस्याएं आ रही है उसका गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करना सुनिश्चित करें अन्यथा की दशा में संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने तहसीलदारो को निर्देशित करते हुए कहा कि वह 10 से 12 बजे तक अपने-अपने कार्यालय में अनिवार्य रूप से बैठे जिससे किसान अपनी अपनी समस्याएं उनके समक्ष प्रस्तुत कर सकें। जिलाधिकारी द्वारा किसान दिवस में समस्त सम्बन्धित जिला स्तरीय अधिकारियों को अपने विभाग से संबंधित समस्याओं का निस्तारण एक सप्ताह में करके प्रत्येक दशा में निस्तारण की कार्यवाही की प्रति किसान दिवस के नोडल अधिकारी उप कृषि निदेशक, कार्यालय निकट कोतवाली में उपलब्ध कराते हुये एक प्रति शिकायतकर्ता को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया।

अमरेली में नदी से पानी लेने गए 7 साल के बच्चे को शेर खा गया

अमरेली। गुजरात के अमरेली से एक चौंकाने वाला मामला आया है। जहां शेर ने एक बच्चे पर हमला कर बच्चे को खा लिया। जानकारी के अनुसार मध्यप्रदेश का एक परिवार अमरेली के पनिया गांव में बबूल के पेड़ काटने का काम कर रहा था, तभी उनके तीन बच्चे पानी भरने पास की नदी पर गए थे। वहां उन्हें अचानक शेर की दहाड़ सुनाई दी। जिससे 2 बच्चे भागे लेकिन एक बच्चे को शेर ने दबोच लिया और इतना बुरा काटा की बच्चे के टुकडे-टुकडे हो गए। वहीं, परिजन जब बच्चे को बचाने पहुंचे घटनास्थल पर पहुंचे तब उन्हें सिर्फ सिर, पैर और कुछ हड्डियां ही मिली। बीते अक्टूबर महीने में भी अमरेली के जिकाद्री गांव में एक पांच साल के बच्चे पर शेरनी ने हमला कर मार डाला था। इसके बाद शेर के हमले की यह दूसरी घटना है। फिलहाल वन विभाग ने कहा कि हमें जानकारी मिली, उसके बाद हमारी टीम ने 2 घंटे के अंदर शेर का रेस्क्यू किया। रेस्क्यू के बाद शेर को एनीमल केर सेंटर में भेजा गया है जहां पर उसकी जांच होगी। जिस बच्चे को शेर काटकर खा गया, उसका नाम राहुल बारीया था और वह 7 साल का था। बच्चे के पिता नारू बारिया और अन्य मजदूर यहां बबूल के पेड़ काटने का काम करने आए हैं। शेरों के इलाके में ये मजदूर झोपड़ी बनाकर खुले आसमान के नीचे रहते हैं। रात में इलाके में शेरों की दहाड़ के बावजूद वे सीमा से नहीं हटे। परिवार के मुताबिक सुबह राहुल दो अन्य लड़कियों के साथ एक बर्तन में पानी भरने के लिए पास की नदी पर गया था। तभी नदी के किनारे एक शेर उनका शिकार करने के लिए दौड़ा। दोनों लड़कियां भागने में सफल रहीं, लेकिन शेर राहुल को लेकर बबूल के पेड़ के पास गया और उसके टुकड़े-टुकड़े कर दिए।

अखिलेश का आरोप, कुंभ में पूरा पैसा खर्च कर रही योगी सरकार, किसानों के लिए कुछ नहीं बचेगा

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (एसपी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश सरकार के आगामी बजट को लेकर निशाना साधा है। अखिलेश ने आरोप लगाया कि योगी सरकार सारा पैसा कुंभ मेले पर खर्च कर रही है, इसके बाद प्रदेश के किसानों के लिए कुछ नहीं बचेगा। सपा प्रमुख अखिलेश ने कहा, योगी सरकार को किसानों की स्थिति पर ध्यान देना चाहिए। अगर देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है, तब कृषि क्षेत्र में निवेश बढ़ाना होगा। लेकिन योगी सरकार अपनी प्राथमिकताओं को भूलकर केवल धार्मिक आयोजनों पर पानी की तरह पैसा बहा रही है।

दरअसल अखिलेश ने यह बयान तब दिया है जब यूपी सरकार अगले बजट की तैयारियों में जुटी हुई है। अखिलेश ने कहा, कुंभ का आयोजन महत्वपूर्ण है, लेकिन जब किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य नहीं मिल रहा, गन्ना किसानों के बकाए का भुगतान अटका है और महंगाई बढ़ रही है, तब सारा ध्यान सिर्फ कुंभ पर देना उचित नहीं है। अखिलेश के इस बयान पर बीजेपी नेताओं ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। योगी सरकार के प्रवक्ताओं ने कहा कि कुंभ भारतीय संस्कृति और आस्था का महापर्व है और इस पर सवाल उठाना उचित नहीं। उन्होंने दावा किया कि सरकार किसानों और इंफ्रास्ट्रक्चर दोनों पर बराबर ध्यान दे रही है।

संगम में प्रदूषित पानी के मामले पर यूपी सरकार पर नाराज हुआ एनजीटी

नई दिल्ली। प्रयागराज के संगम में प्रदूषित पानी के मामले पर सुनवाई के वक्त नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) उत्तर प्रदेश सरकार की दलील पर नाराज हो गया। उत्तर प्रदेश पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (यूपीपीसीबी) ने कोर्ट में कहा कि सैंपल में जहां से पानी लिया गया, वहां का पानी दूषित था। सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (सीपीसीबी) ने एनजीटी के सामने रिपोर्ट पेश की थी, इस रिपोर्ट में कहा गया कि महाकुंभ में संगम का पानी नहाने योग्य नहीं है। पानी का फेकल कॉलीफॉर्म स्तर नहाने के लिए जरूरी प्राथमिक गुणवत्ता के स्तर के अनुरूप नहीं है। एनजीटी ने यूपी सरकार पर सवाल खड़े कर कहा कि आपने लंबा चौड़ा जवाब दाखिल किया लेकिन कहीं भी कोलीफॉर्म का जिक्र नहीं। एनजीटी ने कहा कि रिपोर्ट विस्तृत है, लेकिन उसमें गंगा यमुना की सफाई से जुड़े सारे मापदंडों का जिक्र नहीं। यूपीपीसीबी ने दावा किया कि जहां से सीपीसीबी ने गंगा यमुना में सैंपल लिया वहां पानी प्रदूषित था, लेकिन जहां से हमने लिए वहां पानी साफ था। यूपीपीसीबी की इस दलील पर एनजीटी नाराज हो गया। एजजीटी ने आदेश दिया कि यूपी सरकार ने एनजीटी को भरोसा दिलाया कि वे सीपीसीबी की रिपोर्ट पर एक्शन लेगा। इतना ही नहीं यूपीपीसीबी गंगा यमुना में पानी की गुणवत्ता को लेकर एक हफ्ते में लेटेस्ट रिपोर्ट दाखिल करेगा। अब मामले की अगली सुनवाई 28 फरवरी को होगी।

देश के कई राज्यों में हो सकती है बारिश, 40 किमी की रफ्तार से चलेंगी हवाएं

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने अगले कुछ दिनों के लिए पूर्वानुमान जारी किया है। आईएमडी के मुताबिक पूर्वोत्तर असम में निचले क्षोभमंडल स्तर पर चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है। इसके चलते 19 से 24 फरवरी के बीच अरुणाचल प्रदेश में हल्की बारिश हो सकती है। वहीं अगले सात दिनों में असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में भी बारिश हो सकती है। आईएमडी ने कहा है कि 19 और 20 फरवरी को अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बिजली के साथ बारिश हो सकती है। 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं भी चल सकती हैं। आईएमडी ने कहा कि 19 और 20 फरवरी को जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में गरज के साथ हल्की बारिश हो सकती है। कुछ जगहों पर ऐसी स्थिति 23 फरवरी तक रह सकती है। 20 फरवरी को पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली में भी हल्की बारिश हो सकती है।

दिल्ली जीत ली...अब बिहार, असम और तमिलनाडू फतह की तैयारी में जुटे पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव में करीब तीन दशक बाद जीतने वाली भाजपा ने जश्न मना लिया है और अब फिर से दूसरे राज्यों की चुनावी तैयारी में जुट गई है। खासतौर पर पार्टी के शीर्ष नेता पीएम नरेंद्र मोदी किसी भी तरह से आराम के मूड में नहीं हैं। अब वे बिहार, असम और तमिलनाडु जैसे राज्यों को लेकर रणनीति तैयार कर रहे हैं। बिहार में इसी साल अक्टूबर तक विधानसभा चुनाव होने हैं। इसके बाद असम और तमिलनाडु में अगले साल चुनाव होने है। इन राज्यों को लेकर पहले से ही भाजपा तैयारी में है और 24 फरवरी को भागलपुर से पीएम नरेंद्र मोदी चुनाव अभियान की शुरुआत करने वाले है। भागलपुर में रैली को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। इसके अलावा असम भी वे 24 फरवरी को ही जाएंगे।

असम और तमिलनाडु में चुनाव करीब एक साल दूर है, लेकिन पीएम मोदी अभी से तैयारियों में

जुट गए है। इसकारण वे असम जाएंगे और फिर 28 तारीख को तमिलनाडु के रामेश्वरम भी पहुंच रहे हैं। पीएम मोदी यहां पर पंबन पुल का उद्घाटन करने वाले हैं, जो द्वीपीय शहर रामेश्वरम को तमिलनाडु के अन्य हिस्सों से जोड़ेगा। बिहार और असम के भाजपा नेताओं ने पीएम मोदी के दौरे की डिमांड की थी। दिल्ली में खुद पीएम मोदी ने चुनाव प्रचार का नेतृत्व किया था। इतना ही नहीं यमुना की सफाई को लेकर उन्होंने कहा था कि इस काम की निगरानी मैं व्यक्तिगत तौर पर करूंगा। इसके बाद माना जा रहा है कि पीएम मोदी ही आने वाले चुनावों में भी बीजेपी का चेहरा होने वाले है। बिहार में भाजपा का सीएम नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू के साथ गठबंधन है। भागलपुर में पीएम मोदी के साथ ही मंच पर नीतीश कुमार भी मौजूद रहने वाले है। इसके बाद वहां नीतीश कुमार और पीएम मोदी की कुछ साझा रैलियां भी होंगी। असम में भाजपा बीते 10 सालों से सत्ता में है और उस पर तीसरी बार वापसी का दबाव होगा। भाजपा को भागलपुर सीट पर कमजोर माना जाता है। इसके बाद भागलपुर से पीएम मोदी का रैली करना अहम है। इसके अलावा संकेत है कि भाजपा बिहार में किसी भी इलाके में खुद को कमजोर नहीं दिखाना चाहती। भागलपुर में ही पीएम मोदी की ओर से किसान सम्मान निधि योजना की नई किस्त जारी की जाएगी। वह भागलपुर में एक नई सेंट्रल यूनिवर्सिटी की स्थापना के एक आयोजन में भी शामिल होने वाले है। यहीं से वह दो दिनों की असम यात्रा पर रवाना हो जाएंगे, जहां कारोबारी समिट का भी आयोजन होना है।

उपमुख्यमंत्री शिंदे ने विरोधियों के मुंह किए बंद, मतभेद की खबरों को सिरे से खारिज किया

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ किसी भी तरह के मतभेद की खबरों को सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि महायुति गठबंधन (बीजेपी-एनसीपी-शिवसेना) में सब कुछ ठीक है और उनके बीच किसी भी तरह का कोई कोल्ड वॉर नहीं है। इसतरह की खबरें तब चर्चा में आई जब शिंदे ने मुख्यमंत्री रिलीफ फंड के जैसा मेडिकल सेल बना दिया। शिंदे के कदम को लेकर विपक्ष ने सवाल खड़े कर दिए थे। शिंदे ने कहा कि यह नया सेल किसी कॉम्पीटीशन व्यवस्था के रूप में नहीं बल्कि मुख्यमंत्री के वॉर रूम के साथ मिलकर काम करेगा ताकि मरीजों को बेहतर सेवाएं दी जा सके। उधर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी मतभेद की खबरों को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा, इस तरह के सेल का गठन कोई गलत बात नहीं है, क्योंकि इसका मकसद जरूरतमंद लोगों की मदद करना है। जब मैं उपमुख्यमंत्री था, तब मैंने भी इसी तरह का सेल बनाया था। दरअसल शिंदे की यह सफाई विपक्षी दलों के आरोपों के बाद आई है, जिसमें शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने दावा किया था कि राज्य में 'समानांतर सरकार चलाई जा रही है'। राउत ने कहा, अगर सरकार इसी तरह चलती रही तब महाराष्ट्र में राजनीतिक अस्थिरता और बढ़ेगी।

नाबालिग लड़कियों से बलात्कार और हत्या के मामले में बंगाल में छह दोषियों को मौत की सजा

-बंगाल पुलिस ने पेश की मिसाल

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की विभिन्न अदालतों ने नाबालिग लड़कियों से बलात्कार और हत्या के मामले में बीते छह माह में छह दोषियों को मौत की सजा सुनाई है। इसके अलावा, अपने परिवार के सदस्यों की हत्या करने के दोषी व्यक्ति को भी मृत्युदंड की सजा सुनाई गई, इससे राज्य में बीते छह महीने में मृत्युदंड की सजा पाने वालों की संख्या बढ़कर सात हो गई है।

इस सूची में आरजी कर अस्पताल बलात्कार और हत्या मामले के दोषी संजय रॉय का नाम शामिल नहीं है। किशोरी का क्षत-विक्षत शव सात फरवरी 2025 को कोलकाता के न्यू टाउन इलाके में मिला था। पुलिस ने मामले में 22 वर्षीय ई-रिक्शा चालक को गिरफ्तार किया है। बात दें कि बंगाल में आखिरी न्यायिक फांसी दो दशक पहले हुई थी। दक्षिण कोलकाता के एक आवासीय इमारत के सुरक्षा गार्ड धनंजय चटर्जी को 16 वर्षीय छात्रा से बलात्कार और हत्या के मामले में वर्ष 2004 में 15 अगस्त से ठीक पहले फांसी दी गई थी। अपराध को मार्च 1990 में अंजाम दिया गया था।

जघन्य अपराध के इन मामलों में

सितंबर 2024 से फरवरी 2025 के बीच मौत की सजा सुनाई गई। सिलीगुड़ी की एक पॉक्सो अदालत ने सात सितंबर 2023 को मोहम्मद अब्बास को मौत की सजा सुनाई। आरोपी अब्बास को अगस्त 2023 में माटीगारा इलाके में स्कूल जा रही 16 वर्षीय लड़की से बलात्कार और हत्या का दोषी पाया गया था। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने फैसले का स्वागत कर लिखा, यह त्वरित सजा बंगाल पुलिस के प्रयासों का प्रमाण है बीते एक साल के भीतर न्याय सुनिश्चित किया। अपराजिता बलात्कार विरोधी विधेयक के लागू होने से इस तरह की कठोर सजाएं एक मिसाल बनेंगी, अपराधियों में डर पैदा करेंगी और इसतरह के जघन्य अपराधों को रोका जा सकेगा।

शक में पकड़े गए आरोपी ही निकले पाकिस्तान के खुफिया एजेंट

हनीट्रैप में फंसे पहुंचाई नेवी की सीक्रेट, एनआईए ने किया गिरफ्तार

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के कारवार में एनआईए ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इन पर कारवार नौसेना अड्डे की गोपनीय जानकारी पाकिस्तान को देने का आरोप है। सूत्रों के मुताबिक ये मामला हनी-ट्रैपिंग का है। पाकिस्तानी एजेंटों ने इन लोगों को हनीट्रैप में फंसाया और सेना की गोपनीय जानकारी हासिल की। गिरफ्तार किए गए लोगों के नाम वेताना तंडेल और अक्षय नाइक हैं। वेताना तंडेल मुदुगा गांव का रहने वाला है, जबकि अक्षय नाइक हलवल्ली का।

एनआईए की टीम ने मंगलवार को दोनों को हिरासत में लिया था। जांचकर्ताओं को शक है कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों ने हनी-ट्रैपिंग के जरिए इन दोनों को फंसाया। एक महिला एजेंट ने 2023 में फेसबुक पर इनसे दोस्ती की। फिर धीरे-धीरे नौसेना क्षेत्र की गतिविधियों, युद्धपोतों के आने-जाने और सुरक्षा संबंधी जानकारी मांगने लगी। एनआईए ने अगस्त 2024 में तीन लोगों से पूछताछ की थी। ये तीन लोग थे तंडेल, नाइक और तोदुर के सुनी। ये सभी जासूसी के शक में थे। उस समय उन्हें छोड़ दिया था, लेकिन उनकी गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी।

इन पर आरोप है कि इन लोगों ने कारवार बेस की तस्वीरें और नौसेना की गतिविधियों की जानकारी पैसे के बदले साझा की है। उन्हें आठ महीने तक हर महीने पांच हजार रुपए मिलते थे। ये जासूसी का जाल 2023 में हैदराबाद में दीपक और अन्य की गिरफ्तारी के बाद सामने आया है। अधिकारियों ने इन आरोपियों के बैंक खातों में पैसे जमा होने का पता लगाया है। तंडेल और नाइक कारवार के चंद्या इलाके में आयरन एंड मर्करी नाम की कंपनी में ठेकेदारी पर काम करते थे। सुनील जो पहले सी बर्ड नौसेना बेस कैंटीन में कॉन्ट्रैक्ट पर काम करता था, अब ड्राइवर है।

एनआईए गिरफ्तार लोगों से पूछताछ कर रही है और उनकी गतिविधियों के बारे में और जानकारी जुटा रही है। माना जा रहा है कि इस मामले में और गिरफ्तारियां हो सकती हैं, क्योंकि अधिकारियों को शक है कि इसमें एक बड़ा नेटवर्क शामिल हो सकता है। कर्नाटक में भारतीय नौसेना का एक महत्वपूर्ण अड्डा है। यह भारत का तीसरा सबसे बड़ा नौसेना अड्डा है। भारत के दोनों विमानवाहक पोत, आईएनएस विक्रमादित्य और आईएनएस विक्रांत, कारवार में ही तैनात हैं। यह देश की पहली सीलिफ्ट सुविधा का घर है, जिसमें जहाजों और पनडुब्बियों को डॉक करने और बाहर निकालने के लिए एक शिपलिफ्ट और ट्रांसफर सिस्टम शामिल है। यह एक ऐसी तकनीक है जिससे जहाजों को पानी से उठाकर जमीन पर लाया जा सकता है।

निकाय चुनाव से पहले कांग्रेस को झटका, हरियाणा में 50 नेता बीजेपी में शामिल

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा में 2 मार्च को निकाय चुनाव होने वाले हैं और उससे पहले करनाल में कांग्रेस झटका लगा है। कांग्रेस के करीब 50 नेताओं ने बीजेपी का दामन थाम लिया है। इस दौरान हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी और प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली भी मौजूद थे। बीजेपी से जुड़ने वाले नेताओं में हरियाणा अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व चेयरपर्सन त्रिलोचन सिंह, पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष अशोक खुराना, करनाल नगर निगम के पूर्व चेयरपर्सन बलविंदर कालरा शामिल हैं। इसके अलावा आम आदमी पार्टी नेता संजय बिंदल, कांग्रेस के ओबीसी सेल के जिलाध्यक्ष संजय चंदेल के अलावा कई पूर्व पार्षदों ने बीजेपी की सदस्यता ग्रहण की। कांग्रेस नेता निट्टू मान भी बीजेपी में शामिल हो गए हैं। करनाल सीट को बीजेपी का गढ़ माना जाता है और कांग्रेस के कुछ और नेताओं के आने से पार्टी मजबूत होगी। यहां से बीजेपी ने रेनू बाला गुप्ता को महापौर का उम्मीदवार बनाया है। सीएम सैनी ने कहा कि वह नेताओं का स्वागत करते हैं। आप लोगों के समर्थन से हमारी ताकत बढ़ेगी और हम पूरे समर्पण के साथ जनता की सेवा कर सकेंगे। इन नेताओं के कांग्रेस छोड़ने के बाद से पार्टी में हलचल तेज हो गई है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पूर्व डिप्टी मेयर मनोज वाधवा को मेयर प्रत्याशी बनाए जाने से लोगों में निराशा हैं। कांग्रेस छोड़ने की खबरों के बाद पार्टी नेताओं ने बागियों से मुलाकात भी की। कई नेताओं के यहां खुद महापौर उम्मीदवार मनोज वाधवा पहुंचे और मनाने की कोशिश की। उन्हें उम्मीदवार बनाए जाने से खफा नेताओं ने बीजेपी जॉइन की और सदस्यता ले ली। त्रिलोचन सिंह ने कहा कांग्रेस अब जनहित के मुद्दों से भटक रही है। इसलिए पार्टी छोड़ दी है। उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व को धन्यवाद दिया कि उन्हें दो बार चुनाव लड़ने का मौका दिया। इसके अलावा अल्पसंख्यक आयोग का चेयरमैन भी बनाया। वहीं कांग्रेस नेताओं ने कहा कि

बीजेपी ने नेताओं पर दबाव डाला है। इसके कारण त्रिलोचन सिंह समेत कई लोगों ने इस्तीफा दिया है। मनोज वाधवा ने तो तीखे लहजे में कहा कि त्रिलोचन सिंह ने मेरी पीठ पर छुरा मारा है। वह नामांकन पत्र दाखिल करने तक साथ थे। इसके बाद अगले ही दिन पाला बदल लिया।

कम बर्फबारी से जम्मू-कश्मीर में सूखे जैसे हालात, किसान हुए चिंतित

-कृषि विभाग ने दी पानी की कम खपत वाली फसलें उगाने की सलाह

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू और कश्मीर में इस बार सूखे की आहट सुनाई देने लगी है। बर्फ रहित सर्दी और लंबे समय तक सूखे के कारण कश्मीर घाटी में जलाशयों के भरने में देरी हो रही है। इसके मद्देनजर किसान चिंतित हैं। अगर ऐसा होता है तो किसानों को समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसके चलते कृषि विभाग ने कश्मीर के किसानों को पानी की कम खपत वाली फसलें उगाने की सलाह दी है।

कृषि विभाग कश्मीर ने खासकर दक्षिण कश्मीर में प्रमुख जल निकायों के सूखने पर किसानों को चावल की खेती से दूर रहने और अन्य वैकल्पिक फसलें उगाने की सलाह दी। विभाग ने दावा किया कि है कि स्थिति से निपटने के लिए स्कॉस्ट-कश्मीर के साथ मिलकर आकस्मिक योजनाओं पर काम किया जा रहा है। स्कॉस्ट फसलों और अन्य किस्मों की वृद्धि के लिए उपयुक्त स्थानों के बारे में मार्गदर्शन करेगा। सूखे की स्थिति जारी रहने के साथ ही किसानों से कृषि एडवाइरी के लिए

अपडेट रहने और पानी की कमी के प्रभाव को कम करने के लिए टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने को कहा गया है।

लम्बे समय बाद ऐसी स्थिति देखने को मिल रही है। इस बार बर्फ रहित सर्दियों को जलस्तर में कमी का मुख्य कारण बताया जा रहा है। सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग के मुताबिक कम बर्फबारी के कारण कश्मीर की जीवन रेखा झेलम सहित ज्यादातर नदियां जीरो लैवल से नीचे बह रही हैं। पिछले 45 दिनों में बहुत कम बर्फ पिघलने और कम बारिश होने से नदी का जलस्तर घट रहा है। पुलवामा स्थित संगम पर झेलम का जल स्तर माइनस 1.01 फीट तक पहुंच गया है जबकि राम मुंशी बाग में यह 3.52 फीट था और अशाम में स्तर 0.75 फीट तक गिर गया है। लिद्दर, राम बिआरा, द्रंग और पोहरू, सीलू सहित छोटी नदियां और नाले भी न्यूनतम जल स्तर से नीचे बह रहे हैं।

मौसम विभाग के मुताबिक जम्मू और कश्मीर में अब तक बारिश में कुल 29 फीसदी की कमी आई है जबकि पिछले तीन महीनों में यह कमी 80 फीसदी के करीब है। अकेले जनवरी के महीने में कम बारिश और बर्फबारी दर्ज की गई है। वहीं 12 फरवरी तक पहले 2 महीनों में केंद्र शासित प्रदेश के सभी जिलों में बारिश में 70 से 80 फीसदी की भारी कमी दर्ज की गई थी। पूरे जम्मू-कश्मीर में 79 फीसदी कम बारिश दर्ज की गई है और 1 जनवरी से 12 फरवरी 2025 तक सिर्फ 29.8 मिली मीटर बारिश दर्ज की।

मौसम विभाग ने अगले एक हफ्ते में 2 वैस्टर्न डिस्टर्बैंस के चलते 19 से 22 फरवरी और 25 से 27 फरवरी के बीच बारिश और बर्फबारी का अनुमान लगाया है। इस सीजन की बर्फबारी हो सकती है। कश्मीर घाटी के मैदानी इलाकों जिनमें श्रीनगर भी शामिल है यहां 4 जनवरी को आखिरी बार बर्फबारी हुई थी। इसके चलते सूखा खत्म होने की आस बंधी है।

सेना प्रमुख जनरल द्विवेदी की राहुल गांधी को नसीहत, सेना को राजनीति में नहीं घसीटे

चीन के साथ सीमा विवाद पर बातचीत का दौर जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी को नसीहत दी है। उन्होंने कहा कि सेना को कभी भी राजनीति में नहीं घसीटना नहीं चाहिए। ऐसा होने पर बहुत चिंता की बात होगी। सेना प्रमुख जनरल द्विवेदी ने कहा कि सेना ने चीन के साथ बातचीत के रास्ते को आगे बढ़ाया है। यदि हम एक दूसरे से बात करते हैं तब बहुत से संदेह दूर हो पाएंगे। हमारी यह राय रही है कि किसी भी तरह से संदेह को खत्म किया जाए। इसके लिए हमारे द्वारा कोर कमांडर्स को ताकत दी है कि जहां भी संभव हो, वे फैसला ले लें। यदि बातचीत से कोई मसला हल होता है, तब कर लिया जाए। उन्हें यह पावर दी गई है कि यदि उनके लेवल से कोई मामला हल हो सकता है, तब क्यों ना ऐसा किया जाए। उसके लिए किसी भी तरह की मंजूरी का इंतजार करने की जरूरत नहीं है।

दरअसल राहुल गांधी ने कहा था कि चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ ने कहा था कि लद्दाख सेक्टर में घुसपैठ हुई थी। इस पर उन्होंने कहा कि सेना को राजनीति में नहीं

घसीटा जाना चाहिए। वहीं महिलाओं को देवी काली की तरह सेना में शामिल करने की अपनी टिप्पणी पर फिर से जनरल द्विवेदी ने अपनी बात की। जनरल द्विवेदी ने कहा कि मेरा भाव यह था, जो हमारे इतिहास में झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के बारे में कहा गया था कि बुंदेले हरबोलों के मुंह हमने सुनी कहानी थी, खूब लड़ी मर्दानी वह झांसी वाली रानी थी। बता दें कि महिलाओं को सेना में शामिल करने के वह हिमायती रहे हैं। सेना प्रमुख ने इस दौरान हथियारों की बिक्री को लेकर भी बात की।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में हमारे यहां से विदेशों में हथियार भेजे जा रहे हैं। इसकी वजह यह है कि अब हथियार बनाने वाली कंपनियों को आसानी से लाइसेंस देने और छूट दी जा रही है। उन्होंने कहा कि भारत लंबे समय से यह कहता रहा है कि हम संवाद चाहते हैं। लेकिन जब जरूरी होगा, तब हम जंग से भी पीछे नहीं हटने वाले है। इस दौरान जब पूछा गया कि यदि किसी सेना कोई शहीद होता है, तब आप लोग कैसे परिवार को बताते हैं। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए बेहद दर्दनाक अनुभव होता है। लेकिन हम एक परिवार की तरह काम करते हैं। सेना में इंजीनियर, आर्टी, इन्फैंट्री सहित सभी लोग एक परिवार जैसे हैं।

आपबीती : सांप और मगरमच्छों से सामना, डंकी रूट से अमेरिका जाने वालों की दास्तां

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व सैनिक मंदीप सिंह से वादा किया गया था कि उन्हें अमेरिका में कानूनी रूप से प्रवेश दिलाया जाएगा, लेकिन उनका जीवन खतरे में पड़ गया और उन्हें मगरमच्छों व सांपों से निपटना पड़ा, सिख होने के बावजूद दाढ़ी कटवानी पड़ी और कई दिनों तक बिना भोजन के रहना पड़ा। मगर अमृतसर में अपने परिवार के लिए बेहतर जीवन सुनिश्चित करने का उनका सपना 27 जनवरी को उस समय टूट गया, जब मैक्सिको के तिजुआना के रास्ते अमेरिका में घुसने की कोशिश करते समय उन्हें अमेरिकी सीमा गश्ती दल ने गिरफ्तार कर लिया।

इसके बाद समूह को पनामा के जंगलों को पार कराया गया। उन्होंने कहा, यहां हमें साथी यात्रियों ने बताया कि अगर हम बहुत अधिक सवाल पूछेंगे तो हमें गोली मार दी जाएगी। 13 दिनों तक हम खतरनाक रास्ते से गुजरे जिसमें 12 नहरें शामिल थीं। मगरमच्छ, सांप - हमें सब कुछ सहना पड़ा। कुछ लोगों को खतरनाक सरीसृपों से निपटने के लिए लाठियां दी गईं। मनदीप ने कहा, हम अधपकी रोटियां और कभी-कभी नूडल्स खाते थे, क्योंकि उचित भोजन तो दूर की बात थी। हम दिन में 12 घंटे यात्रा करते थे।

मंदीप ने बताया कि पनामा पार करने के बाद समूह ने कोस्टा रिका में रुककर होंडुरास की यात्रा शुरू की, जहां, हमें अंततः चावल खाने को मिला। मनदीप ने बताया, लेकिन निकारागुआ से गुजरते समय हमें कुछ खाने को नहीं मिला। हालांकि ग्वाटेमाला में हमें किस्मत से दही चावल मिल गया। जब हम तिजुआना पहुंचे तो मेरी दाढ़ी जबरन काट दी गई। उन्होंने बताया कि 27 जनवरी की सुबह उन्हें बॉर्डर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया, जब वे अमेरिका में घुसने के लिए सीमा पार कर रहे थे।

उन्होंने कहा, अधिकारियों ने हमें बताया कि हमें निर्वासित कर दिया जाएगा। वापस भेजे जाने से पहले हमें कुछ दिनों तक हिरासत केंद्र में रखा गया। गुरदासपुर जिले के रहने वाले लवप्रीत ने बताया कि वह एक साल पहले घर से चले गए थे।लवप्रीत ने कहा, मेरे ट्रैवल एजेंट ने मुझे डंकी रूट से जाने को कहा, जो सुरक्षित नहीं था। पनामा के जंगलों से गुजरना बहुत खतरनाक था। हम किसी तरह खुद को सांपों, मगरमच्छों और दूसरे जानवरों से बचाने में कामयाब रहे।

लवप्रीत ने कहा, हमें एक कंटेनर में मेक्सिको ले जाया गया। हमें शौच के लिए भी नहीं जाने दिया गया। अगर हम शौच के लिए कहते तो वे हमें पीटते थे।कपूरथला जिले के बीस वर्षीय निशान सिंह ने भी ऐसी ही आपबीती सुनाई। निशान के परिवार ने उन्हें

अमेरिका भेजने के लिए 40 लाख रुपए खर्च किए थे। निशान ने कहा, हमें पीटा गया, खाना नहीं दिया गया। हमने 16 दिन जंगल में बिताए, मुख्य रूप से पानी पर जीवित रहे। हमारे मोबाइल फोन और अन्य सामान छीन लिए गए।

बहराइच शासकीय अधिवक्ता फौजदारी पद हेतु आवेदन आमंत्रित

ब्यूरो रिपोर्ट दिलशाद अहमद आज का मुद्दा

बहराइच 19 फरवरी। जिलाधिकारी मोनिका रानी ने बताया कि जनपद में जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) के 01 व सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) के 02 रिक्त पदों को भरने हेतु अर्हता रखने वाले इच्छुक अधिवक्ता निर्धारित प्रारूप पर अपने आवेदन पत्र समस्त प्रमाणित विवरण पत्र, शैक्षिक प्रमाण-पत्र के साथ 03 मार्च 2025 के अपरान्ह 5 बजे तक जिलाधिकारी कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के उपरान्त अथवा अपूर्ण, त्रुटिपूर्ण प्राप्त प्रार्थना पत्रों पर विचार नहीं किया जायेगा। डीएम मोनिका रानी ने बताया कि ऐसे अधिवक्ता जिन्होंने न्यूनतम 10 वर्ष की प्रैक्टिस पूर्ण कर ली है जिला शासकीय अधिवक्ता तथा 07 वर्ष की प्रैक्टिस पूर्ण करने वाले अधिवक्ता सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता के पद हेतु अर्ह होंगे। डीएम ने बताया कि अनुसूचित जाति, जनजाति तथा पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थियों को जाति प्रमाण-पत्र संलग्न करना होगा। साथ ही आवेदन के साथ पिछले दो वर्षों में आवेदित पद से संबंधित श्रेणी के वादों व अपील एवं रिवीजन का न्यायालय द्वारा सत्यापित विवरण सफलता के प्रतिशत सहित निर्धारित प्रारूप पर उपलब्ध कराना होगा। इस सम्बन्ध में अधिक जानकारी अथवा आवेदन का प्रारूप कलेक्ट्रेट स्थित जे.ए. पटल से प्राप्त की जा सकती है। आवेदन पत्र का प्रारूप कलेक्ट्रेट व सिविल कोर्ट बहराइच के नोटिस बोर्ड पर भी चस्पा किया गया है।

न्यायालय के आदेश पर मुकदमा दर्ज

बांदा : न्यायालय के आदेश पर थाना पुलिस ने अभियोग पंजीकृत कर लिया है। बताते चलें कि अली हसन उर्फ भूरा वल्द स्व भिक्खू खां निवासी हरदौली थाना बबेरू ने बताया कि बीते पांच दिसंबर 2024 को वह अपने खेत जा रहा था रास्ते में सगीर खां उर्फ गम्मू पुत्र फरजन्द खां, शकील खां पुत्र फरजंद खां, सरदार खां पुत्र स्व मुमताज खां ,असगर पुत्र अमीन खां मौजा हरदौली तथा दो अज्ञात व्यक्तियों ने हमला कर दिया। और पीड़ित के गले में पड़ी सोने की चेन तथा रुपया छीन लिया और मारपीट की । पीड़ित के साथ वाले लोगों ने इस मारपीट का विरोध किया तो उनको भी गाली गलौज किया तथा जान से मारने की धमकीं दी, और कहा कि ज्यादा नेता बनने की कोशिश न करो अन्यथा जान से मार देंगे।इसके बाद पीड़ित थाने के चक्कर लगाता रहा लेकिन पुलिस ने मुकदमा दर्ज नहीं किया। अंततः हारकर पीड़ित ने न्यायालय की शरण ली।

अधिकारीगण आमजन के जीवन को सरल बनाने के लिए करें काम - उपायुक्त

पंचकूला, 20 फरवरी -(शशि किरण अरोड़ा) - आज का मुद्दा-- उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने कहा कि सभी अधिकारी सरकार की योजनाओं को धरातल तक पहुंचाएं। आमजन को सभी प्रकार के लाभ मिलने चाहिएं। अधिकारी- कर्मचारी आमजन के जीवन को सरल बनाने के लिए काम करें। उपायुक्त मोनिका गुप्ता बुधवार को लघु सचिवालय में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आयोजित दिशा की बैठक के उपरांत जिला के अधिकारियों से योजनाओं पर चर्चा कर रहीं थी। उपायुक्त ने बताया कि 21 फरवरी को पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस सेक्टर-1 में सुबह 11 बजे जिला विकास समन्वय एवं निगरानी कमेटी की बैठक का आयोजन किया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता अम्बाला लोकसभा सांसद एवं जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति के अध्यक्ष वरूण चौधरी करेंगे। उन्होंने बताया कि इस बैठक में विभिन्न विकास कार्यक्रमों की समीक्षा की जाएगी। उन्होंने बताया कि भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय, दिशा मंडल के निदेर्शानुसार 26 विभागों की 67 योजनाओं को समीक्षा में शामिल किया गया है। बैठक में सांसद के अलावा स्थानीय विधायक, नगर निगम मेयर, जिला परिषद और नगर परिषद चेयरमैन के अलावा पंचायत समिति पिंजौर, बरवाला, रायपुर रानी व मोरनी के अध्यक्ष को मीटिंग के लिए आमंत्रित किया है। इस मौके पर अतिरिक्त उपायुक्त निशा यादव, एसडीएम चंद्रकांत कटारिया, नगराधीश विश्वनाथ, जिला राजस्व अधिकारी डा. कुलदीप, जिला शिक्षा अधिकारी सतपाल कौशिक, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी विशाल पराशर, जिला समाज कल्याण अधिकारी डा. विशाल, जिला खेल अधिकारी नील कमल, उप कृषि निदेशक डा. सुरेन्द्र यादव, पीडब्ल्यूडी एक्सईएन आशीष चौहान सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

सड़क हादसे में बाइक सवार की हुई मौत

आज का मुद्दा-हापुड़। जनपद हापुड़ के धौलाना थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। गांव देहरा के पास महाराणा की मूर्ति के निकट एक ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार करनपुर जट्ट निवासी श्यामू (35) की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उसके साथी को गंभीर चोटें आईं। श्यामू अपने साथी के साथ करनपुर जट्ट से धौलाना-मसूरी मार्ग होते हुए गाजियाबाद के विजयनगर जा रहे थे। पीछे से आ रहे एक अनियंत्रित ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने श्यामू के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घायल साथी को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। थाना प्रभारी धौलाना देवेंद्र सिंह बिष्ट ने बताया कि परिजनों को हादसे की सूचना दे दी गई है। फरार ट्रक चालक की तलाश जारी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चार युवकों पर अपहरण का आरोप

आज का मुद्दा-नोएडा। सेक्टर-63 में रहने वाली एक महिला ने 16 वर्षीय पुत्री के लापता होने के संबंध में थाना सेक्टर-63 में मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता ने 20 जनवरी को चार युवकों पर बेटी का अपहरण कर ले जाने का आरोप लगाया है। जनपद अलीगढ़ के एक गांव निवासी महिला ने पुलिस को बताया कि उसका पति दिमागी तौर पर बीमार रहते हैं। उनका शरीर अब मजदूरी के लायक नहीं है। पीड़िता अपने परिवार का भरण पोषण करने के लिए सेक्टर-63 के एच- ब्लॉक स्थित एक कंपनी में काम करती हैं। पीड़िता का कहना है कि उनकी 16 वर्षीय पुत्री उनके साथ नोएडा में ही रहती है। आरोप है कि उनकी पुत्री को अंकित अपने तीन-चार साथियों मनोज कुमार, सोनू और मनवीर के साथ 20 जनवरी को बहला-फुसलाकर भगा ले गया।

उत्तर रेलवे

इलेक्ट्रोनिक निविदा ई–प्रणाली के अंतर्गत मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

टेंडर नोटिस सं. **98/2024-2025** दिनांक **19.02.2025**

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली–110001 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मदों के लिये ई–निविदा आमंत्रित की जाती है :–

क्र. सं.	निविदा सं.	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
01	20253847	एल टाइप कम्पोजीशन ब्रेक ब्लॉक	21589 नग	19.03.25
02	04230058E	सर्वो प्लेक्स एस एच् सी–120 ग्रीस	18200 कि.ग्राम	20.03.25
03	77259011 RGC	रनिंग कॉन्ट्रैक्ट फॉर एच वी एन लाइनर्स (टी-3706)	4054714 नग	24.03.25
04	77259012 RGC	रनिंग कॉन्ट्रैक्ट फॉर एच वी एन लाइनर्स (टी-3702)	1000000 नग	01.04.25
05	77259009 RGC	रनिंग कॉन्ट्रैक्ट फॉर एच वी एन लाइनर्स (T-8752 & 8753)	100000 पेयर्स	07.04.25
06	77259013 RGC	रनिंग कॉन्ट्रैक्ट फॉर एच वी एन लाइनर्स (T-6938 & 6939)	272776 पेयर्स	17.04.25
07	77259010 RGC	रनिंग कॉन्ट्रैक्ट फॉर एच वी एन लाइनर्स (T-8751)	1484790 नग	21.04.25
08	77259008 RGC	10125 एम एम ओ/र (कर्वड) फैन शेप्ड स्विच	200 सेट	23.04.25

निविदा शर्तें–1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानि **www.ireps.gov.in** पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जायेगी।

557/25

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

बहराइच डीएम की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ किसान दिवस

ब्यूरो रिपोर्ट दिलशाद अहमद आज का मुद्दा

बहराइच 19 फरवरी। कृषकों की समस्याओं के निराकरण हेतु विकास भवन सभागार में आयोजित किसान दिवस एवं कृषक उत्पादक संगठनों द्वारा कराये जा रहे कार्यों की समीक्षा बैठक के दौरान जिलाधिकारी मोनिका रानी ने बताया कि जनपद के एफपीओ प्राकृतिक एवं जैविक खेती कर अपनी आय बढ़ायें। उन्हें नये-नये व्यवसाय अपनाने का सुझाव दिया। डीएम ने जनपद के बेरोजगार युवाओं को मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के अन्तर्गत संचालित साईट उेउमण्नचण्हवअण्पद पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। इस योजना के तहत 5 से 10 लाख रुपए तक के लोन पर 50 प्रतिशत सब्सिडी तथा चार वर्ष तक ब्याज मुक्त ऋण देय है। 8वीं पास से लेक ग्रेजुएशन तक के किसान अथवा व्यक्ति इस योजना में आवेदन कर सकते हैं। जिलाधिकारी ने उपायुक्त उद्योग को निर्देश दिया कि इस योजना में अधिक से अधिक आवेदन कराकर नये सूक्ष्म उद्योग स्थापित कराने के भी निर्देश दिये। डीएम ने बैठक में सिचाई, नलकूप तथा विद्युत एवं जल निगम विभाग के सम्बंध में प्राप्त शिकायतें शीघ्र निस्तारण कराये जाने का भी निर्देश दिया। जनपद के 35 केजी विजयपुर नलकूप का सत्यापन कृषि, नलकूप तथा विद्युत विभाग की समिति बनाकर जांच कराने का निर्देश दिया। इसी प्रकार हुजूरपुर में 44 केजी नलकूप, 168 बीजी अमकोलवा, 125 बीजी इमलियागंज, पयागपुर की जांच समिति बनाकर कराने का निर्देश दिया। बदरौली कैसरगंज में नहर की पटरी पर लोगों ने घर बना लिया है अधि. अभि. सरयू नहर बहराइच खण्ड-1 को प्रकरण की जांच एवं निस्तरण कराये जाने का निर्देश दिया। बैठक में उपस्थित एलडीएम जितेन्द्र कुमार मसन्द को निर्देश दिया कि किसान दिवस बैठक में कृषि योजना की एग्रीजंक्शन योजना, पशु पालन की योजना, मत्स्य पालन तथा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के अन्तर्गत प्राप्त आवेदनों का निस्तारण सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर एक सप्ताह के अन्दर सुनिश्चित करें।

डीएम ने हरि शरण सिंह के आवेदन पर गंभीरतापूर्वक विचार कर पत्रावली स्वीकृत कर ऋण वितरण कराने के निर्देश दिये। विकासखण्ड शिवपुर बरदहा के गिरधारी लाल पुत्र बिहारी लाल के खेत की पैमाईश समयबद्ध किये जाने पर कृषक द्वारा बैठक में संतुष्टी व्यक्त की गयी। किसानो से मुखातिब होकर जिलाधिकारी ने उप निदेशक कृषि तथा एडीएम को निर्देश दिया कि 28 फरवरी 2025 तक ग्रामों में कृषि एवं राजस्व विभाग के कर्मियों द्वारा चौपाल लगाकर फार्मर रजिस्ट्री तैयार करायें। बैठक में उपस्थित एफपीओ, कृषकों से कहा कि अपने से संबंधित सभी सदस्यों का एक सप्ताह के अन्दर फार्मर रजिस्ट्री कराना सुनिश्चित करें। बैठक में प्रगतिशील कृषक एवं एफपीओ निदेशक मुन्ना लाल वर्मा ने एफपीओ के आडिट सम्बंधी समस्या का निस्तारण डीडी एग्री को करने का निर्देश दिया। लालता प्रसाद गुप्ता ने रूर्बन मिशन योजना के अन्तर्गत समितियों के बकाया 5 प्रतिशत की धनराशि दिलाने को कहा। भाकियू के जिलाध्यक्ष राम कुमार वर्मा ने सरयू नहर परियोजना खण्ड-5 गंगवल पर एक गुलाबा बनान, चिलवरिया बाजार चीनी मिल का भुगतान न होने, बिजली तथा बैंक द्वारा बकाया वसूली में किसानों का उत्पीड़न करने आदि समस्याओं को बताया गया। सीडीओ मुकेश चन्द्र ने बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों की उपस्थिति ली तथा अनुपस्थित अधिकारियों को समय से किसान दिवस में प्रतिभागिता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होनें कहा कि बैठक में प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करना सुनिश्चित करें एवं अधिक से अधिक किसानों को सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। सीडीओ ने एफपीओ तथा उद्यमी कृषको को अपना उत्पाद दूसरे देशों में विक्रय कर आय बढ़ाने का निर्देश दिया। बैठक में वरिष्ठ विपणन निरीक्षक दिवाकर शुक्ला ने बताया कि कृषि उपज निर्यात का लाइसेन्स प्राप्त करने हेतु किसान/एफपीओ वेबसाइड डीजीएफटी डाट जीओवी डाट इन पर आनलाइन आवेदन कर सकते है। आनलाइन आवेदन फीस रू. 500 निर्धारित है। बैठक में उपस्थित जिला उद्यान अधिकारी अनिल चौधरी एवं जिला गन्ना अधिकारी आनंद शुक्ला, सहायक निदेशक मत्स्य डॉ..जितेन्द्र कुमार तिवारी तथा डीडीएम नाबार्ड कैलाश जोशी ने अपनी-अपनी योजनाओं के बारे में किसानों को विस्तार से बताया। उपसंभागीय कृषि प्रसार अधिकारी सदर उदय शंकर सिंह ने फार्मर रजिस्ट्री तथा बीज खाद आदि की जानकारी दी। कृषि विज्ञान केन्द्र बहराइच के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संदीप कन्नौजिया ने वर्तमान जायद में बोई जाने वाली उर्द, मूंग, मक्का, सुरजमुखी फसलोत्पादन की जानकारी दी। गेहूं में उर्वरकों की टापड्रेसिंग, खरपतवार नियंत्रण तथा सिंचाई के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर भूमि संरक्षण अधिकारी डॉ. सौरभ वर्मा, पीपीओ प्रियानन्दा, इफको के सत्येन्द्र वर्मा, जल निगम के सूरज वर्मा, सरयू नहर खण्ड के रोहित वर्मा, अधि.अभि. नहर मनीष कुमार, सरयू नहर खण्ड 5 के निदेश कुमार, सहायक अभियन्ता ट्यूबेल देवेन्द्र द्विवेदी, दिनेश कुमार प्रगतिशील बब्बन सिंह, प्रदेश सचिव ओम प्रकाश वर्मा, शशांक सिंह, माया देवी, आदि प्रगतिशील कृषक एवं अन्य विभागों के जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वस्थ्य रहने के लिए सुबह उठकर करे व्यायाम

ब्यूरो रिपोर्ट दिलशाद अहमद आज का मुद्दा

रिसिया। रिसिया के गायत्री विद्यापीठ पीजी कालेज में आयोजित चार दिवसीय खेल कूद प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया,जिसके मुख्य अतिथि कृष्ण लाल श्रीवास्तव प्रबंधक गायत्री इंटर कालेज रहे। कार्यक्रम की फीता काट कर शुभारंभ करते हुए कहा कि यदि स्वस्थ्य रहना है। तो सुबह उठकर व्यायाम करे। विद्यालय अध्यक्ष डा सोहन लाल ने बताया कि खेल कूद से मानसिक विकास होता है। प्राचार्य दिव्य दर्शन तिवारी ने छात्रो को भविष्य का निमार्ता बताया,और पढ़ाई से खेलकूद को जीवन में उतारने के लिए प्रेरित किया।इसके बाद आयो जित खेल कूद प्रतियोगिता में पहले दिन सौ मीटर की दौड़ बालक वर्ग में रवि शंकर वर्मा प्रथम, जमुना प्रसाद द्वितीय, कुलदीप यादव तृतीय एवं बालिका वर्ग में प्रेमलता प्रथम, गुंजा कुमारी द्वितीय, गीता भारती तृतीय स्थान। 200 मीटर में दौड़ बालक वर्ग में कुलदीप प्रथम, रवि शंकर द्वितीय, जमुना प्रसाद तृतीय, बालिका वर्ग में

गुंजा कुमारी प्रथम, प्रेमलता द्वितीय, गीता भारती तृतीय स्थान प्राप्त किया इसके अतिरिक्त भाला क्षेपण, डिस्कस थ्रो खेलों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया जिसकी जानकारी क्रीडाअधीक्षक डॉ मुकेश चंद्र श्रीवास्तव ने दी। इस अवसर पर डॉ मुरारी लाल श्रीवास्तव, डॉ सुभाष चंद्र, डॉ आशुतोष त्रिपाठी, रीति श्रीवास्तव, धर्मेन्द्र श्रीवास्तव, नन्दन श्रीवास्तव, सुबी खान, डेविड पाण्डेय, शिवम टंडन, उमेश वर्मा, राकेश्वर प्रसाद, आशीष श्रीवास्तव के साथ छात्र भारी संख्या में उपस्थित रहे।

भव्यता एवं दिव्यता के साथ मनाया जाएगा होलिकोत्सव पर्व दाऊ जी

ब्यूरो रिपोर्ट दिलशाद अहमद आज का मुद्दा-बहराइच। आगामी होलिकोत्सव पर्व को लेकर तैयारियां शुरू हो गई है।पर्व को भव्यता एवं दिव्यता के साथ मनाने के लिए रूपरेखा बनाई जा रही है।जिला प्रशासन एवं बहराइच होली समिति के समन्वय से पर्व को हर्षोल्लास वातावरण में मनाया जाएगा।होलिकोत्सव पर्व को लेकर बहराइच होली समिति के पदाधिकारियों की एक बैठक समिति के अध्यक्ष दीपक प्रकाश सोनी दाऊ जी के गुदड़ी स्थित आवास पर सम्पन्न हुई।बैठक में निर्णय लिया गया कि इस बार होलिकोत्सव बड़े ही धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा।

बैठक की अध्यक्षता कर रहे समिति के अध्यक्ष दीपक प्रकाश सोनी दाऊ जी ने कहा कि होली पर्व सनातन धर्म संस्कृति की पहचान है।इस बार 12 मार्च से होली पर्व की शुरूआत होगी जो 15 मार्च तक चलेगा।उन्होंने बताया कि 12 मार्च को रंग खेलना प्रारंभ होगा।वहीं 13 मार्च को रात्रि के 11.45 मुहूर्त के उपरांत होलिका दहन का कार्यक्रम होगा।तत्पश्चात 14 मार्च को मुख्य पर्व के दिन भव्यता एवं दिव्यता के साथ होली पर्व को मनाया जाएगा।सांयकाल घण्टाघर प्रांगण में होली मिलन एवं रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।15 मार्च को त्रिमुहानी घाट स्थित श्री हनुमानजी के मन्दिर पर सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक होली मिलन एवं भजन,कीर्तन प्रसाद का कार्यक्रम रखा गया है।वहीं सांय काल 15 मार्च को ही घण्टाघर प्रांगण में सांस्कृतिक कार्यक्रम की धूम रहेगी।उन्होंने बताया कि सभी कार्यक्रमो को हाईटेक रूप देने के लिए कार्ययोजना बनाई जा रही है।समिति के महामंत्री सुमित खन्ना ने कहा कि होलिकोत्सव पर्व जिला प्रशासन एवं समिति के समन्वय से दिव्यता के साथ मनाया जाएगा।कार्यक्रम को भव्य रूप देने के लिए पदाधिकारियों, सदस्यों एवं कार्यकर्ताओ की रॉय को शामिल किया जाएगा।उन्होंने कहा इस बार का होलिकोत्सव ऐतिहासिक होगा।बैठक में कृष्ण गोपाल तायल,सुरेश गुप्ता,सुदामा मिश्रा, कन्हैया सोनी,विष्णु कुमार शर्मा,उमा शंकर सोनी,राजेन्द्र कुमार उर्फ युवराज,मंदीप सिंह वालिया,योगेंद्र श्रीवास्तव, राजेन्द्र कुमार गुप्ता,अंकित सिंह,नितिन रूपानी, आनन्द कुमार कक्कू,अनुराग रस्तोगी,राहुल रॉय, देवेन्द्र कुमार मिश्रा,मनीष रस्तोगी,अमित टण्डन,मनोज मिर्ची सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

ग्रैंड वेनिस मॉल के एमडी सत्येंद्र भसीन गिरफ्तार, तोड़फोड़ और मारपीट का आरोप

धीरेन्द्र अवाना

ग्रेटर नोएडा । डीएस ग्रुप के विवाद के कारण आज ग्रेटर नोएडा पुलिस ने ग्रैंड वेनिस मॉल के एमडी सत्येंद्र भसीन उर्फ मोंटू भसीन को गिरफ्तार कर लिया है।भसीन पर आरोप है कि उन्होंने मॉल में तोड़फोड़, मारपीट और महत्वपूर्ण दस्तावेजों की चोरी किये है।

बता दे कि डीएस ग्रुप ने कुछ वर्ष पहले मोंटू भसीन के साथ एक करार किया था।इस करार के तहत डीएस ग्रुप ने ग्रैंड वेनिस मॉल में करोड़ों रुपये का निवेश किया था।कुछ समय बाद दोनों पक्षों के बीच विवाद शुरू हो गया। इस मामले में एनसीएलटी में एक केस भी चल रहा है।डीएस ग्रुप की शिकायत के अनुसार, मोंटू भसीन अपने कुछ साथियों के साथ मॉल के ऑफिस में घुसा। वहां उसने तोड़फोड़ की और दस्तावेज चुरा लिए।बीटा-2 थाने में मोंटू समेत चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।डीएस ग्रुप का आरोप है कि मोंटू ने नियमों के विरुद्ध उन्हें प्रोजेक्ट से बाहर कर दिया।यह मामला एनसीएलटी में विचाराधीन है।इससे पहले 2019 में भी मोंटू को खरीदारों के साथ धोखाधड़ी के आरोप में गिरफ्तार किया जा चुका है।पुलिस अब मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

संस्कार लोक गुरुकुलम् का अष्टदिवसीय चतुर्थ वार्षिक महोत्सव धूमधाम से प्रारंभ

(डॉ. गोपाल चतुर्वेदी)

वृन्दावन। चैतन्य विहार फेस-2 क्षेत्र स्थित संस्कार लोक गुरुकुलम् का अष्टदिवसीय चतुर्थ वार्षिक महोत्सव अत्यंत श्रद्धा एवं धूमधाम के साथ प्रारंभ हो गया है।महोत्सव का शुभारभ प्रातःकाल गाजे-बाजे के मध्य निकाली गई श्रीमद्भागवतजी की भव्य शोभायात्रा के साथ हुआ।तत्पश्चात यजमान परिवार द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य श्रीमद्भागवत और व्यासपीठ का पूजनअर्चन किया गया। व्यासपीठाधीन प्रख्यात भागवताचार्य डॉ. अशोक शास्त्री महाराज अपनी सरस वाणी में देश के विभिन्न प्रांतों से आए सैकड़ों भक्तों-श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत महापुराण के महात्म्य की कथा का रसास्वादन कराया। सायंकाल श्रीहनुमद् आराधन मंडल के द्वारा संगीतमय सामूहिक सुंदरकांड, श्रीहनुमान चालीसा का पाठ किया गया।साथ ही उनकी आरती की गई। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए आचार्य मारूतिनन्दन वागीश महाराज व भागवताचार्य सुरेश चंद्र शास्त्री ने कहा कि श्रीहनुमानजी महाराज समस्त सद्गुणों की खान हैं। उनमें वीरता, स्वामी भक्ति, बुद्धि-ज्ञान आदि का भंडार है।जो व्यक्ति जिस कामना से उनकी पूजा-अर्चना करता है,उसकी कामना वे निश्चित ही पूर्ण करते हैं। श्रीहनुमद आराधन मंडल के अध्यक्ष अशोक व्यास महाराज व श्रीराधावल्लभ मन्दिर के सेवाधिकारी नवीन गोस्वामी ने कहा कि श्रीहनुमानजी महाराज भक्ति शिरोमणि हैं।कलिकाल में श्रीहनुमानजी की आराधना के बिना भगवान श्रीरामजी की भक्ति प्राप्त कर पाना असम्भव है। भागवताचार्य डॉ. अशोक शास्त्री व वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. गोपाल चतुर्वेदी ने कहा कि सुंदरकांड का पाठ सभी बाधाओं को दूर करने वाला है।इस पाठ को करने से श्रीहनुमानजी महाराज शीघ्र ही प्रसन्न होकर भक्तों को मनवांछित फल प्रदान करते हैं। इस अवसर पर आचार्य जगदीश चंद्र शास्त्री, पण्डित रविशंकर पाराशर (बवेलेजी), आचार्य युगल किशोर कटारे, आचार्य देवांशु गोस्वामी, डॉ. अनिरुद्ध महाराज, सुधीर शुक्ला, रासाचार्य स्वामी जगदीश ठाकुरजी, राजेश पण्डित, अश्वनी मिश्र, डॉ. राधाकांत शर्मा, चेतन किशोर कटारे, युवराज श्रीधराचार्य महाराज, अच्युत कृष्ण, मुख्य यजमान श्रीमती मीरा - सुरेन्द्र अग्रवाल, श्रीमती बीनू - दीपक मुरारका, विशेष सहयोगी भक्तिमती सुशील गुप्ता, भक्तिमती मीरा केडिया एवं श्रीमती सुमन तथा समस्त गोपिका मण्डल (बैंगलुरु) आदि के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के तमाम गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।महोत्सव के अंतर्गत रासाचार्य स्वामी भुवनेश्वर वशिष्ठ व श्याम सुन्दर ब्रजवासी ने होली के पदों व रसियाओं का संगीत की मृदुल स्वर लहरियों के मध्य गायन किया।महोत्सव का समापन संत ब्रजवासी वैष्णव सेवा एवं वृहद भंडारे के साथ हुआ।

1041वें जश्ने ए विलादत सैय्यद सालार मसूद गाजी रह. अलैह. दरगाह आंगन में जलेंगे घी के दीप

ब्यूरो रिपोर्ट दिलशाद अहमद आज का मुद्दा

बहराइच। सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड नं 19 अंतर्गत विश्व प्रसिद्ध दरगाह हजरत सैय्यद सालार मसूद गाजी रह. अलै. (गाजी मियां) का वार्षिक जश्ने ए विलादत (रोशनी) उर्दू कैलेंडर के अनुसार 21 शाबान को मनाया जाता है, 2025 में यह उर्दू तारीख 20 फरवरी को पड़ रही है जिसके लिए सूफी संत फकीर हजरत मसूद गाजी मियां के चाहने वालों ने तैयारियां शुरू कर दी है, विलादत उर्दू अल्फाज है इसका मतलब जन्म या पैदाइश होता है। हर वर्ष गाजी मियां के विलादत के मौके पर स्थानीय वह शहर वासियों के अलावा दूर दराज के गांव कस्बों जनपदों से गाजी के दीवाने दरगाह शरीफ आकर रोशनी करते है इसमें घी, मोमबत्ती, तेल आदि के दीप दरगाह शरीफ के मुख्य परिसर में जलाकर उसके सम्मति तक बैठ कर रब से अपनी कामनाएं

करते है। इस दिन को स्थानीय बहुत खास मानते है आसपास के मोहल्लों के लोग अपने घरों से टोलीवार आस्ताने गाजी पर फलों फूलों सब्जियों की डालियां वह खानपान के पदार्थ पेश कर गरीबों में बांटते है। शहर भर से गाजी के दीवाने चादर वह गागर की झाकियां आस्ताने गाजी पर लाकर पेश करते है। इस अवसर पर दरगाह प्रबंधन वह प्रशासन भी समुचित व्यवस्था करता है ताकि आवागमन में किसी प्रकार की अव्यवस्था ना हो, साथ ही आवश्यकता अनुसार सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की जाती है। कई स्थानीय लोगों द्वारा परिसर के आसपास लंगर/भंडारे का आयोजन किया जाताहै।वर्तमान में दरगाह प्रबंधन के अध्यक्ष बकाउल्लाह है।जिनके अगुवाई में कमेटी वह टीम लगातार कार्य कर रही है। हाल ही में मीडिया से बातचीत में अध्यक्ष बकाउल्लाह ने बताया था हमारी टीम जायरीनों मेलार्थियों के हितों में कार्य करती रहेगी हमारा प्रयास रहेगा कि हम जायरीनों मेलार्थियों के लिए नि शुल्क शौचालय, ठहरने हेतु बड़े टीनशेड और स्थाई रैन बसेरा बनाए और जहां पर्याप्त स्थान है वहां पक्के शौचालय वह पेयजल का उचित प्रबंध कर जायरीनों को भेट कर सके हम सभी से संपर्क में रहकर सुझाव लेते रहेंगे और सभी से अनुरोध करेंगे कि गाजी मियां के आस्ताने पर आने वाले मेहमानों जायरीनों की सेवा में हमें सहयोग दें। हालांकि आगामी जेठ मेले को मात्र 2 माह बचे है और कई अहम कार्य है जो जायरीनों के हितों में प्रबंधन को करने होंगे जैसे सभी बागों में बेहतर पेयजल, नहाने हेतु प्रदानुमा स्थान, शौच हेतु पक्के या मोबाइल टायलेट एवं भीड़ भाड़ वाले बागों में उचित रास्ते का प्रबंध मुख्य गेटों पर नाम वह नंबर मेला परिसर वह दुकानों में अधिक से अधिक कमरों को लगाना वह गर्मियों में ठहराव वाले स्थानों पर टेंट आदि साथ ही दुकानदारों को फायर सेफ्टी ट्रैनिंग ऐसे कई बुनियादी बातों पर प्रबंधन को पुनः विचार करना होगा ताकि आने वाले श्रद्धालुओं जायरीनों मेलार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न होने पाए।

प्लाट कब्जा कर लोन लेने वाले 9 आरोपी गिरफ्तार

आज का मुद्दा नोएडा। नोएडा में खाली प्लाट के फर्जी दस्तावेज तैयार कर कब्जा और लोन लेने वाले पूरे गैंग को थाना सेक्टर-58 पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इस गैंग में सरगना समेत नौ लोग शामिल है। इसे एक मामले में सीबीआई ने भी पकड़ा था। इनके द्वारा बनाए गए फर्जी दस्तावेज भी पुलिस ने बरामद किए है।

डीसीपी ने राम बदन सिंह ने बताया कि दिल्ली के एमसीडी से रिटायर्ड अधिकारी केदारनाथ राय का सेक्टर-58 ए-6 में 375 वर्गमीटर का एक प्लाट है। इस प्लाट का आवंटन करीब 2000 के आसपास किया गया था।आवंटन के बाद केदारनाथ ने प्लाट की बाउंड्रीवाल कराई और गेट लगवा दिया। उसके बाद से प्लाट खाली है। प्लाट पर आरोपियों ने पहले कागज खोने की एक फर्जी एलएआर (लोकल आर्टिकल रिपोर्ट) कराई। जिसमें आरोपी ने अपना नंबर दिया। प्राधिकरण से कागज हासिल किए। केदारनाथ के नाम से फर्जी सेल्सडीड तैयार की।आरोपियों ने एक केदारनाथ के नाम की एक फर्जी फर्म बनाई। जिसमें 50 लाख रुपए ट्रांसफर किए। हालांकि ये पैसा आपस में ही बांट लिया। इन आरोपियों में दो खरीदार भी है। प्रॉपर्टी का वैल्यूएशन कराकर सौदा 3 करोड़ 75 लाख में तय किया। इन्ही दस्तावेज को आधार बनाकर 3 करोड़ 21 रुपए लोन के लिए आदित्य बिरला फाइनेंस में अप्लाई किया। फाइनेंस कंपनी के सर्वे करने के दौरान मामले का खुलासा हुआ और पुलिस ने नौ लोगों को गिरफ्तार किया। जबकि प्रॉपर्टी की सही लागत करीब 12 करोड़ रुपए है। डीसीपी राम बदन सिंह ने बताया कि इन आरोपियों की पहचान देवाशीष शर्मा , इतेश पौशवाल , नीरज झा , अनिल भडाना, विभूति, संजय शाह, कप्तान, राकेश विष्ट, नितीश पौशवाल हुई है। गैंग का सरगना राकेश बिष्ट है। जो अपने को रिटायर्ड अधिकारी बताता है। इसके अलावा इतेश और नितीश बाप-बेटे है। इस गैंग में और लोग शामिल हो सकते है। जिसकी जांच की जा रही है।

फाइनेंस कंपनी के सर्वेयर से खुला पूरा गैंग

14 फरवरी 2025 को पीड़ित के बेटे ने प्लाट पर लगे सीसीटीवी फुटेज देखी। फुटेज में दिखा की कुछ लोग प्लाट के गेट पर लगा ताला तोड़ रहे है। इस पर थाना सेक्टर-58 पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने फुटेज के आधार पर एक लोगों को पकड़ा। ये आरोपी नहीं बल्कि फाइनेंस कंपनी का सर्वेयर था। जो प्लाट का सर्वे करने आया था। उसे अपनी रिपोर्ट कंपनी में देनी थी जिसके बाद लोन की रकम आरोपियों के खाते में आ जाती।

टाइम टेबल बनाकर करें बोर्ड परीक्षा की तैयारी : चांदनी जैन

आज का मुद्दा-बागपत। विपुल जैन। श्री शान्ति सागर दिगम्बर जैन कन्या इंटर कालेज छपरौली की सामाजिक विज्ञान सहायक अध्यापिका चांदनी जैन ने 10 वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षा को लेकर विद्यार्थियों को जरूरी टिप्स दिए हैं।

चांदनी जैन ने कहा कि बोर्ड परीक्षा को लेकर विद्यार्थियों के लिए काफी तनावपूर्ण माहौल सा बना हुआ है। बोर्ड परीक्षाएं प्रत्येक विद्यार्थी के जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव होता है। बोर्ड परीक्षा की तैयारी के लिए बच्चों को पहले ही रणनीति बना लेनी चाहिए एवं उसी के अनुसार पढ़ाई करनी चाहिए। विद्यार्थियों को पढ़ाई की क्षमता दोगुनी कर देनी चाहिए। 10 घंटे का काम सिर्फ 2 घंटे में। पोमोडोरो तकनीक -25 मिनट पढ़ें, 5 मिनट ब्रेक ले, एकाग्रता बढ़ाएं। ऑडियो लर्निंग मैजिक- कठिन अध्यायों की रिकॉर्डिंग करें, चलते-फिरते सुनें, सीखने में आसानी, रंगीन नोट्स बनाएं, हाइलाइटर का सही इस्तेमाल करें, अलग-अलग विषयों के लिए अलग रंग, याददाश्त दोगुनी करे-रात की रिवीजन शक्ति, सोने से पहले दोहराएं, दिमाग रात में प्रोसेस करेगा, सुबह याद रहेगा ज्यादा। सिखाकर सीखें- दूसरों को समझाएं, खुद की समझ मजबूत करें, आत्मविश्वास बढ़ाएं। सुबह की सोनहरी घड़ियां- सुबह 5-7 बजे पढ़ें, फोकस का बेस्ट टाइम, बिना डिस्टर्बेंस के पढ़ाई। रोजमर्रा से जोड़ें- टॉपिक को रियल लाइफ से कनेक्ट करें, रुचि बढ़ेगी, समझ होगी गहरी। एक टाइम टेबल बनाएं और उसी के अनुरूप परीक्षा की तैयारी करें।

छत्रपति शिवाजी के जीवन से प्रेरणा ले सभी लोग : कपिल ब्राह्मण

आज का मुद्दा-बागपत। विपुल जैन। जनपद भर में छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती मनाई गई। सभी ने उनके चित्र पर फूल माला पहनाकर उन्हें नमन किया और उनके विचारों पर चलने का संकल्प लिया। इस मौके पर सुप्रसिद्ध समाजसेवी कपिल ब्राह्मण ने बताया कि छत्रपति शिवाजी माँ भारती के वीर सपूत तथा धर्म एवं राष्ट्रीयता के जीवंत प्रतीक थे। वह अपनी माता के प्रति बहुत समर्पित थे। उनकी माता जीजाबाई अत्यधिक धार्मिक महिला थी। इस धार्मिक माहौल का शिवाजी पर बहुत गहरा असर पड़ा। उन्होंने रामायण और महाभारत का गहरा अध्ययन किया। जब उनके पिता शाहाजी ने शिवाजी और उनकी माता को पूणे में रखा, तब उनकी देखरेख की जिम्मेदारी अपने प्रबंधक दादोजी कोंडदेव को दी। दादोजी ने शिवाजी को घुड़सवारी, तीरंदाजी एवं निशानेबाजी आदि की शिक्षा दी। 12 वर्ष की उम्र में शिवाजी को उनके भाईयों के साथ बेंगलोर भेजा गया, जहाँ इन्होंने प्रशिक्षण लिया। स्वामी विवेकानंद कहते हैं शिवाजी सर्वश्रेष्ठ भारतीय मुक्तिदाताओं में से एक हैं, जिन्होंने हमारे हिन्दू धर्म एवं देश को सम्पूर्ण रूप से डूबने से बचाया है। वे एक अतुल्नीय योद्धा थे। परम पराक्रमी, अद्भुत साहस व शौर्य के प्रतीक तथा कुशल प्रशासक और धर्म के प्रति समर्पित थे। उनका अदम्य साहस, वीरता तथा स्वराज्य के प्रति सर्वस्व बलिदान हमें सदैव प्रेरित करता रहेगा। सभी को उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए।

देश भर में एम एस एम ई अधिकारियों ने किया लंच का बहिष्कार

आज का मुद्दा-नई दिल्ली। ऑल इंडिया एम एस एम ई टेक्निकल अफसर एसोसिएशन ने दिल्ली समेत पूरे देश में बुधवार को लंच का बहिष्कार किया। एसोसिएशन ने सहायक निदेशक और अन्य स्तर के आई ई डी एस यानि भारतीय उद्यम विकास सेवा के अधिकारियों को अविलंब पदोन्नति देने की मांग को लेकर भूख हड़ताल का आयोजन किया। इसमें सैकड़ों अधिकारियों ने भाग लिया और लंच टाइम में लंच का बहिष्कार किया। दिल्ली स्थित सीपीडब्ल्यूडी एसोसिएशन, पटना स्थित बिहार श्रमजीवी पत्रकार यूनियन और तमिलनाडु स्थित विभिन्न एसोसिएशन ने आई ई डी एस अफसर के लंबित पदोन्नति को शीघ्र लागू करने की मांग का समर्थन किया है। गौरतलब है कि देश में एम एस एम ई क्षेत्र को मजबूती प्रदान करने के लिए माननीय प्रधानमंत्री की पहल पर भारतीय उद्यम विकास सेवा का गठन सन- 2014 से 2016 के बीच किया गया है लेकिन नौकरशाही की उदासीनता से समय पर सभी स्तरों के अधिकारियों को पदोन्नति नहीं मिलने के कारण सौ से अधिक पद खाली पड़े हैं और एम एस एम ई के विकास का कार्य प्रभावित है। भारतीय उद्यम विकास सेवा के सहायक निदेशक स्तर के अधिकारियों में रोष इस बात को लेकर है कि उनकी पदोन्नति की फाइल को रोक दिया गया है और सीधी भर्ती से नये लोगों को लाया जा रहा है जिससे वर्षों से कार्यरत अधिकारियों के जूनियर होने का खतरा बढ़ गया है, वहीं दूसरी ओर कुछ अधिकारियों को जहां दो-दो प्रमोशन मिल चुका है, प्रभावित सहायक निदेशकों को एक भी प्रमोशन नहीं मिला है। अपनी मांगों पर ध्यान दिलाने के लिए इन अधिकारियों ने दिल्ली मुख्यालय के साथ - साथ देश के विभिन्न राज्यों में एम एस एम ई कार्यालयों में लंच के लिए बहिष्कार का आयोजन किया और प्रदर्शन किया।

छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती मनाई

दनकौर : राष्ट्रीय बजरंग दल के कार्यकताओं ने संगठन के दनकौर कार्यालय पर छत्रपति शिवाजी महाराज के चित्र पर दीप प्रज्वलित करके उनकी जयंती मनाई और इसी मौके पर संगठन का बिस्तर भी किया गया। दीप जलाकर शिवाजी महाराज की जयंती मनाई । जयंती समारोह की अध्यक्षता डॉ कृष्णवीर मलिक और संचालक गौरव नागर ने किया। अपने अध्यक्ष के भाषण में डॉक्टर कृष्णवीर मलिक ने कार्यकताओं से महाराज छत्रपति महाराज के आदर्शों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। जिला गोरक्षा प्रमुख त्रिलोक गुर्जर नवादा ने कहा कि हम सभी भारतीयों को शिवाजी महाराज से प्रेरणा लेकर देश की एकता और अखंडता के लिए कार्य करने चाहिए और अपने मातृभूमि के लिए सदैव अपने प्राणों की आहुति देने के लिए तैयार रहना चाहिए। इस मौके पर जिला अध्यक्ष अवनेश नायक ने कहा कि भारत के हर युवा को अखंड भारत के निर्माण में अपना योगदान शिवाजी महाराज की तरह प्रत्येक देशवासी को देना होगा संगठन विस्तार पर नगर अध्यक्ष संजय ठाकुर ने कहा नवनियुक्त कार्यकर्ता पूरी निष्ठा के साथ देश और धर्म के लिए कार्य करने की शपथ दिलाई इस मौके पर अमन भड़ाना ,दीपांशु शर्मा ,सक्षम नागर,अर्जुन सिंह ,यश शर्मा ,अनुज नागर, निशांत भाटी, तुषार शर्मा, शुभम शर्मा ,करण जोगी, दीपांशु योगी ,अमित प्रजापति ,डॉ मनोज भारद्वाज ,देवेश शर्मा, अजय कुमार, सहित दो दर्जन लोगों ने संगठन की सदस्यता ग्रहण की

दुजाना में सांस्कृतिक धरोहर का उत्सव: बम्ब वादन प्रतियोगिता और प्रतिभाओं का सम्मान

आज का मुद्दा

दुजाना, गौतमबुद्ध नगर: गाँव की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और नई पीढ़ी को इससे जोड़ने के उद्देश्य से "ग्राम गौरव उत्सव" का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 20 फरवरी को दोपहर 1 बजे से दादी सत्ती मंदिर परिसर में होगा, जिसमें पूरे क्षेत्रवासियों की सहभागिता अपेक्षित है।

बम्ब वादन प्रतियोगिता: परंपरा को संजोने की अनूठी पहल

ग्राम गौरव उत्सव के अंतर्गत बम्ब वादन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा, जो प्रतिभागियों के लिए रोमांचक अनुभव होगा। इसके माध्यम से होली के विशेष बम्ब वादन कार्यक्रम का पूर्वाभ्यास भी किया जाएगा। यह प्रतियोगिता गाँव की वर्षों पुरानी परंपरा को जीवित रखने और अगली पीढ़ी तक पहुँचाने का प्रयास है।

गाँव की प्रतिभाओं को मिलेगा सम्मान

इस अवसर पर गाँव के हर वर्ग के प्रतिभाशाली व्यक्तियों को सम्मानित किया जाएगा। चाहे वे शिक्षा, खेल, कला, समाज सेवा या अन्य किसी क्षेत्र में विशिष्ट योगदान दे रहे हों, उनके योगदान को सराहा जाएगा। यह पहल गाँव के युवाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी।

प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए करें संपर्क

जो भी प्रतिभागी बम्ब वादन प्रतियोगिता में भाग लेना चाहते हैं, वे निर्देश पहलवान अथवा एडवोकेट सुखवीर नागर से संपर्क कर सकते हैं।

गाँववासियों से अपील: बढ़-चढ़कर लें भाग

आयोजन समिति ने गाँववासियों से इस आयोजन को सफल बनाने में सहयोग करने की अपील की है। हर मोहल्ले से सक्रिय भागीदारी की अपेक्षा की जा रही है, ताकि यह आयोजन यादगार बन सके।

जनपद में आगामी 08 मार्च 2025 को राष्ट्रीय लोक अदालत का होगा आयोजन

आज का मुद्दा-गौतम बुद्ध नगर : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के प्राप्त निदेशों के अनुपालन में तथा माननीय जनपद न्यायाधीश, गौतमबुद्धनगर की अध्यक्षता में दिनांक 08/03/2025 को जनपद गौतमबुद्धनगर में मुख्यालय एवं तहसील स्तर पर राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है।

अपर जिला जज/ सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ऋचा उपाध्याय ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में विशेषतः आपराधिक शमनीय वाद, पारिवारिक मामलें, मोटरयान दुर्घटना अधिनियम के मामले, बिजली व पानी से संबधित मामले, धारा 138 एन.आई. एक्ट के वाद, भू-राजस्व वाद, सेवा सम्बन्धित मामले एवं प्री-लिटीगेशन मामलों के साथ-साथ सुलह समझौते के माध्यम से निस्तारण योग्य अन्य विवाद, जिनमें पक्षकार पारस्परिक सद्भावना के अधीन सन्धि हेतु इच्छुक हो वह मामले राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से निस्तारित किये जायेगे। लोक अदालत द्वारा जारी किए गए फैसले को दीवानी अदालत के डिक्री का दर्जा प्राप्त होता है। यह फैसले बाध्यकारी होते हैं और इनके खिलाफ अपील नही की जा सकती। लोक अदालत का कोई न्यायालय शुल्क नहीं है और यदि न्यायालय शुल्क का भुगतान पहले ही कर दिया गया है, तो लोक अदालत में विवाद का निपटारा होने पर राशि वापस कर दी जाती है।

ओपन वॉलीबॉल टूनार्मेंट में खेला गया दूसरे राउंड का मैच

आज का मुद्दा

नोएडा। आईएमएस नोएडा में आयोजित इंटरा कॉलेज वॉलीबॉल टूनार्मेंट का दूसरा राउंड खेला गया। बुधवार को सेक्टर 62 स्थित संस्थान परिसर में आयोजित इस 3 दिवसीय कार्यक्रम के दूसरे दिन 16 टीम में दूसरे राउंड का मैच खेला। वहीं आज टूनार्मेंट के दौरान 6 टीम ने पहले राउंड का मैच खेल कर कार्यक्रम में हिस्सा लिया। बुधवार को काईट कॉलेज ने हाईटेक कॉलेज के साथ 2-0 की बढ़त के साथ खेल की शुरूआत की। वहीं अभय क्लब ने आईटीएस एवं आईआईएमटी ने एसयू ब्लॉक को क्रमशः 2-0 एवं 2-0 की बढ़त से जीत हासिल की। वहीं दूसरे राउंड में खबर लिखे जाने तक क्रमशः आईएमएस नोएडा ने एसवीएम स्कूल को, अभय एकेडमी ने काईट कॉलेज को, आईआईएमटी ने एएमएल डिपार्टमेंट को एवं श्यामलाल कॉलेज ने जेएसएस कॉलेज को क्रमशः 2-0, 2-1, 2-0 एवं 2-0 की बढ़त से जीत हासिल की। कार्यक्रम के दौरान आईएमएस की स्पोर्ट्स कॉर्डिनेटर रीना मैसी ने बताया कि इस 3 दिवसीय वॉलीबॉल टूनार्मेंट में दिल्ली एनसीआर के 32 टीम हिस्सा ले रहे हैं। आज के कार्यक्रम के पहले एवं दूसरे राउंड का मैच खेला गया। इस 3 दिवसीय ओपन वॉलीबॉल टूनार्मेंट का क्वाटर फाईनल, सेमी फाईनल एवं फाइनल मुकाबला बृहस्पतिवार को आयोजित किया जाएगा। वहीं आज के कार्यक्रम के दौरान आईएमएस के वाइस प्रेसिडेंट विराग गुप्ता, महानिदेशक प्रोफेसर (डॉ.) विकास धवन के साथ संस्थान

आर.के.अकादमी में वार्षिकोत्सव 'संस्कृति' का भव्य आयोजन

आज का मुद्दा-जेवर। प्रज्ञान पब्लिक स्कूल, जेवर के तत्वावधान में आर.के. अकादमी,शाहपुर कलाँ में वार्षिकोत्सव ह्यसंस्कृतिह्ल का भव्य आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रज्ञान पब्लिक स्कूल, जेवर के प्रबंधक डॉ. हरीश कुमार शर्मा, प्रज्ञान पब्लिक स्कूल, जेवर की प्रधानाचार्या डॉ. दीप्ति शर्मा एवं आर.के. अकादमी की प्रधानाचार्या मिस प्रियंका शर्मा ने दीप प्रज्ज्वलन एवं माँ सरस्वती की वंदना से किया । यह उत्सव छात्र-छात्राओं की प्रतिभा, समर्पण और सांस्कृतिक विरासत को प्रकट करने का एक अद्वितीय मंच बना।इस विशेष अवसर पर विद्यार्थियों ने प्रेरणादायक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।इस भव्य आयोजन में छात्र-छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं, जिनमें गणेश वंदना,नवदुर्गा की भक्तिमय झाँकी, शिव स्तोत्र, गोविंद बोलो, छोटी-छोटी गैया, केसरी के लाल, पल पल भारी एवं शिव शक्ति संगम जैसी शानदार गीत-संगीत एवं नृत्य प्रस्तुतियाँ शामिल थीं।छात्र छात्राओं ने अपने सधे हुए अभिनय, नृत्य कौशल और मधुर संगीत से न केवल दर्शकों का मन मोह लिया, बल्कि उन्हें भक्ति भाव से भी भर दिया।नाट्य एवं नृत्य नाटिकाओं ने भारतीय संस्कृति और परंपराओं की झलक प्रस्तुत कर सभी को प्रेरित किया।प्रज्ञान पब्लिक स्कूल, जेवर के प्रबंधक डॉ. हरीश कुमार शर्मा ने अपने प्रेरणादायक अभिभाषण में छात्र-छात्राओं को शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक मूल्यों को आत्मसात करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि विद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र ही नहीं, बल्कि संस्कारों और जीवन मूल्यों का पाठ पढ़ाने का माध्यम भी होता है।मुख्य अतिथि आदरणीय राज सिंह ,चेयरमैन पिसावा ने सभी बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रशंसा की एवं प्रज्ञान पब्लिक स्कूल के प्रबंधक एवं विद्यालय की प्रधानाचार्या के निर्देशन में कार्य कर रहे सभी शिक्षक शिक्षिकाओं को बच्चों का उज्जवल भविष्य बनाने हेतु काफी सराहना की।प्रज्ञान पब्लिक स्कूल, जेवर की प्रधानाचार्या डॉ. दीप्ति शर्मा ने अपने संबोधन में छात्र-छात्राओं को अनुशासन, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा के साथ अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर होने के लिए प्रेरित किया।विद्यालय की प्रधानाचार्या मिस प्रियंका शर्मा ने इस भव्य आयोजन में उपस्थित सभी गणमान्य अतिथिगण, अभिभावकों ,पत्रकार बंधुओं का आभार प्रकट किया एवें छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया।सभी ने सांस्कृतिक महोत्सव का भरपूर आनंद लिया।कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षिकाओं की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही।

परंपरा कला एवं संस्कृति का मनोरम माहौल एवं "लखपति एसएचजी दीदी की निर्यात क्षमता का विकास" थीम के साथ नोएडा हाट में 21 फरवरी से 10 मार्च 2025 तक आयोजित होगा, सरस आजीविका मेला

आज का मुद्दा-गौतमबुद्ध नगर : नोएडा में पांचवीं बार परंपरा, कला एवं संस्कृति का मनोरम माहौल एवं "लखपति एसएचजी दीदी की निर्यात क्षमता का विकास" थीम के साथ, 21 फरवरी 2025 से 10 मार्च 2025 तक प्रसिद्ध सरस आजीविका मेला 2025 का आयोजन सेक्टर 33 ए के नोएडा हाट में किया जा रहा है। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित और राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडीपीआर) के समर्थन से इस सरस आजीविका मेला 2025 में ग्रामीण भारत की शिल्प कलाओं का मुख्य रूप से प्रदर्शन किया जाएगा।

21 फरवरी से 10 मार्च 2025 तक चलने वाले इस उत्सव में नोएडा के नोएडा हाट में मौजूद 400 से अधिक महिला शिल्प कलाकार, जो परंपरा, हस्तकला एवं ग्रामीण संस्कृति तथा स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी है, इसके साथ ही 85 से ज्यादा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। प्रेस वार्ता को ग्रामीण विकास मंत्रालय की संयुक्त सचिव स्वाति शर्मा, जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा और नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ लोकेश एम ने संबोधित किया। इंडिया फूड कोर्टः सरस आजीविका मेले में इस बार महत्त्वपूर्ण इंडिया फूड कोर्ट में देश भर के 20 राज्यों की 80 उद्यी गृहणियों का समूह अपने प्रदेश के प्रसिद्ध क्षेत्रिय व्यंजनों के स्टाल लगाएंगी, जिसमें हर प्रदेश के क्षेत्रिय व्यंजनों के स्वाद का अनोखा आनंद प्राप्त होगा। इस बार देशभर से 400 से अधिक लखपति दीदियां सरस मेले की खास मेहमान बनेंगी। मेले के विषय में जानकारी देते हुए ग्रामीण विकास मंत्रालय की संयुक्त सचिव स्वाति शर्मा ने बताया कि सरस आजीविका मेला 2025 में कुछ उत्कृष्ट प्रदर्शन जो हेंडलूम, साड़ी और ड्रेस मेटिरियल में विभिन्न राज्यों से हैं वो इस प्रकार हैं. आंध्र प्रदेश से कलमकारी, आसाम का मेखला चादर, बिहार से कॉटन और सिल्क, छत्तीसगढ़ से कोसा साड़ी, गुजरात से भारत गुंथन एंड पैचवर्क, झारखंड से तासर शिल्क एंड कॉटन और साथ ही दुपट्टा और ड्रेस मेटिरियल, चंदेरी और बाग प्रिंट मध्यप्रदेश से, मेघालय से इरी प्रोडक्ट्स, ओडिसा से तासर और बांदा, तमिलनाडु से कांचीपुरम, तेलंगाना से पोस्विपुरम, उत्तराखंड से पश्मिना, कथा, बातिक प्रिंट, तांत और बालुचरी पश्चिम बंगाल से रहेंगे। इसके साथ ही हेंडीक्राफ्ट, ज्वेलरी और होम डेकोर के प्रोडक्ट्स के रूप में आंध्रप्रदेश का पर्ल ज्वेलरी, आसाम का वाटर हायजिनिथ हेंड बैग और योगामैट, बिहार से लाहकी चूड़ी, मधुबनी पेंटिंग और सिक्की क्राफ्ट्स, छत्तीसगढ़ से बेलमेटल प्रोडक्ट्स, मडमिरर वर्क और डोरी वर्क गुजरात से, हरियाणा का टेरा कोटा, झारखंड का ट्राइबल ज्वेलरी, कर्नाटक का चन्ननपटना खिलौना, सबाईग्रास प्रोडक्टस, पटचित्र आनपाल्मलीव ओडिशा, तेलंगाना से लेदर बैग, वाल हैंगिंग और लैंप सेड्स, उत्तर प्रदेश से होम डेकोर और पश्चिम बंगाल से डोकरा क्राप्ट, सितल पट्टी और डायवसीफाईड प्रोडक्ट्स ये सभी रहेंगे। इसके साथ ही प्राकृतिक खाद्य पदार्थ भी फूड स्टाल पर मौजूद होंगे, प्राकृतिक खाद्य पदार्थों के रूप में अदरक, चाय, दाल कॉफी, पापड़, एपल जैम और अचार आदि उपलब्ध रहेंगे। साथ ही मेला मे बच्चों के मनोरंजन का भी पुख्ता इंतजाम किया जाएगा। इसके साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी लोग भरपूर आनंद उठा पाएंगे। सरस आजीविका मेला के दौरान देश भर के 31 राज्यों के हजारों उत्पादों की प्रदर्शनी और बिक्री होगी। ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा यह एक मुहिम की शुरूआत की गई है, जिससे कि हस्तशिल्पियों और हस्तकारों को कोरोना के बाद एक